जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 259 प्रभात कोटा, शनिवार 2 जुलाई, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

टोक्यो ओलंपिक के गोल्ड मैंडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने स्टॉकहोम में खेले गये डायमण्ड लीग में अपने प्रदर्शन से इतिहास रच दिया है। उन्होंने इस गेम में 89.94 मीटर का जैवलिन थ्रो किया और मात्र 6 सैंटीमीटर के फासले से 90 मीटर का मार्क हासिल करने से चूक गये। तथापि, उन्होंने एक ही महीने में दूसरी बार नैशनल रिकॉर्ड तोड़ा है। डायमण्ड लीग गेम में ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा वर्ल्ड चैम्पियन एंडरसन पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे और उन्होंने सिल्वर मैंडल हासिल किया है। उनके प्रतिद्वंदी एंडरसन पीटर्स ने जैवलिन थ्रो में 90 मीटर का मार्क हासिल किया और टूर्नामैंट के गोल्ड मैंडलिस्ट बने। इससे पहले नीरज चोपड़ा ने गत 14 जून 2022 को पावो नूरमी गेम्स (फिनलैण्ड) में 89.30 मीटर के साथ अपना ही नैशनल रिकॉर्ड तोड़ा था। नीरज चोपड़ा भले ही 90 मीटर थ्रो करने से चूक गए हों, लेकिन राष्ट्रीय रिकॉर्ड के अलावा वे स्टॉकहोम के नतीजे से प्रसन्न होंगे, क्योंकि यह पहली बार है, जब वे इस प्रतिष्ठित डायमण्ड लीग प्रतियोगिता में शीर्ष-3 में रहने में सफल रहे। 90 मीटर का मार्क चूक जाने के बाद नीरज चोपड़ा ने कहा, "अब मेरा अगला टारगैट 90 मीटर का मार्क हासिल करना है, मैं इसके बेहद करीब हूं और इसी साल मैं इस टारगैट को हासिल कर लूंगा।"

"रियल" शिव सेना कौन है: यह संघर्ष अब सैन्टर स्टेज पर रहेगा!

शिन्दे ने एम.एन.एस. के अध्यक्ष राज ठाकरे को नयी सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में जॉइन करने का ऑफर दिया है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 जुलाई। वर्ष 1966 में शिवसेना की स्थापना करने वाले बाला साहेब ठाकरे की विरासत किसके पास जाएगी?

क्या बाला साहेब के पुत्र के विरूद्ध विद्रोह का सफल नेतृत्व करने वाले महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इसे संभालेंगे ? या फिर जिन्हें बाला साहेब ने अपना उत्तराधिकारी चुना था, यानी कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ? इन दोनों में से कौन-इस पार्टी की विरासत संभालेगा?

इन प्रश्नों के उत्तर आज सहज उपलब्ध नहीं है, लेकिन-दोनों पक्षों के दावों और प्रतिदावों का अंतिम परिणाम महाराष्ट्र की राजनीति के भविष्य का मार्ग तय करेगा।

यद्यपि, विद्रोही शिंदे गुट और पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे के नेतृत्व वाली अधिकारिक शिवसेना के दावों और प्रतिदावों का की सच्चाई चुनाव आयोग और अदालत को तय करनी है, फिर भी दोनों प्रतिद्वंद्वी पक्षों ने स्थिति अपने-अपने पक्ष में करने के लिए गतिविधियां शुरू कर दी हैं।

- **जानकार सूत्रों का कहना है कि, प्र.मंत्री मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने वादा किया है कि, वे हर संभव प्रयास करेंगे कि, शिन्दे को ही शिव सेना का सिंहासन मिले।**
- **हालांकि, शिन्दे को शिव सेना विधायकों का लगभग पूर्ण समर्थन मिला है, परन्तु फिर भी यह इतना आसान नहीं है, क्योंकि उद्धव ठाकरे का केस भी काफी मजबूत है, क्योंकि उद्धव ठाकरे का शिव सेना के संगठन पर पूरा कब्जा है।**
- **चार महीने बाद बी.एम.सी. के चुनाव होंगे तथा भाजपा बी.एम.सी. को शिव सेना के कब्जे से मुक्त कराकर उस पर अपना अधिपत्य जमाना चाहती है। भाजपा का मानना है, जब तक बी.एम.सी. को उद्धव ठाकरे के कब्जे से मुक्त नहीं करा लेती, तब तक मुम्बई पर उसकी पकड़ कमजोर ही रहेगी।**

सूत्रों ने बताया कि, नए मुख्यमंत्री शिंदे ने आज उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई एवं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एम.एन.एस.) प्रमुख राज ठाकरे से सम्पर्क कर उनसे पूछा कि क्या वे अपनी पार्टी को सरकार में शामिल करना चाहेंगे। शिंदे ने उनके विधायक को कैबिनेट मंत्री का पद भी ऑफर किया। शिंदे जनमानस में यह बात डालना चाहते हैं कि एक ठाकरे उनके साथ हैं।

दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे ने कहा कि, मुख्यमंत्री शिंदे शिवसेना मुख्यमंत्री नहीं हैं, क्योंकि शिवसेना नहीं है तो शिवसेना का सी.एम. नहीं हो सकता। शिवसेना प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे, सरकार के गठन के तरीके पर टिप्पणी कर रहे थे।

ठाकरे ने कहा, "जिस तरीके से सरकार का गठन किया गया है और एक कथित शिवसेना कार्यकर्ता (एकनाथ शिंदे) को मुख्यमंत्री बनाया गया है, मैंने यही बात अमित शाह को कही थी। वर्ष 2019 में विधानसभा चुनावों के बाद सम्मानजनक तरीके से ऐसा किया जा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छोटी पार्टियों को उनकी विधायक संख्या के अनुपात से ज्यादा महत्व क्यों मिलता है?

महाराष्ट्र में शिन्दे का मु.मंत्री बनना भी इस चलन का नवीनतम उदाहरण है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 जुलाई। महाराष्ट्र ने एक ऐसे राजनीतिक ट्रैण्ड को दर्शाया है जो यदा-कदा सामने आता रहा है। छोटी पार्टियों को एक गठबंधन सरकार में उनकी विधायक संख्या के अनुपात से ज्यादा सत्ता प्राप्त होना।

एकनाथ शिंदे जहां मुख्यमंत्री बन चुके हैं, वहीं गठबंधन सरकार के दीर्घकालीन स्थायित्व और शिवसेना के शिंदे धड़े के भविष्य को लेकर भी प्रश्न चिन्ह हैं। पुराने ट्रैण्ड्स दर्शाते हैं कि, भाजपा ने अपने गठबंधन सहयोगियों की कीमत पर ही अन्ततः बढ़त हासिल की है। भारतीय राजनीति में पिछले कुछ दशकों से, "कम महत्वपूर्ण" द्वारा "अति महत्वपूर्ण" को नियंत्रित करने की प्रवृत्ति एक वास्तविक पुनरावृत्ति बनती आयी है, लेकिन इनमें से अधिकांश प्रयोग विफल रहे हैं।

वर्ष 1995 में मायावती भाजपा और जनता दल के बाहरी सहयोग से मुख्यमंत्री बनी थीं। तब भाजपा की 177 सीटें थीं और बसपा की 67 सीटें थीं। भाजपा के समर्थन वापस लेने के कारण यह सरकार चार माह बाद गिर गई थी। वर्ष 1997 में मायावती भाजपा के समर्थन से एक बार फिर मुख्यमंत्री बनीं। तब भाजपा की 174 और बसपा की 67 सीटें थी। हालांकि बसपा चाहती थी-भाजपा उसे बाहर से समर्थन दे, लेकिन भाजपा सरकार शामिल हो गई। इस बार सरकार थोड़ा लम्बा चली, किन्तु कार्यकाल पूर्ण करने में विफल रही। वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में बतौर महागठबन्धन राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) की 80 सीटें थीं और जनता दल, युनाइटेड की 71 सीटें थीं। लेकिन नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बन गए। यह सरकार अपना आधा कार्यकाल ही पूरा कर सकी। वर्ष 2004 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में 224 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 79, कांग्रेस को 65 और जे.डी. (एस.) को 58 सीटें मिली थीं। कांग्रेस और जे.डी. (एस.) में गठबन्धन हो गया और धरम सिंह मुख्यमंत्री बने। जब कुमार स्वामी ने सरकार बनाने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया तब धरम सिंह सरकार गिर गई।

राष्ट्रीय पार्टियों के क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठबन्धन ने दोनों दिशाओं में काम किया है। कभी यह राष्ट्रीय पार्टियों के पक्ष में गया है तो कभी खिलाफ। उदाहरण के तौर पर असम, महाराष्ट्र और बिहार में यह शुरूआत भाजपा ने की थी, जो कि, एक छोटी पार्टी थी। असम की क्षेत्रीय पार्टी, असम गण परिषद (ए.जी.पी.) को जहां भाजपा ने एक तरह से निगल लिया है, वहीं महाराष्ट्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ऐसे कई उदाहरण हैं देश के प्रजातंत्रीय इतिहास में। जैसे 1995 में बसपा नेता मायावती मु.मंत्री बनीं, जबकि उनकी पार्टी के कुल 67 विधायक थे तथा भाजपा के 177 थे।**
- **यह सरकार भाजपा द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद चार महीने में गिर गयी।**
- **इसके बाद 1997 में भाजपा के 174 विधायक जीत कर आये व बसपा के 67, पर, इस बार भाजपा मायावती की सरकार में शामिल हुई, सरकार ज्यादा चली, पर अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पायी।**
- **इसी प्रकार 2015 में बिहार में नीतीश के 71 विधायक आये और आर.जे.डी. के 80, पर नीतीश मु.मंत्री बने। पर गठबंधन सरकार कार्यकाल पूरा नहीं कर पायी, पहले ही गिर गयी।**
- **कुछ ऐसा ही हुआ कर्नाटक में, 2004 के विधानसभा चुनाव के बाद।**
- **छोटी पार्टियां मु.मंत्री बनवा लेती हैं, पर सरकार समय से पूर्व गिर जाती है।**

इसाईयों के खिलाफ हिंसा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम (यू.सी.एफ.) ने शुक्रवार को कहा कि, वर्ष 2022 के पाँच महीनों में ईसाईयों पर हिंसा के 207 केस दर्ज हुये हैं तथा यह आँकड़ा दर्शा रहा है कि, वर्ष में प्रतिदिन हिंसा की एक से अधिक घटना हुई है।

फैडरेशन ऑफ कैथलिक असोसिएशन ऑफ आर्चडायोसिस के अध्यक्ष ए.सी. माइकेल ने एक बयान में

- **युनाइटेड क्रिश्चियन फोरम ने कहा कि, गत पांच महीने से हर दिन इसाईयों के खिलाफ एक न एक हिंसा की वारदात होती है।**

कहा कि, 2021 के अंत तक साल-दर-साल के आँकड़े देखे गये तथा सामने आया कि पूरे देश में हिंसा के 505 केस दर्ज हुए हैं। हर पाँच में से एक केस उत्तर प्रदेश में दर्ज हुआ है।

उन्होंने कहा कि, इन घटनाओं में यौन हिंसा, डराना-धमकाना, सामाजिक बहिष्कार, बर्बरता एवं कला-विध्वंस तथा धार्मिक स्थलों का अपवित्रीकरण तथा प्रार्थना-सेवा में अवरोध पैदा करना आदि से जुड़ी घटनाएं शामिल हैं। अधिकांश घटनाओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नूपुर शर्मा उदयपुर के हत्याकाण्ड के लिये जिम्मेवार हैं'

सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा के बारे में बहुत तीखी टिप्पणियां कीं, सुनवाई के दौरान

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भाजपा की निलम्बित प्रवक्ता नूपुर शर्मा से कहा कि, एक टी.वी. शो में मोहम्मद साहब पर की गई टिप्पणी के लिये वो राष्ट्र से क्षमा याचना करें। न्यायालय ने उन्हें इस सप्ताह के शुरु में हुई हत्या के लिये भी ज़िम्मेदार ठहराया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं जमशेद बी. पर्दीवाला की अवकाशकालीन बैंच ने उन्हें "पूरे देश में भावनाओं को भड़काने के लिये अकेला ज़िम्मेदार ठहराया" तथा उनके द्वारा मांगी गई यह राहत देने से इनकार कर दिया कि, उनके (नूपुर के) खिलाफ विभिन्न राज्यों में दायर की गई सभी एफ.आई.आर. एक साथ मिला ली जायें। बैंच की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने नूपुर शर्मा की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील मनिन्दर सिंह से कहा, "नहीं मिस्टर सिंह, अदालत का अन्तःकरण संतुष्ट नहीं है। हमें कानून को तदनुरुप ढाल लेना ही चाहिये।"

सिंह ने कहा कि, नूपुर ने लिखित माफीनामा दिया है, लेकिन न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि, "उन्होंने अपने शब्द वापस लेने में काफी देर कर दी" तथा यह भी कहा कि, नूपुर शर्मा ने यह कहकर कि, "अगर किसी की भावनाएं आहत हुई हों तो," खेद भी सशर्त व्यक्त किया है।

जब वकील ने यह कहा कि, अगर उन्हें एक अदालत से दूसरी अदालत जाते रहना पड़ेगा तो उनके जीवन के लिये खतरा पैदा हो सकता है, तो न्यायमूर्ति कांत, जो अधिकांशतः बैंच की तरफ से ही बोले, ने पलटवार किया: "खतरा उनके लिये है या सुरक्षा के लिये वो खतरा बन गई हैं? जिस तरह से उन्होंने पूरे देश की भावनाएं भड़काई हैं.....।"

अदालत ने दिल्ली पुलिस की प्रतिक्रिया की कड़ी आलोचना की तथा पूछा, "दिल्ली पुलिस ने क्या किया है? हमारा मुँह मत खुलवाइये।" न्यायमूर्ति कांत ने नूपुर शर्मा के वरिष्ठ वकील की इस दलील को खारिज कर दिया कि, एक समाचार चैनल पर उनके द्वारा टिप्पणी किये जाने के बाद सबसे पहले दिल्ली पुलिस ने ही एफ.आई.आर. दर्ज की थी। न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि, नूपुर शर्मा को न तो गिरफ्तार किया गया था और न उनसे पूछताछ की गई थी।

न्यायमूर्ति कांत ने कहा, "टी.वी. बहस किस विषय से संबंधित थी? केवल एक एजेंडा को प्रचारित-प्रसारित करने के लिये? उन्होंने निर्णयाधीन विषय को चुना ही क्यों था? तो क्या हुआ कि, वो सत्तारूढ़ दल की प्रवक्ता हैं? क्या वे यह सोचती हैं कि उनके पीछे सत्ता खड़ी है तथा वे देश के कानून के सम्मान का ध्यान रखे बिना कोई भी बयान दे सकती हैं?"

- **नूपुर शर्मा के वकील ने कहा, नूपुर शर्मा ने माफी मांगी है तथा खेद व्यक्त किया है, पर सुप्रीम कोर्ट इस स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं दिखा और कहा, "माफी मांगने में बहुत देरी की तथा खेद भी सशर्त व्यक्त किया।"**

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, "हमने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शर्म

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 जुलाई। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नुपूर शर्मा के लिए यह न्यायोचित ही कहा है कि, पूरे देश में भावनाएं भड़काने के लिए एकमात्र वही जिम्मेवार हैं।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने एक वक्तव्य में कहा कि, शीर्ष अदालत की टिप्पणी पूरे देश की भावनाओं को दर्शाती है और इससे

- **कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा, नूपुर शर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों के कारण भाजपा को अपना सर शर्म से झुका लेना चाहिये।**

सत्तारूढ़ पार्टी को अपना सिर शर्म से झुका लेना चाहिए।

वक्तव्य में कहा गया, "यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि, भाजपा साम्प्रदायिक भावनाएं भड़काकर लाभ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति पद के लिये विपक्ष की एकता की कल्पना खत्म हुई

महाराष्ट्र में सत्ता पलटने के घटनाक्रम के बाद, द्रौपदी मुर्मू के वोट इतने अधिक हो गये कि, चुनाव महत्वहीन सा हो गया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि द्रौपदी मुर्मू बड़े आराम से राष्ट्रपति चुनाव जीत जायेंगी। आज यह बात स्वयं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार की।

महाराष्ट्र के राजनैतिक परिदृश्य में एकाएक आये इस मोड़ के बाद, भाजपा के पक्ष में आऐ महाराष्ट्र के विधायक और सांसद मुर्मू की जीत में एक अतिरिक्त संख्या बल के रूप में होंगे।

जो भी है, वाजपेयी सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहे यशवन्त सिन्हा, जो बाद में भाजपा के कटु आलोचक हो गये थे, को अपनी इज्जत का खयाल करते हुये, राष्ट्रपति पद की दौड़ से हट जाना चाहिये। इस समय, अगर वे बहुत बड़े अन्तर से चुनाव हारेंगे तो उनकी वरिष्ठता को देखते हुये, उनकी स्थिति बड़ी दयनीय दिखाई देगी।

अगर यह स्थिति किसी को बिल्कुल साफ दिखाई दी है, तो वो हैं ममता बनर्जी, जिन्होंने आज खुलकर कह दिया कि, मुर्मू के जीतने की बेहतर संभावनाएं हैं। ममता की इस घोषणा पर अधीर चौधरी, जो बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं, ने ऐतराज जताते हुए कहा कि, "दीदी" ने यह घोषणा प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशों की अनुपालना में की है।

ममता बनर्जी के इस बयान के साथ ही, राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की एकजुट लड़ाई निस्संदेह रूपसे समाप्त मानी जा सकती है। सर्वसम्मति निरर्थक हो गई है। ममता बनर्जी कुछ समय से बड़ा दिलचस्प खेल खेल रही हैं। विपक्ष के बहुत से नेताओं को यह पक्का संदेह था कि ममता बनर्जी, वस्तुतः भाजपा के हित में काम कर रही हैं तथा विपक्षी एकता को बिगाड़ रही हैं।

अधीर रंजन चौधरी ने आगे कहा, "मुर्मू के पक्ष में यह बात शुरू से ही है। इस समय यह कोई नई खोज नहीं है। उन्होंने (ममता) यह बयान प्रधानमंत्री के इशारे पर दिया है।

बंगाल कांग्रेस के इस दिग्गज नेता ने कहा कि, सभी विपक्षी दलों ने अपने सर्वसम्मत उम्मीदवार का चयन किया है तथा ममता भी उस सर्वसम्मति का हिस्सा थीं। लेकिन, इस समय यह कहना कि वे राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले मतदान को लेकर दुखी थीं, एक प्रकार का विश्वासघात है।

अंदरूनी तौर पर विपक्षी दलों की एकता के प्रयासों को ध्वस्त करने, जैसा कि अधीर चौधरी ने आरोप लगाया है, के अलावा भी, ममता की मजबूरी सुस्पष्ट है। बंगाल में आदिवासी आबादी काफी है तथा जब से वे मैदान में आई हैं, ममता आदिवासी आबादी को अपनी ओर खींचने में लगी हुई हैं।

ममता को सार्वजनिक तौर पर, भाजपा की इस पसंद को गले उतारने में तकलीफ हो ही रही थी। भाजपा के इस चयन पर सभी चकित थे तथा इससे सभी एक प्रकार से निहत्थे हो गये थे। अब भाजपा दलितों और आदिवासियों की आवाज को अपनी आवाज बनाने का दावा कर सकती है।

ममता ने आरोप लगाया कि, भाजपा ने अपने उम्मीदवार के बारे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **इस तथ्य पर ऑफिशियल मोहर लगा दी, बंगाल की मु.मंत्री ममता बनर्जी ने, यह कह कर कि, दौपद्री मुर्मू की जीत में अब कुछ संशय नहीं, बल्कि बहुत आसान जीत होगी।**
- **ममता बनर्जी के वक्तव्य से काफी हड़कम्प मच गया है विपक्ष में, क्योंकि यशवन्त सिन्हा का चयन पूरे विपक्ष ने साथ बैठकर किया था तथा इस प्रयास में ममता बनर्जी सबसे आगे थीं, अतः उनका दौपद्री मुर्मू के पक्ष में दिया गया वक्तव्य एक तरह से पीठ में छुरा घुसाना माना जा रहा है।**
- **कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने तो यह तक कहा कि, ममता जी का वक्तव्य प्र.मंत्री मोदी के इशारे पर दिया गया है तथा राष्ट्रपति चुनाव के मुद्दे पर ममता बनर्जी, विपक्ष की एकता के खिलाफ काम कर रही हैं।**

हत्यारे हाई सिक्युरिटी जेल में

अजमेर, 1 जुलाई (कासं)। उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल की निर्मम हत्या के आरोपी रियाज और गौस मोहम्मद को अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में लाया गया है। कड़ी सुरक्षा बंदोबस्त के बीच उन्हें उदयपुर से

- **कन्हैयालाल हत्याकाण्ड के आरोपी, रियाज़ व गौस मोहम्मद को कड़ी सुरक्षा के बीच उदयपुर से अजमेर पहुंचाया गया तथा हाई सिक्युरिटी जेल में तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है।**

अजमेर पहुंचाया गया। अजमेर जेल के अधीक्षक पारस जांगिड़ के अनुसार कन्हैयालाल की हत्या के आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने के बाद गुरुवार आधी रात बाद करीब 2.30 बजे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सच्चा गुरु अनुभव है। –स्वामी विवेकानंद

'अग्निपथ' सर्वथा उपयोगी योजना है

जो भी योजना केन्द्र व राज्य सरकारें लागू करना चाहती हैं उनकी मंशा सामान्यतया अच्छी ही होती है, क्योंकि कोई भी सरकार जनता की कोपभाजन नहीं बनना चाहती। सत्ता में रहने के लिये वह लोकप्रिय भी रहना ही चाहेगी। कमियाँ रहती हैं तो उसकी क्रियान्विति में। कुछ योजनाएँ तो ऐसी होती हैं जो सतह पर बड़ी मीठी लगती हैं परंतु जिनका दूरगामी परिणाम सुखद नहीं होता। उदाहरण के लिए मुफ्त सेवाएँ और मुफ्त वस्तुएँ देने की योजनाएँ। देश में मुफ्त क्या कुछ पैदा हो सकता है? नहीं। और यदि सरकारें सब कुछ मुफ्त लुटाती रहें तो देश का बजट ही गड़बड़ा जायगा या फिर करदाताओं पर अधिक टेक्स लगेगा। कुल मिला कर व्यापार जगत तो पुन: सामान्य जनता से ही वसूली कर टेक्स का पुनर्भरण करेगा। हम में से प्रत्येक को अपनी-अपनी सेवा, अपने-अपने परिश्रम व उद्यम से ही कुछ पाने का प्रयास करना चाहिये।

हमारे परिश्रम, हमारे उद्यम, हमारी सेवाओं की गुणात्मकता में निरन्तर वृद्धि का भी प्रयास रहना चाहिये। हो यह रहा है कि सामान्य नागरिक की यह भावना बनती चली जा रही है कि कम से कम काम करो और अधिक से अधिक वसूल करो। हमारे सत्ताधारियों ने मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, कई सब्सिडी, मनरेगा कई ऋण और उनकी माफी, मुफ्त नकद राशि जैसी कई योजनाएँ चलाकर भी जनता में आलस्य, कामचोरी, अकर्मण्यता व बेईमानी सिखाये हैं।

विपक्ष ने तो हर योजना को नकारा ही है और यही नहीं घोर हिंसात्मक आंदोलन भी किये हैं और कराये हैं, भले ही उनकी सरकारों में भी ऐसी योजनाएँ बनी हों परंतु लागू न हो पाई हों। इस विरोध का आधार तो केवल स्वार्थ और सत्ता प्राप्ति का प्रयास है। लेकिन जब कुछ बुद्धिजीवी इसका विरोध करते हैं तो क्या वे योजना का गहराई से अध्ययन करके विरोध करते हैं या मात्र सतही जानकारी और क्षणिक भावावेश के कारण करते हैं। कृषि विधेयक को काला कानून कहने वाले राजनेता व बुद्धिजीवियों की कमी नहीं है, भले ही उन्होंने उसका आद्योपांत अध्ययन न किया हो। यही हाल शिक्षा नीति व अन्य सुधारों का है। इसका प्रमाण यह है कि कोई यह नहीं बताता कि उनमें खराबी क्या है। बस उसे वापिस ले लो का नारा एक-दूसरे को देखकर लगाते रहते हें।

पहले तो हमें यह समझना होगा कि प्रत्येक योजना पर राजनेता, आलाअधिकारी व संबंधित विभाग के उच्चतम अधिकारी विचार-विमर्श करते हैं। वहाँ कोई सामान्य मज़दूर, कारीगर और मिस्त्री नहीं बैठते। उनका हानि-लाभ, लोकहित या अहित देखा जाता है। सत्ता के वोट बैंक को और जनता की संभावित प्रतिक्रिया को भी ध्यान में रखा जाता है। अग्निपथ योजना में उच्चतम व शीर्ष राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी व सेना के जनरल आदि सहयोगी रहे हैं। विश्व के अन्य देशों की परम्पराओं और रीति-नीति का भी अध्ययन किया जाता है। वहाँ जनता से मज़ाक कहाने वाले शेखचिल्ली और जोकर नहीं बैठे हैं। परंतु जब विरोध ही उद्देश्य हो तो फिर कुछ भी कहा जा सकता है।

केवल एक बात को पकड़ कर बैठ गये कि चार साल बाद क्या होगा? ज़रा सोचिये एक विज्ञापन आता है सेना में भरती का जिसमें चार साल का कोर्स है और उसकी फीस चार लाख रु प्रति वर्ष है। क्या प्रवेश हेतु लोग घर और खेत नहीं बेचेंगे। हाँ, यह कोर्स भर्ती की परीक्षा हेतु है भर्ती की गारंटी हेतु नहीं। छोड़िये सेना को, सिविल सेवाओं की बात करें। वर्षों तक तैयारी, पढ़ाई, अंधाधुंध व्यय होता है। आइ.आइ.टी. व मेडिकल हेतु भी लाखों बच्चे लाखों रुपये खर्च करते हैं। क्या सबका आइ.आइ.टी., आइ.आइ.एम. तथा मेडिकल में प्रवेश हो जाता है? शिक्षक बनने के लिये वर्षों से छात्र तैयारी कर रहे हैं, करते हैं, और सफल नहीं हो पाते। पूर्व सत्ताओं के जमाने से कई वकील, इंजीनियर, डॉक्टर, कई अन्य सुशिक्षित व शिक्षक के पात्र ऑटो चला रहे हैं, मेहनत-मज़दूरी कर रहे हैं, अपने प्रशिक्षण एवं शिक्षण से इतर काम कर रहे हैं। इस योजना में तो शत प्रतिशत चयित अभ्यार्थियों को चार साल गहन प्रशिक्षण एवं अनुशासन में रह कर रोज़गार भी मिलेगा। इन सैन्य प्रशिक्षितों में से सभी सेनाओं एवं उनके अंगों यथा स्थल, जल व नभ सेना में स्थायी नियुक्ति मिलेगी और उसके बाद शेष अर्द्ध सैन्य बल व पुलिस में खपेंगे। चार वर्ष बाद एक प्रशिक्षित सैन्य शक्ति तैयार होगी जो सेना तथा अर्द्ध सैन्य बल के अलावा सिविल सेवाओं के लिये भी सुरक्षित भंडार का काम करेगा। यह योजना सांप्रदायिक हिंसा, पत्थरबाजी, आंतकवाद आदि को जन बल, जन शक्ति बना कर रोक सकेगी। धीरे-धीरे युवा शक्ति गहन सैन्य प्रशिक्षण से सुसज्जित होकर देश की रक्षा हेतु किसी आपात स्थिति हेतु तैयार रहेगी। अमेरिका में ड्राफ्ट योजना प्रचलित रही और हर युवा अपनी शिक्षा के बाद अनिवार्य रूप से सैन्य प्रशिक्षण में रह कर ही आगे अपने भविष्य का निर्माण करता था। इज़रायल में हर युवक व युवती सैन्य प्रशिक्षण से फौलाद हैं, टेक्सी व ट्रेक्टर भी चलाते हैं?

युवाओं का जीवन बन रहा है, बिगड़ नहीं रहा। मुक्त गगन उनके स्वागत में खड़ा है, उन्हें खुले मुक्त, स्वच्छंद होकर आकाश में उड़ान भरने दीजिये, अपनी सफलताओं का आलिंगन करने दीजिये। गर्व से कहिये, ''मैं 'अग्निपथ योजना' का समर्थन करता हूँ, अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो, प्रशस्त पुण्य पंथ है बढ़े चलो, बढ़े चलो।''

हमारे यहाँ हर जगह दादागिरी व पट्टागिरी की परम्परा चल पड़ी है। राजनीति में पीढ़ी दर पीढ़ी पट्टा रहे। नौकरी में परिश्रम न करना पड़े। बस सरकारी नौकरी मिल जाये, उसका पट्टा मिल जाये, फिर काम तभी करें जब कुछ ऊपरी कमाई का जुगाड़ हो। क्या किसी भी निजी उद्योग में स्थायित्व अनिवार्य है? सरकारी पट्टा कितने लोगों को मिल पाता हे। क्या गैर सरकारी नौकरी, व्यवसाय, उद्योग वाले लोग जीते नहीं हैं? फिर ऐसा क्या हुआ कि सारे देश को जलाया गया? बसों, रेलों, थानों व सत्ता पक्ष के राजनेताओं पर आक्रमण किया गया उन्हें जलाया गया, नष्ट किया गया। क्या यही युवा शक्ति है जो सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा करेगी? क्या ये कोचिंग सेंटरों और विपक्षी राजनेताओं के बहकावे में आये? क्या इनमें से अधिकांश विपक्ष के कार्यकर्ता नहीं हैं? अगर ये हैं और यदि नहीं भी हैं तो कतई सेना में भर्ती के योग्य नहीं हैं। इनसे शपथ पत्र भरवाया जाना उचित है कि ये हिंसा में लिप्त नहीं थे। और कोई झूठा शपथ पत्र पाया जाय तो इतनी कड़ी सज़ा दी जाय कि नज़ीर बन जाय।

लेखक स्वयं चार वर्ष तक एन.सी.सी. के सघन प्रशिक्षण में रहा है। बटालियन से 'सी' सर्टिफिकेट में प्रथम रहा। सीधे कमीशन के योग्य था परंतु विवाहित हो जाने से नहीं जा सका। क्या इससे जीवन रुक गया? वह डॉक्टर बनना चाहता था, वह भी नहीं हो सका। क्या इससे सारे रास्ते बंद हो गये?

21-23 वर्ष तक यूँ ही मान लीजिये कि शिक्षण-प्रशिक्षण चलता रहा और अंतिम चार वर्ष देश सेवा का गौरव मिला तथा रोज़गार का भी। उसके बाद भी सरकार के अनेक रास्ते खुले हैं और जीवन के अनेक गैर सरकारी दरवाज़ों में प्रवेश हेतु सरकार उन्हें तन, मन, धन से सशक्त बना कर ही मैदान में छोड़ेगी। युवाओं को भ्रमित मत करिये, भ्रमित होकर भ्रम न फैलाइये। युवाओं का जीवन बन रहा है, बिगड़ नहीं रहा। मुक्त गगन उनके स्वागत में खड़ा है, उन्हें खुले मुक्त, स्वच्छंद होकर आकाश में उड़ान भरने दीजिये, अपनी सफलताओं का आलिंगन करने दीजिये। गर्व से कहिये, ''मैं 'अग्निपथ योजना' का समर्थन करता हूँ, अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो, प्रशस्त पुण्य पंथ है बढ़े चलो, बढ़े चलो।''

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

राशिफल शनिवार 2 जुलाई, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, आश्लेषा नक्षत्र रविवार प्रात: 6:30 तक, हर्षण योग दिन 11:32 तक, गर करण दिन 3:18 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मेष, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। भद्रा रात्रि 4:12 से रविवार सांय 5:07 तक है। बुध मिथुन राशि में प्रात: 9:42 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:23 से 9:06 तक। चर 12:31 से 2:13 तक, लाभ-अमृत 2:13 से 5:38 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:21

मेष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में अत्याधिक व्यस्तता अभी बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

सिंह

परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

कन्या

अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृश्चिक

धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक कारणों से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

भरो होय सो रीतियो, रीतो होय भराय

नए भारत में इतिहासकारों को अपशब्द कहने की एक नई परंपरा स्थापित हुई है और वह भी ज्यादातर उन लोगों द्वारा जिन्होंने जीवन में कभी गंभीर साहित्य का कोई सार्थक अध्ययन नहीं किया है। पर ध्यान रहे कि इतिहासकार तथ्यों पर आधारित बात ही सामने रखेगा। इसीलिए इतिहास चुभता है और इतिहासकार आरोपित होता है पर फिर भी लिखने का साहस करता है।

बात 1723 से 1775 के बीच की है जब आज के नेपाल के एक भाग को गोरखा राज्य कहा जाता था और इस छोटी सी रियासत का राजा था पृथ्वी नारायण शाह । वह एक महत्वाकांक्षी राजा था जिसने पड़ोसी राज्य काठमांडू, पाटन और भडगांव पर अधिकार जमा कर एक बड़ा राज्य स्थापित किया था। आगे चलकर उसने हिमालय की तराई वाले भागों पर अधिकार किया, शिवालिक पर्वत श्रृंखला, कुमाऊं, गढ़वाल, शिमला, सिक्किम का कुछ भाग, तिब्बत की कई वादियां अपने आधिपत्य में करते हुए पंजाब की सीमा तक एक विशाल साम्राज्य स्थापित किया। पृथ्वी नारायण शाह की मृत्यु के कोई पांच साल बाद गुजरांवाला के सरदार महासिंह सुकरचकिया के यहां रणजीत सिंह का जन्म हुआ।

उन्नीसवीं सदी के प्रारंभिक काल में गोरखा और सिख दोनों ही अपनी शक्ति के शिखर पर थे। रणजीत सिंह के समय कांगड़ा में कटोच राजपूत संसार चंद का राज था। संसार चंद ने होशियारपुर पर अधिकार जमाने की कोशिश की तो रणजीत सिंह से बुरी तरह परास्त होकर सिख साम्राज्य के सामंत बन कर रहना पड़ा।

उधर पृथ्वी नारायण थापा की मृत्यु के बाद उसकी जगह अमर सिंह थापा नेपाल का राजा बना। उसने चंबा, नूरपुर, कोटला जसरोटा, मण्डी और कुल्लू आदि पर अधिकार जमाते हुए सतलुज नदी पर कब्जा जमाने की कोशिश की। संसार चंद जब घिर गया तो कांगड़ा किला रणजीत सिंह को उपहार में देकर थापा से अपनी रक्षा करवाई।

डॉ रामावतार शर्मा

गणेश घाटी में चले लंबे युद्ध में रणजीत सिंह ने थापा की सेना का रसद मार्ग बाधित कर दिया। भूख और प्यास से प्रताड़ित गोरखा सेना को रणजीत सिंह ने एक सुरक्षित मार्ग से वापस नेपाल जाने दिया क्योंकि सिख इन बहादुर सैनिकों को मारना नहीं चाहते थे। इस बात का आगे चल कर सिख साम्राज्य को बड़ा फायदा हुआ जब गोरखा रणजीत सिंह की सेना के अभिन्न अंग बने, कई युद्धों में उनको विजय दिलवाई। चूंकि रणजीत सिंह की राजधानी लाहौर थी तो नेपाल में ये सिपाही 'लहुरिया' कहलाए।

आगे चल कर 1814-16 में अंग्रेजों और गोरखा लोगों का युद्ध हुआ और फिर 1846 और 1848-49 में अंग्रेजों एवम् सिखों के बीच युद्ध होने के फलस्वरूप भारत के इन हिस्सों में अंग्रेजों का राज स्थापित हो गया। अंग्रेजों ने भी सिख और गोरखा सैनिकों की बहादुरी का सम्मान करते हुए दोनों ही जगह बड़ी हिंसा नहीं की, दोनों को अपनी सेना में विशेष सम्मान के साथ शामिल किया। गोरखा आज भी ब्रिटेन की सेना का गर्व हैं । अब यह जानना रोचक हो सकता है कि आगे चलकर इन तीनों के वंशजों का क्या हुआ। कांगड़ा के राजा संसार चंद कोटोच के पुत्र महज एक संकेतात्मक राजा ही बने रहे जब तक भारत आजाद नहीं हुआ। थापा लोग समय की मिट्टी में कब कहां अपना महत्व खो बैठे इसमें अब किसी की कोई रुचि नहीं है। महाबली रणजीत सिंह के पुत्र दिलीप सिंह पेरिस के एक निम्न स्तरीय होटल में कंगाली से जूझते मृत पाए गए। ये उदाहरण बताते हैं कि आज जिनकी दुंदुभी बज रही होती है कल वो सन्नाटे में गुम भी हो सकते हैं।

सत्ता का नशा विचित्र होता है लेकिन सत्ता में हवा का रुख बदलने का दावा करने वाले खुद हवा हो जाते हैं। आज हम भारत में राजनीति के अग्रणी परिवारों को गुमनामी में जाते देख रहे हैं। सत्ता एवं धन के शिखर पर खड़े लोग आलोचकों को बर्दाश्त नहीं करते है और प्रताड़ित करते हैं। ऐसा होता रहा है और आगे भी होता ही रहेगा। अनुभव इसी तरफ तो इशारा करता रहता है। संत कबीर ने क्या खूब कहा है:–

'भरो होय सो रीतियों, रीतो होय भराय।
रीतो भरो न जानियो, अनुभव सो ही कहाय'।।

डॉ रामावतार शर्मा,
चिकित्सक एवं लेखक

भरतपुर में रथयात्रा को खींचने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा

भरतपुर, (निसं) । भरतपुर में कोविड के दो साल बाद शुक्रवार को उड़ीसा की जगन्नाथ रथयात्रा की तर्ज पर शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए रथयात्रा निकाली गई । ठाकुरजी के लिए मोगरा के फूलों का रथ सजाया गया जिसमें भगवान श्री जगन्नाथ जी विराजकर शहर भ्रमण को निकले। इस अवसर पर मंदिर में फूलबंगला झांकी सजाई गई । रथ यात्रा में शहनाई, बैंडबाजों, ढ ोल नगाड़े की धुन पर झांकियां निकाली गई । भगवान श्रीजगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान श्रद्धालु नाचते गाते चल रहे थे। तो वहीं समिति की ओर से श्रद्धालुओं को खिचडी का प्रसाद वितरित किया गया ।

भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा को खींचने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। रथयात्रा को खीचने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। रथयात्रा का संचालन किला बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन की ओर से किया गया । रथयात्रा बिहारीजी मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के गोपालगढ़ , मथुरा गेट, चौबुर्जा, कोतवाली, वासन गेट होते हुए नई मंडी पर समाप्त हुई।

रथयात्रा का लोगो ने आरती उतारकर और प्रसाद लगाकर स्वागत किया। भगवान श्री जगन्नाथ जी की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बाजारों में जमा रही। जैसे ही भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा सामने पहुंची तो लोग श्री जगन्नाथ जी की आरती उतारने के लिए आतुर रहे और रथयात्रा को खींचने के लिए आगे पहुंचे। तो वहीं बाजारों में भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा में चलने वाले श्रद्धालुओं को मीठे जलपान, आइसक्रीम, मिठाई, शर्बत आम, शिकंजी, तरह तरह के सुल्पाहार दिए।

भगवान श्री जगन्नाथ जी के शहर भ्रमण के दौरान भीड़ उमड़ी।

इस अवसर पर जगह -जगह भी भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा समिति द्वारा अग्रवाल धर्मशाला खिरनी घाट कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पंचामृत अभिषेक होगा तथा 56 भोग की झांकी सजाई गई तथा वृंदावन की मंडली द्वारा संकीतर्न किया गया। बाद में दाल, भात प्रसादी का वितरण किया गया।

बीकानेर के युवक को फ्रांस का साहित्य आलोचक पुरस्कार

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर के एक छोटे से गांव ढाणी पांडूसर के रहने वाले लोकेश बिश्नोई को फ्रांस सरकार ने श्रेष्ठ साहित्यिक आलोचक का पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसकी जानकारी फ्रांसिसी दूतावास के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर जारी की गयी। गौरतलब है कि उन्हें यह पुरस्कार फ्रांस के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित कृति 'ला पल्स सक्रेत मेमुआर देस होम' की आलोचना के लिए मिला है।

इस पुरस्कार की दौड़ में 37 देशों के लेखकों ने आलेख दिए थे लेकिन पुरस्कार की जूरी ने लोकेश बिश्नोई के आलेख का चयन किया। इस उपलब्धि के साथ एक और उपलब्धि यह भी जुड़ गई है कि लोकेश बिश्नोई इस साल नवंबर में पेरिस में होने वाले 'गोनकूर साहित्य पुरस्कार' वितरण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे पहले वे इस साल हुए गोनकूर चॉइस ऑफ इंडिया पुरस्कार की जूरी के सदस्य भी रहे हैं। लोकेश इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता विजयकुमार, सूरत के डिप्टी कमिश्नर महेंद्र कुमार गोदारा और जेएनयू दिल्ली से शोध कर रहे अपने सीनियर देवीलाल गोदारा को देते हैं। लूणकरणसर तहसील के ढ ाणी पाण्डूसर गांव के लोकेश ने अपनी प्राइमरी एज्यूकेशन राजस्थान में ली और आगे की पढ़ाई के लिए दिल्ली के प्रसिद्ध जवाहरलाल नेहरू विश्व विद्यालय के भाषा केंद्र में प्रवेश लेकर फ्रांसिसी भाषा और साहित्य का अध्ययन किया। उन्होंने ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई जेएनयू दिल्ली से ही की। हालांकि पीएचडी में भी उनका चयन जेएनयू और हैदराबाद के इफ में हुआ लेकिन आगे पीएचडी में नवाचार करने के लिए उन्होंने हैदराबाद के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयु) को चुना।

अनदेखी के चलते धुंधला रहा है चिड़ावा की हवेलियों में समाया इतिहास

चिड़ावा, (निसं)। इतिहास को समाये चिड़ावा की प्राचीन हवेलियों के मालिक कमाने के लिए बाहर निकले और फिर प्रवासी ही बन गए। एक-दो हवेलियों को छोड़ कर ज्यादातर हवेलियां ऐसी है जिनकी सार-संभाल नहीं हो रही। ऐसे में वे जर्जर हो चुकी हैं और गिरने के कगार पर हैं।

इन हवेलियों में सैकड़ों साल का इतिहास समाया है। इनमें ज्यादातर हवेलियां 100 से 200 साल तक पुरानी है। इन हवेलियों को उस समय परिवार की स्थिति और शाही अंदाज दिखाने के लिए सेठ-साहूकारों द्वारा बनवाया गया था। एक दौर ऐसा था जब शानो-शौकत दिखाने का जरिया ये हवेलियां बन गई । जब सेठ-साहूकार इन हवेलियों से बाहर निकलते थे तो उनका अंदाज भी शाही रहता था।

हवेलियों की बनावट उस समय सामूहिक परिवार की अवधारणा को लेकर किया गया था। एक हवेली में कई कमरे होते थे। इन कमरों की ऊंचाई भी करीब 15 से 20 फुट रखी गई। हवेलियों में शाल के पेड़ की लकड़ियों को गाटर की जगह काम में लिया गया है। प्राचीन हवेलियों की खासियत उनके बाहर खास शैली में की गई चित्रकारी भी है। माटी से बनाए गए कलर से की गई फ्रेस्को पेंटिंग आज भी कई हवेलियों पर कायम है। इनमें भारत के पौराणिक इतिहास से लेकर राजा-महाराजाओं के समय को भी उकेरा गया है। ज्यादातर हवेलियों के मालिकों ने व्यापार के लिए बाहरी इलाकों का रुख किया। कोलकाता, मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली सहित देशभर में विभिन्न इलाकों में उद्योग धंधे स्थापित कर यहां के उद्योगपतियों ने काफी नाम क्षेत्र का किया है।

प्राचीन इतिहास से रूबरू करवाने वाली हवेलियों के साथ ही कई मंदिर भी स्थापत्य कला के बेजोड़ नमूने हैं। लेकिन ये भी फिलहाल अनदेखी के चलते धीरे-धीरे इतिहास में समाते नजर आ रहे हैं। भूमाफिय द्वारा कुछ हवेलियों को तो तोड़ भी दिया गया है। सरकार प्रवासीजनों से बात कर इन हवेलियों की देखरेख का जिम्मा लेकर इन्हें पर्यटन स्पॉट के रूप में काम में ले सकती है।

भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पी- डॉ. भीमराव अम्बेडकर

भारत का संविधान विश्व के सभी संविधानों की प्रमुख विशेषताओं को समेटे हुए पूरी तरह भारतीयता के रंग में रंगा हुआ है। जिसमें नागरिकों को समानता और सह-अस्तित्व की गारण्टी देकर, भारत को प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य घोषित करता है।

24 मार्च, 1946 को कैबिनेट मिशन भारत आया और मिशन की योजना के आधार पर संविधान सभा की स्थापना हुई। संविधान सभा के लिए डॉ. अम्बेडकर भी निर्वाचित हुए। 29 अगस्त, 1947 को संविधान प्रारूप समिति बनी। जिसके चेयरमैन डॉ. अम्बेडकर को बनाया गया। भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, ब्रिटिश संसद ने 18 जुलाई, 1947 को पारित कर दिया तथा 3 जून 1946 से संविधान सभा ही भारत की प्रथम संसद बनी। 15 अगस्त 1947 को भारत एक स्वतंत्र एवं संप्रभुता-सम्पन्न राष्ट्र बन गया।

जुलाई 1947 में पं. नेहरू ने सरदार पटेल एवं एस.के. पाटिल से सलाह मशविरा करके डॉ. अम्बेडकर को अपनी कैबिनेट में विधि मन्त्री बनाने का प्रस्ताव रखा, जो कि उन्होंने स्वीकार कर लिया। हमारा देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हो गया। हालांकि संघीय भारत के काफी बड़े हिस्से में साम्प्रदायिक दंगे हो रहे थे। 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा ने स्वतंत्र भारत के संविधान मसौदा निर्माण समिति के नामों की घोषणा कर दी थी। जिसमें कि डॉ. अम्बेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया गया।

सदस्यों में सर अल्लादी कृष्णास्वामी, सर बी.एन.राय, श्री सैय्यद एम. सादुल्लाह, सर एन. गोपालस्वामी आयंगर, डॉ. के.एम. मुंशी, सर बी.एल मित्रर तथा श्री डी.पी. खेतान चुने गये। इस प्रकार मसौदा समिति में कुल आठ सदस्य थे। इसके बाद डॉ. अम्बेडकर भारत के संविधान प्रारूप निर्माण कार्य में पूरी तरह व्यस्त हो गये। 29 अगस्त 1947 से लगातार संविधान निर्माण के महति कार्य को बड़ी लगन, उत्साह एवं बुद्धिमता से दिन-रात करते रहे, तथा 16 फरवरी 1948 तक 171 दिन में संविधान का प्रारूप तैयार कर दिया।

संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को अन्तिम रूप से स्वीकार कर पास कर दिया गया तथा 26 जनवरी 1950 से लागू किया गया।संविधान की प्रस्तावना में घोषणा की गई है कि ''हम भारत के लोग, भारत को सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी , धर्म निरपेक्ष, लोकतन्त्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतन्त्र प्रतिष्ठा और अवसर की समानता प्राप्त कराने के लिए और उन सभी में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता को सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर आज दिनांक 26 नवम्बर 1949 को इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्मर्पित करते हैं। संविधान की प्रस्तावना वर्तमान समाज में अन्तर्निहित सामाजिक और आर्थिक सिद्धान्तों के विकास का सार प्रस्तुत करती है।

25 नवम्बर, 1949 को डॉ. अम्बेडकर जो कि इसके मुख्य निर्माता थे, तीसरे पठन के बाद संविधान सभा में इस पर बहस का जवाब देने के लिए खड़े हुए। उन्होंने कहा मैं केवल दलित जातियों के हितों के लिया आया था। हैरत हुई, जब मुझे संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी का चैयरमैन चुना गया। प्रसन्नता हुई कि मुझे देश की सेवा करने का एक अवसर मिल गया है । 26 जनवरी, 1950 को संविधान को लागू करके देश पूर्ण स्वतन्त्र होगा । क्या भारत की जनता, अपने मत, मजहब या स्वार्थ की अपेक्षा देश को अधिक महत्व देगी। अपने रक्त की अन्तिम बूंद देकर भी हमें अपनी स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने अपने चालीस मिनिट के सारगर्भित भाषण में भारत की समस्त जनता से स्पष्ट शब्दों में अपील की, कि सच्चे अर्थों में सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक रूप से जाति व्यवस्था को खत्म कर दो।

यादरामसिंह यादव

पूरी संविधान सभा जिसमें प्रधानमंत्री पं. नेहरू भी उपस्थित थे, ने शान्तिपूर्वक सुना और जब भाषण खत्म हुआ तो सभी सदस्यों ने तालियां बजाकर उनका आभार व्यक्त किया। डॉ. अम्बेडकर ने भारत की जनता को सावधान करते हुए कहा कि 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू करके देश पूर्ण स्वतन्त्र होगा लेकिन राजनीति में हम एक व्यक्ति एक वोट तथा इसकी एक वैल्यू को महत्व देंगे। परन्तु सामाजिक व आर्थिक जीवन में हम एक व्यक्ति एक वैल्यू को अस्वीकार करेंगे। डॉ. अम्बेडकर ने संविधान सभा के सदस्यों की शंकाओं का जवाब, हर विषय पर बडी विद्वतापूर्वक दिया।

संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्रप्रसाद प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर के कार्य से प्रभावित होकर संविधान सभा में बोले, डॉ. अम्बेडकर को कानून, समाजशास्त्र तथा आर्थिक क्षेत्रों में हमारे देश के इतिहास, मानव विज्ञान व संसार के संविधानों की उत्पत्ति व विकास के विशाल ज्ञान पर अधिकार है।

भारत ही नहीं विश्व के प्रमुख समाचार पत्रों ने एवं देश के बुद्धिजीवियों तथा संविधान सभा के सदस्यों ने डॉ. अम्बेडकर के संविधान प्रारूप निर्माण कार्य की भूरि-भूरि प्रसंशा की। उन्हें आधुनिक मनु की तथा बीसवीं सदी के स्मृतिकार एवं संविधान के शिल्पकार की उपमाओं से अंलकृत कर सम्मान दिया। संविधान प्रारूप सम्बन्धी कार्य के लिए सर्वप्रथम संविधान सभा के विशेषज्ञ सर अल्लादी कृष्णास्वामी आयंगर ने कहा कि मेरे मित्र डॉ. अम्बेडकर ने जिस योग्यता और कुशलता के साथ संविधान को प्रस्तुत किया और प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने जो अथक परिश्रम किया उनके लिए मेरे मन में बहुत प्रशंसा भाव है।

संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि दिन-प्रतिदिन की कार्यवाही को इस कुर्सी पर बैठे-बैठे देखते हुए मैं यह महसूस करता हूँ कि इतनी लगन, श्रद्धा एवं उत्साह से खराब स्वास्थ्य के बावजूद भी प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर ने जो कार्य किया है, उतना इस कमेटी के किसी भी सदस्य ने नहीं किया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने भारत के संविधान निर्माण कार्य में सबसे प्रमुख भूमिका निभाई है। उन्होंने इतना कठोर श्रम किया एवं सावधानी बरती है उतनी कोई नहीं कर सकता। नेहरू जी अकसर उन्हें कैबिनेट का हीरा कहकर पुकारते थे।

11 जनवरी 1950 को बम्बई दलित जाति फैडरेशन ने डॉ. अम्बेडकर का स्वर्णपात्र में संविधान की प्रति भेंट करते हुए भारी सन्मान किया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. अम्बेडकर ने कहा कि पिछले 20 सालों से सवर्ण हिन्दुओं तथा कांग्रेसी नेताओं ने मुझे मुस्लिम समर्थक, ब्रिटिश समर्थक तथा हिन्दु धर्म का विनाशक एवं स्वतन्त्रता विरोधी-नेता, कहकर निंदित किया है। मुझे आशा है कि मेरे संविधान के निर्माण कार्य से मुझे वे सही रूप में समझने में समर्थ होंगे और उन आरोपो को तिलांजलि देंगे जिन्हें वे मुझ पर लगाते आये हैं।

5 जून 1952 को अमेरिका की कोलम्बिया यूनिवर्सिटी द्वारा संसार के सवोत्तम संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर को डॉक्टर ऑफ लाज की उपाधि देकर सम्मानित किया गया। अमेरिका वासियों ने इससे पूर्व डॉ. अम्बेडकर को भारत का बुकरिटी-वाशिंगटन का सम्मान प्रदान किया था।

बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि स्वरूप उनकी आदमकद प्रतिमा 'संसद-भवन' नई दिल्ली के प्रांगण मे स्थापित की गयी। वर्ष 1990 में बाबा साहब को राष्टं की सेवाओं के लिए 'भारत रत्न' के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से उनके मरणोपरान्त उनकी पत्नी को देकर सम्मानित किया। डॉ. अम्बेडकर द्वारा किये गये देशहित में उनके महान कार्यों को कभी भुलाया ना जा सकेगा। भारत की जनता उनकी हमेशा के लिए ऋणी रहेगी।

यादरामसिंह यादव,
स्वतंत्र लेखक एवं वरिष्ठ साहित्यकार

चातुर्मास व्रत महोत्सव एवं दिव्य रूद्राभिषेक महायज्ञ

कोटा, (निसं)। श्रीराम मंदिर स्टेशन पर चातुर्मास व्रत महोत्सव एवं रूद्राभिषेक महायज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें भव्य शोभायात्रा चातुर्मास शुभारंभ से एक दिन पूर्व 9 जुलाई 2022 शनिवार को प्रातः 10 बजे श्री राम मंदिर से प्रारंभ होगी। श्री राम मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष ऋषि शर्मा व कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुधीर उपाध्याय ने बताया कि इस आयोजन की सफलता के लिए शुक्रवार को गणेश पूजन किया गया। इस भव्य आयोजन में पूज्य दण्डी स्वामी श्री नैमीनाथ अन्न क्षेत्र (प्रयागराज) से संतों का शुभागमन पहली बार श्री राम मंदिर कोटा जंक्शन पर हो रहा है। ब्रह्मचारि महाराज के मार्गदर्शन में 10 जुलाई से 10 सितम्बर 2022 तक नित्य प्रातः 6 बजे से 10 बजे के मध्य पूजाचरन व सहस्रौं पार्थिव शिवलिंगाभिषेक एवं महायज्ञ यजमानों द्वारा प्रतिदिन किया जाएगा। कोटा संभाग के श्रद्धालु भक्त जन इस पावन आयोजन में तन मन धन से सहभागी बनकर आलौकिक धर्म लाभ प्राप्त करेंगे। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत नित्य नवीन चार यजमानों दम्पत्तियों की सहभागिता निश्चित रूप से आवश्यक रहेगी।

आर्य समाज ने किया सेवाभावी चिकित्सकों का सम्मान

कोटा में आर्य समाज ने चिकित्सकों का सम्मान किया। इस मौके पर डॉ पुरूषोत्तम मित्तल, डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता आदि मौजूद थे।

कोटा, (निसं)। कोरोना काल में अपनी जान जोखिम मे डालकर मरीजों का इलाज कर मानवता की मिसाल पेश करने वाले चिकित्सकों का डॉक्टर्स डे पर आर्य समाज द्वारा सम्मान किया गया। डाक्टर्स डे के अवसर पर आर्य समाज कोटा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में डाक्टर्स का सम्मान करते हुए कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि इन सेवाभावियों का सम्मान करते हुए में स्वयं गौरवांवित हो रहा हूं। आर्य समाज के सेवा व आध्यात्मिक कार्य अनुसरणीय है।

इस अवसर पर डॉ पुरूषोत्तम मित्तल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा मुझे प्रशन्नता है कि आर्य समाजी परिवार से हूं, बचपन से ही घर में वैदिक यज्ञ, प्रवचन के कार्यो में सहभागी रहा हूं, सम्मान पाकर अभिभूत हूं। डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि कोटा मे आर्य समाज के विभिन्न कार्य अर्जुन देव चड्ढा के नेतृत्व मे किए जा रहे है, महर्षि के मिशन को आगे बढ़ाया जा रहा है। आर्य उप-प्रतिनिधि सभा कोटा संभाग के मीडिया प्रभारी आचार्य अग्निमित्र शास्त्री ने बताया कि डॉक्टर्स डे के अवसर पर आर्य समाज कोटा संभाग द्वारा कोटा के आर्य परिवारों के डाक्टर्स का सम्मान किया गया। कोटा संभाग के मंत्री लालचन्द आर्य ने बताया कि डॉक्टर्स डे पर आर्य समाज द्वारा तलवण्डी स्थित कृष्णा रोटरी ब्लड बैंक पर प्रधान अर्जुन देव चड्ढा के निर्देशन व नेतृत्व मे आयोजित कार्यक्रम मे आर्य प्रतिनिधियों, आर्य समाज रेल्वे कॉलोनी के प्रधान हरिदत्त शर्मा, महर्षि दयानंद नगर तलवण्डी की प्रधान सुमनबाला सक्सैना, पुरोहित भैरू लाल शर्मा, नरेंद्र शर्मा, खेड़ारसूलपुर के प्रधान रामनारायण कुशवाह, मंत्री कैलाश नामा, युवा कार्य कर्ता किशन आर्य हरियाणा, रामपुरा के आनन्दी लाल कुशवाह, केएल गुप्ता, गायत्री शक्तिपीठ कोटा के मुख्य ट्रस्टी जीडी पटेल, विशिष्ट अतिथि डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता, डॉ. सरोज गुप्ता, डॉ. पुरूषोत्तम मित्तल, डॉ हर्ष गोयल, डॉ. सुभाष आर्य, डॉ. केसी गुप्ता, डॉ कविता कश्यप और डॉ. सौरभ गुप्ता को माल्यार्पण कर गायत्री मंत्र से सुसज्जित पटका, केसरिया साफा पहनाकर मंत्रोचार के साथ सम्मानित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रार्थना मंत्रोचार व समापन्न शान्ति पाठ के साथ हुआ।

इंटरनेट सेवा पर 2 जुलाई की शाम 4 बजे तक रोक

कोटा, (निसं)। संभागीय आयुक्त दीपक नंदी ने आदेश जारी कर कोटा संभाग के चारों जिलों में इंटरनेट सेवाएं, बल्ब एसएमएस, सोशल मीडिया बाय इनंटरनेट सेवाएं को 2 जुलाई शाम 4 बजे तक स्थगित किया है। संभागीय आयुक्त द्वारा जारी आदेशानुसार कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ जिले के सम्पूर्ण क्षेत्र में 2जी, 3जी, 4जी डाटा, इंटरनेट सर्विस, बल्क एसएमएस, एमएमएस, व्हाट्सएप्प, फेसबुक, ट्विटर एंड अदर सोशल मीडिया बाई इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स (एक्सेप्ट वॉइस कॉल ऑफ ऑल लेंडलाइन, मोबाइल फोन, ऑल लीज लाइन एंड ब्रॉडबैंड यथासंभव हॉस्पिटल, बैंक और इंडस्ट्रीज को छोड़कर) पर लागू अस्थाई निषेधाज्ञा 2 जुलाई को शाम 4 बजे तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने सभी नागरिकों को इस आदेश की पालना करने और अवहेलना नहीं करने के आदेश दिए हैं। यदि कोई इन प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करेगा तो वह सक्षम विधिक प्रावधानों से अभियोजित किया जा सकेगा।

सार-समाचार

स्थापना दिवस मनाया

कोटा, (निसं)। बंसल क्लासेज के 40वें स्थापना दिवस के अवसर पर 01 जुलाई 2022 को छात्रों, अभिभावकों, संकायों और कर्मचारियों के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बंसल क्लासेज की निदेशक नीलम बंसल एवं महिमा बंसल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। छात्रों ने नृत्य, गायन और स्टैंड-अप कॉमेडी सहित विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। जैसा कि बंसल क्लासेस हमेशा अपने सामाजिक योगदान के लिए जाना जाता है, इसे जारी रखने के लिए, बंसल क्लासेस ने कोटा के नए मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी विंग के नए निर्माण ऑपरेशन थिएटर के लिए दो बहुक्रियाशील स्ट्रेचर दान किए। बंसल क्लासेस के एमडी और सीईओ समीर बंसल ने वी.के.बंसल से अपनी सीख साझा की और बंसल क्लासेस की सभी उपलब्धियों को स्वीकार किया।

आवेदन की अंतिम तिथि 11 जुलाई

कोटा, (निसं)। संगीत भूषण/प्रभाकर प्रथम व द्वितीय वर्ष बोर्ड परीक्षा (गायन, वादन, नृत्य) आवेदन फार्म 11 जुलाई तक भरे जा सकेंगे। प्रधानाध्यापक राजकीय संगीत माध्यमिक (प्रभाकर) विद्यालय रामपुरा अशोक जैन ने बताया कि नियमित/स्वयंपाठी छात्र/छात्राओं के आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई तथा विलम्ब शुल्क अंतिम तिथि 15 जुलाई रखी गई है। उन्होंने बताया कि आवेदन हेतु सायं 5.30 बजे से 8.00 बजे तक विद्यालय में संपर्क कर सकते है।

पेरेंट्स ओरिएंटेशन सेमीनार संपन्न .

छबड़ा। सफलता इंग्लिश मीडियम स्कूल में षुक्रवार को पेरेंट्स ओरिएंटेशन सेमीनार संपन्न हुआ, जिसमे शैक्षणिक गतिविधियों, क्रियाकलापों के बारे में अभिभावकों को अवगत कराया गया। निदेशक मुकेश कुमार मौर्य ने बताया की स्कूल द्वारा प्राकृतिक तरीके से बच्चों को इंग्लिश स्पीकिंग सिखा जा रही हैं।

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-76 विक्रय स्वीकृति चाहने बाबत आम सूचना दिनांक:-1.7.22

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना बसंत विहार के-9 का आवास संख्या 683 श्री नन्द सिंह पुत्र भंवर सिंह को आवंटन पत्र दिनांक 10.4.1985 के द्वारा आवंटन किया गया था। अत: उक्त भूखण्ड की विक्रय स्वीकृति जर्ये मुख्तारआम श्री अभय कुमार पुत्र धर्मदेव प्रसाद द्वारा नगर विकास न्यास, कोटा से चाही जा रही है।

अत: जरीये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम विक्रय स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास संख्या 683 योजना बसंत वि. के-9 की विक्रय स्वीकृति श्री अभय कुमार पुत्र धर्मदेव प्रसाद के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

नवनिर्मित मंदिर निर्माण का भूमि पूजन समारोह संपन्न हुआ

बारां में नवनिर्मित मंदिर निर्माण का आज भूमि पूजन समारोह संपन्न हुआ।

बारां,(निसं)। मंदिर राधाकृष्ण सेवा समिति मांगरोल बाईपास पर सेठ मोतीलाल जी की बाडी में नवनिर्मित मंदिर निर्माण का आज भूमि पूजन समारोह संपन्न हुआ। सेवा समिति के अध्यक्ष भंवरलाल मेहरा ने बताया कि मंदिर निर्माण के लिए स्व. सेठ मोतीलाल रामस्वरूप सर्राफ की स्मृति में उनके पुत्र विनोद, राजेंद्र, नवीन, नीरज गर्ग ने 30 गुणा 65 की भूमि मंदिर निर्माण के लिए समिति को निशुल्क भेंट की है।

मंदिर निर्माण समिति के उपाध्यक्ष चन्द्र चौधरी के अनुसार आज उसी भूमि पर मंदिर निर्माण भूमि पूजन का कार्यक्रम विनोद गर्ग, पत्नी रेखा गर्ग, मां श्रीमती गीता देवी के मुख्य आतिथ्य में समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था के कोषाध्यक्ष रामस्वरूप खींची ने बताया कि मांगरोल बाईपास क्षेत्र में यह पहला मंदिर निर्माण होगा, जिसमें करीबन एक वर्ष का समय लगेगा। यहां के निवासियों के जनसहयोग से मंदिर निर्माण संपन्न होगा। समारोह में कोषाध्यक्ष रामस्वरूप खींची ने अपनी ओर से एक लाख 100 रूपए नकद राशि देने की घोषणा की।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विनोद गर्ग ने कहा कि मंदिर निर्माण में हमेशा जनसहयोग से जो निर्माण होता है उसमें सभी की आस्था भी निहित होती है। समारोह में अन्य दानदाताओं में चन्द्रप्रकाश चौधरी, हेमराज राठी, पप्पू सुमन मिस्त्री, जसवंत सिंह हाडा बोहत, ओम ठाकुरिया ने भी अपनी ओर से मंदिर निर्माण में सहयोग की घोषणा की है।

आज कई जगह बिजली बंद रहेगी

कोटा, (निसं)। शहर में चल रहे यूआईटी के कार्यो तथा विद्युत लाइनों के रखरखाव के कारण शनिवार को सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक फ्लाईऐश एरिया, करनीनगर, शंभूपुरा, रामनगर पत्थर मंडी, सोडिया तलाई, बंजारा बस्ती, नांता, कालीबस्ती, गुलाबबाड़ी, कायनात नगर, क्रेशर एरिया, कुंद-कुंद कॉलोनी, नीलकण्ठ कॉलोनी, पीपली चौराहा, गौतम स्कूल, नारी निकेतन, ईदगाह, सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक लैण्डमार्क सिटी व आसपास का क्षेत्र, दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक ढोला मारू होटल, गुरूधाम कॉलोनी, अलकनंदा कॉलोनी, लवकुश कॉलोनी, ज्ञान सरोवर कॉलोनी, गणेशपाल, यशोदा पैलेस, अलकनंदा एनक्लेव, केशवनगर, सुबह 11.30 से दोपहर 2.30 बजे तक विज्ञाननगर सेक्टर 1 व 2, रोड नम्बर 6, गोल्डी वाटर, सुन्दर फ्लोर मिल वाली गली, ट्रैक्टर जोन, सुबह 11.30 से दोपहर 1.30 बजे तक रोड नम्बर 1 से 5, बीएसएनएल ऑफिस, कोटा दाल मिल एरिया, कमल ऑटो के आसपास, सिटी मॉल के पीछे, पुरुषार्थ भवन के आसपास, रेजोनेंस व वाईब्रेंट, मोहता इण्डस्ट्रीज व आसपास का क्षेत्र, माला फाटक, गुर्जरों की बस्ती में बिजली बंद रहेगी।

नाले में युवक का शव मिला, भाई ने रिपोर्ट दी

छबड़ा कस्बे के मुक्तिधाम मार्ग पर मृत मिले व्यक्ति के मामले में पुलिस ने भाई की रिपोर्ट पर जांच शुरू कर दी हैं।

छबड़ा। कस्बे के मुक्तिधाम मार्ग पर शुक्रवार को एक व्यक्ति मृत पड़ा मिला। पुलिस ने भाई की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू प्रारंभ कर दी हैं।

सब इंस्पेक्टर चतुर्भज ने बताया कि शुक्रवार दोपहर मुक्तिधाम के निकट नाले मे युवक की लाश पडी होने की सूचना मिली। इस पर मृतक की शिनाख्त पवन (33) पुत्र गोपाल प्रजापत निवासी बमोरा के रूप मे की गई। मृतक के भाई गोविंद ने बताया कि संभवतया: वह गुरूवार शाम को शराब के नशे में पुलिया पर बैठा था और नाले मे सिर के बल गिरने से उसकी मृत्यु हो गई।

कार्यालय नगर पालिका रावतभाटा, जिला -चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/नपारा/भूमि/2022-23/1548 आपत्ति आमंत्रण सूचना दिनांक:-30.6.22

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सरिता दीक्षित पत्नी श्री प्रवीन दीक्षित निवासी कोटा ने इस कार्यालय में आवेदन मय शपथ पत्र एवं वांछित दस्तावेजों की स्व: प्रमाणित छायाप्रतियों के साथ प्रस्तुत कर नगर पालिका रावतभाटा की बालाजी नगर आवासीय योजना के भूखंड संख्या 245 श्रेणी (LIG) साईज 6x15 कुल 90 वर्गमीटर अर्थात 968.40 वर्गफीट का नामान्तरण/हस्तान्तरण अपने नाम पालिका रिकार्ड में दर्ज करने व बाद नामान्तरण इस भूखंड पर आवासीय भवन निर्माण स्वीकृति व नक्शानुमोदन हेतु आवेदन मय नक्शे की प्रतियों के साथ प्रस्तुत किया है।

प्रस्तुत दस्तावेज एवं पत्रावली अनुसार यह भूखंड पालिका द्वारा नीलामी दिनांक 24.06.2011 अंतर्गत श्री महेश शर्मा पिता श्री जगदीश शर्मा निवासी रावतभाटा को विक्रय किया गया था, जिसकी पालिका द्वारा लीज डीड क्रमांक 159 दिनांक 07.12.2011 एवं पंजीयन दिनांक 08.12.2011 से मूल क्रेता के पक्ष में जारी की गई। इसके पश्चात क्रेता ने पालिका से विक्रय अनुमति प्राप्त कर उक्त खाली भूखंड को श्रीमती गीता देवी पत्नी श्री नेमीचन्द जैन निवासी रावतभाटा को जरिये पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 26.04.2017 से विक्रय किया गया। जिसका नामान्तरण पालिका रिकोर्ड में स्वीकृति पत्रांक 3119 दिनांक 22.09.2017 से दर्ज किया गया। इसके पश्चात इस नामान्तरिती ने पालिका से विक्रय अनुमति प्राप्त कर उक्त भूखंड को श्रीमती पूजा पत्नी श्री श्यामलाल निवासी रावतभाटा को जरिये पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 27.05.2020 से विक्रय किया गया जिसका नामान्तरण पालिका रिकोर्ड में स्वीकृति पत्रांक 5093 दिनांक 20.01.2022 से दर्ज किया गया। इसके पश्चात इस नामान्तरिती ने पालिका से विक्रय अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर उक्त भूखंड को जरिये पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 24.05.2022 से आवेदक श्रीमती सरिता दीक्षित पत्नी श्री प्रवीन दीक्षित निवासी रावतभाटा को किमतन विक्रय किया गया है। जिसके आधार पर आवेदक ने भूखंड का नामान्तरण नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों के तहत एवं बाद नामान्तरण भूखंड पर आवासीय भवन के निर्माण की स्वीकृति व नक्शानुमोदन प्रभावी मॉडल राजस्थान भवन विनियम 2020 के प्रावधानों के तहत चाही गयी है।

चूंकि खाली भूखंड पर विभागीय आदेशानुसार निर्धारित समयावधि पर भवन निर्माण नहीं किये जाने पर पुर्नग्रहण शुल्क लिया जाकर आवेदन का निस्तारण किया जाना प्रस्तावित है।

अत: उक्त भूखंड का हस्तान्तरण पालिका रिकार्ड में आवेदक के नाम दर्ज कर भवन निर्माण स्वीकृति व नक्शानुमोदन किये जाने में किसी भी व्यक्ति/विभाग/संस्था/बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति/उजर हो तो इस प्रकाशन से 07 (सात) दिवस के भीतर भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में मय साक्ष्य सबूत के अपनी आपत्ति/उजरदारी प्रस्तुत कर सकते है। आपत्ति अवधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रावतभाटा

जेईई-मेन के दूसरे अटेम्प्ट के आवेदन के लिए मिलेगा एक और मौका

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की जा रही देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन के दूसरे अटेम्प्ट के आवेदन के लिए एक और मौका स्टूडेंट्स को दिया जाएगा। इसकी सूचना शुक्रवार को एनटीए द्वारा नोटिफिकेशन जारी कर की गई। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई-मेन के दूसरे अटेम्प्ट की आवेदन प्रक्रिया गुरुवार को समाप्त होने के उपरान्त बहुत से विद्यार्थी आवेदन करने से चूक गए थे।

इसमें कई कारण शामिल थे। अंतिम तिथि के बाद इन विद्यार्थियों द्वारा एनटीए को दूसरे अटेम्प्ट के आवेदन प्रक्रिया पुनः शुरू करने की मांग की गई, जिसके बाद एनटीए द्वारा शुक्रवार को इस संदर्भ में सूचना जारी की गई, जिसके अनुसार जेईई-मेन जून अटेम्प्ट के परिणाम के उपरान्त विद्यार्थियों को दूसरे अटेम्प्ट के लिए आवेदन करने का पुनः मौका दिया जाएगा। इसका बड़ा कारण इस वर्ष दूसरे अटेम्प्ट के लिए विद्यार्थियों को अलग से आवेदन करना अनिवार्य था, अन्यथा वे परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते थे। इसे देखते हुए एनटीए द्वारा विद्यार्थियों के हित में यह निर्णय लिया गया, हालांकि जेईई-मेन के दूसरे अटेम्प्ट के लिए 1 लाख 50 हजार से अधिक विद्यार्थी पूर्व में नए कैंडिडेट के रूप में आवेदन कर चुके हैं एवं पहले अटेम्प्ट में 9 लाख से अधिक विद्यार्थी परीक्षा दे चुके हैं। ऐसे में जेईई-मेन 2022 के लिए यूनिक कैंडिडेट की संख्या 10 लाख से अधिक होगी।

शिक्षण प्रशिक्षण पांचवें दिन भी जारी रहा

छबड़ा। कस्बे की लोधा धर्मशाला में चल रहे कक्षा 1 से 5 में अध्यापन कराने वाले शिक्षकों के लिए बुनियादी साक्षरता आधारित शिक्षण प्रशिक्षण के पांचवे दिन भी जारी रहा। प्रशिक्षण प्रभारी चिंकी गालव, शंकरलाल नागर, शिविर प्रभारी रामचरण गुप्ता, व्यवस्थापक सुरेश चन्द मित्तल, अंजू भार्गव, सुनील कुमार जांगिड़ ने शिविर की सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर प्रशिक्षण स्थल की बैठक व्यवस्था, प्रशिक्षण स्थल, बैठक, आवास सहित प्रोजेक्टर व शिक्षण व्यवस्थाओ का जायजा लिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत दक्ष प्रशिक्षक निधि सारस्वत, उदय सिंह यादव, धर्मेन्द्र बैरवा ने प्रथम ओर द्वितीय सत्र में आरंभिक कक्षाओं में समन्वित पर्यावरण अध्ययन, कला, खेल, शिक्षा शास्त्र के बारे में बताया गया। तृतीय सत्र ओर चतुर्थ सत्र में स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम, बहुकक्षीय-बहुस्तरीय स्थिति तथा कक्षा-कक्ष प्रक्रिया के चरण के बारे में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा जानकारी दी गई।

बीए प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

छबड़ा। स्थानीय अमरचंद राजकुमारी बरडिया जैन विश्वभारती स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीए प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में ऑफ लाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो ग है।

प्राचार्य डॉ. आरसी मीना के अनुसार बीए प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में एक जुलाई से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो ग है। बीए में प्रवेश के लिए कार्यालय समय सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रवेश आवेदन पत्र प्राप्त कर महाविद्यालय में आवेदन कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं जो बीए प्रथम वर्ष में प्रवेश लेना चाहते है वे महाविद्यालय में आकर प्रवेश फॉर्म प्राप्त कर सकते है। प्रवेश के लिए छात्र-छात्रा को संबंधित स्कूल से टीसी, चरित्र प्रमाण पत्र व 10वीं व 12वीं की अंकतालिका की आवश्यकता होगी। इनरव्हील क्लब की कार्यकारणी का विस्तार

छबड़ा। इनरव्हील क्लब ने नवीन सत्र की शुरुआत डॉक्टर डे मना कर की। क्लब सदस्यों ने षुक्रवार को राजकीय चिकित्सालय में पहुंचकर चिकित्सको का तिलक व माल्यार्पण कर स्वागत-सम्मान किया। इस अवसर पर चार्टर प्रेसीडेंट डोली जैन ने कार्यकारणी का विस्तार करते हुए सर्वसम्मति से निहारिका गगरानी को अध्यक्ष, सरिता जैन को उपाध्यक्ष, अर्चना गगरानी को सचिव, रेनू जैन को कोषाध्यक्ष, नमृता माहेश्वरी को आ एसओ, पल्लवी जैन को कोऑर्डिनेटर बनाया हैं। स्वागत कार्यक्रम में पूर्व पदाधिकारी व सदस्य सीमा बागडी, आशा अग्रवाल, नंदिनी सोनी, रेखा गेरा आदि मौजूद रही।

मंत्री धारीवाल ने प्रदेशवासियों से शांति सौहार्द्र बनाए रखने अपील की

कोटा, (निसं)। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा एवं प्रदेशवासियों से बयान जारी कर अपील की है कि राजस्थान साम्प्रदायिक सौहार्द्र एवं सद्भाव के लिए जाना जाता है। हमारे प्रदेश के भाईचारे की मिसाल पूरे देश में दी जाती है। मेरा सभी धर्मगुरूओं, जन-प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं समाजसेवियों से आग्रह है कि वे सामाजिक सौहार्द्र की अपील करें ताकि प्रदेश में शांति का वातावरण बना रहे। प्रदेशवासी अशांति फैलाने एवं माहौल खराब करने वाले असामाजिक तत्वों के बहकावे में नहीं आएं। समाज में भय एवं अशांति का माहौल नहीं हो, इसके लिए ऐसी कोई भी सामग्री एवं वीडियो को सोशल मीडिया सहित अन्य प्लेटफार्म पर प्रसारित नहीं करें। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि अपराधी चाहे कितना ही बड़ा हो और किसी धर्म या सम्प्रदाय का हो, उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने घटना के बाद त्वरित एक्शन लिया है। अब इस मामले में एनआईए भी जांच कर रही हैं। हम प्रदेश में शांति, साम्प्रदायिक सद्भाव और भाईचारा कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 1201 जाहिर आम सूचना दिनांक - 22.6.22

आवास संख्या 1-झ-20 दादाबाड़ी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री चन्द्र प्रकाश सक्सैना पुत्र श्री दिलीप सिंह सक्सैना को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री चन्द्र प्रकाश सक्सैना पुत्र श्री दिलीप सिंह सक्सैना के नाम दिनांक 09.08.1990 को किया गया। श्री चन्द्र प्रकाश सक्सैनै पुत्र श्री दिलीप सिंह सक्सैना की मृत्यु दिनांक 19.09.2018 को हो चुकी है। श्री चन्द्र प्रकाश सक्सैना पुत्र श्री दिलीप सिंह सक्सैना द्वारा अपने जीवनकाल में वसीयत नामा आलेखित कर दिनांक 28.08.2018 को अपनी धर्मपत्नी श्रीमती गीता सक्सेना पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश सक्सेना को किया गया। श्रीमती गीता सक्सेना पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश सक्सेना द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम वसीयत नामा के आधार पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन वसीयत नामा के आधार पर श्रीमती गीता सक्सेना पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश सक्सेना के नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये के उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती गीता सक्सेना पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश सक्सेना का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन वसीयत नामा के आधार पर श्रीमती गीता सक्सेना पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश सक्सेना के नाम मंडल अभिलेख में दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 1329 जाहिर आम सूचना दिनांक - 30.6.22

आवास संख्या 5-बी-9 विज्ञान नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री डी.जी. धामनकर पुत्र श्री जी.डी. धामनकर को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री दिवाकर गोविन्द धामनकर पुत्र श्री जी.डी. धामनकर द्वारा दिनांक 26.03.1992 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरान्त श्री दिवाकर गोविन्द धामनकर पुत्र श्री जी.डी. धामनकर द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 20.05.1995 को श्रीमती माया गुप्ता पत्नी श्री डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता को किया गया। श्रीमती माया गुप्ता पत्नी श्री डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता का नाम दिनांक 27.11.1999 को आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज किया गया। श्रीमती माया गुप्ता पत्नी श्री डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 02.08.2019 को श्री अब्दुल सलाम, श्री असलम अंसारी, श्री साजिद अंसारी, श्री जीशान पुत्र स्व. श्री अब्दुल जब्बार को संयुक्त रुप से किया गया। श्री अब्दुल सलाम, श्री असलम अंसारी, श्री साजिद अंसारी, श्री जीशान पुत्र स्व. श्री अब्दुल जब्बार द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विक्रय पत्र के आधार पर आवास के मंडल अभिलेख में अपना नाम संयुक्त रुप से दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अत: इस आवास के मंडल अभिलेख में श्री अब्दुल सलाम, श्री असलम अंसारी, श्री साजिद अंसारी, श्री जीशान पुत्र स्व. श्री अब्दुल जब्बार का नाम विक्रय पत्र के आधार पर संयुक्त रुप से दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि इस आवास के मंडल अभिलेख में श्री अब्दुल सलाम, श्री असलम अंसारी, श्री साजिद अंसारी, श्री जीशान पुत्र स्व. श्री अब्दुल जब्बार का नाम विक्रय पत्र के आधार पर संयुक्त रुप से दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में श्री अब्दुल सलाम, श्री असलम अंसारी, श्री साजिद अंसारी, श्री जीशान पुत्र स्व. श्री अब्दुल जब्बार का नाम विक्रय पत्र के आधार पर संयुक्त रुप से दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

क्रमांक 1327 जाहिर आम सूचना दिनांक - 30.6.22

आवास संख्या 4-एफ-29 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री नित्तानन्द राय पुत्र श्री मंगल राय को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी श्री बुद्धिप्रकाश गुप्ता के नाम दिनांक 16.03.2010 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी श्री बुद्धिप्रकाश गुप्ता द्वारा दिनांक 27.03.2010 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरांत श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी श्री बुद्धिप्रकाश गुप्ता द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 09.06.2014 को श्रीमती रेखा बाई पत्नी श्री मनोहर लाल को किया गया। तत्पश्चात श्रीमती रेखा बाई पत्नी श्री मनोहर लाल द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 27.05.2015 को श्री श्रीराम शर्मा व श्री रमेश शर्मा पिसरान स्व. श्री दयाल दास शर्मा को किया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री श्रीराम शर्मा की मृत्यु दिनांक 06.10.2016 व श्री रमेश शर्मा की मृत्यु दिनांक 20.04.2021 को हो चुकी है। मृतक के अन्य वारिसानों में श्रीमती आशा शर्मा पुत्री स्व. श्री रमेश शर्मा पत्नी श्री महेश शर्मा व पदमा शर्मा पुत्री स्व. श्री रमेश शर्मा द्वारा उक्त आवास में निहित अपने हिस्से का परित्याग जरिये रिलीज डीड (त्याग पत्र) आलेखित कर दिनांक 29.11.2021 को श्रीमती शीला शर्मा पत्नी स्व. श्री रमेश शर्मा व श्री चन्द्रप्रकाश शर्मा पुत्र स्व. श्री रमेश शर्मा के पक्ष में किया गया। श्रीमती शीला शर्मा पत्नी स्व. श्री रमेश शर्मा व श्री चन्द्रप्रकाश शर्मा पुत्र स्व. श्री रमेश शर्मा को उक्त आवास के मंडल अभिलेख में रिलीज डीड (त्याग पत्र) के आधार पर संयुक्त रुप से अपना नाम दर्ज करने हेतु कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: इस आवास को श्रीमती शीला शर्मा पत्नी स्व. श्री रमेश शर्मा व श्री चन्द्रप्रकाश शर्मा पुत्र स्व. श्री रमेश शर्मा के नाम प्रतिस्थापित/हस्तांतरण करने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास को श्रीमती शीला शर्मा पत्नी स्व. श्री रमेश शर्मा व श्री चन्द्रप्रकाश शर्मा पुत्र स्व. श्री रमेश शर्मा के नाम प्रतिस्थापित/हस्तांतरण करने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। इस आवास को श्रीमती शीला शर्मा पत्नी स्व. श्री रमेश शर्मा व श्री चन्द्रप्रकाश शर्मा पुत्र स्व. श्री रमेश शर्मा के नाम प्रतिस्थापित/हस्तांतरण कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त कोटा

सीए सदस्यों ने रक्तदान कर मनाया सीए-डे

कोटा, (निसं)। कोटा सीए ब्रांच की ओर से शुक्रवार को नई धान मंडी स्थित कोटा सीए भवन में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 74वां सीए डे ध्वजारोहण के साथ सीए सदस्यों व सीए स्टूडेंट्स द्वारा रक्तदान कर शहरवासियों को इसके लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कोटा सीए ब्रांच के चेयरमैन सीए शशांक गर्ग ने ध्वजारोहण कर सभी उपस्थित सीए सदस्यों व सीए स्टूडेंट्स को 74वें सीए डे की शुभकामनायें दी।

कोटा सीए ब्रांच के चेयरमैन सीए शशांक गर्ग ने बताया कि सीए डे के अवसर पर शुक्रवार को कोटा सीए भवन में कोटा ब्लड बैंक सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर के साथ हेल्थ चेकअप शिविर का आयोजन किया गया। सीए वीक-2022 के कार्यक्रम समन्वयक सीए विष्णु गर्ग व सीए सौरभ जैन ने बताया कि रक्तदान शिविर में सीए सदस्यों के सीए स्टूडेंट्स ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा शिविर में करीब 84 से अधिक यूनिट रक्तदान हुआ। वहीं चिकित्सा शिविर में डेंटल सर्जन डॉ. नीरल बरथूनिया व फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. गौरव मित्तल आदि चिकित्सकों ने सीए सदस्यों व सीए स्टूडेंट्स को चिकित्सा परामर्श दिया। पौधारोपण कार्यक्रम आज-सीए वीक-2022 के दूसरे दिन शनिवार को सुबह 8.15 बजे वल्लभ नगर स्थित पटेल पार्क में सीए सदस्यों द्वारा पौधारोपण किया जायेगा। इसके अलावा छोटे बच्चों के लिये तलवंडी स्थित अग्रसेन सभागार में डांस मेनिया कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा, जिसमें सीए सदस्यों के बच्चे भाग लेंगे। सीए डे के अवसर पर सीए नीरज जैन, सीए रामलाल विजय, सीए एस.के.महिपाल, सीए तुषार ढींगरा, प्रोजेक्ट हेड सीए निखिल जैन, सीए आशीष व्यास, सीए संजय खंडेलवाल, सीए विपुल अग्रवाल, सीए धीरज नागर, सीए दीपांशी जैन, सीए विशाल गुप्ता, सीए मिलिंद विजय, सीए देवेंद्र कटारिया, सीए संचित अग्रवाल, सीए दीपक बूथरा, सीए रामलखन गोयल, सीए अंकुर गर्ग, सीए सौरभ चित्तोड़ा व सीए दर्शन पिपलानी आदि वरिष्ठ सीए सदस्य उपस्थित थे। कोटा सीए ब्रांच के सचिव सीए सुरेंद्र मित्तल ने सभी का आभार जताते हुए बताया कि पौधारोपण प्रोग्राम के दौरान सभी मेंबर्स को उपहार स्वरुप सैपलिंग पौधे वितरित किये जायेंगे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जागरूकता रथ रवाना किये

एडीएम बृजमोहन बैरवा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कोटा, (निसं)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2022 के तहत जिले के लिये बजाज एलायंज जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड को आवन्टित किया गया है। अतिरिक्त कलक्टर शहर बृजमोहन बैरवा ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर से किसानों की जागरूकता के लिए फसल बीमा रथों का हरिझंडी दिखाकर रवाना किया। उप निदेशक कृषि विस्तार खेमराज शर्मा ने बताया कि खरीफ फसल बीमा के लिए आवेदन की अन्तिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। जिसके तहत जिले में अधिसूचित फसलें उड़द, मक्का, धान, ज्वार, तिल एवं सोयाबीन हैं। उन्होंने बताया कि किसानों की जागरूकता के लिए पंचायत समिति वार 6 जागरूकता रथों को रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि प्रचार रथ जिले की समस्त तहसीलों (लाडपुरा, दीगोद, पीपल्दा, सांगोद, कनवास एवं रामगंजमण्डी) के प्रत्येक गांवों में जाकर किसानों को फसल बीमा सम्बन्धी जानकारी प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम 20 जुलाई तक चलेगा। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि (सांख्यिकी) अनिल कुमार शर्मा, सांख्यिकी अधिकारी अनिल कुमार श्रीवास्तव, कृषि अधिकारी (सामान्य) सत्यप्रकाश मींना, सोनल सिंघल, कृषि पर्यवेक्षक इनायत अली, अनिल कुमार उप परियोजना निदेशक आत्मा एवं अन्य कर्मचारी व बीमा कम्पनी के जिला समन्वयक भुवनेश सिंह व अन्य ब्लॉक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिका छबड़ा जिला-बारां (राज.)

क्रमांक: न.पा.छ./2022/7152 आपत्ति आमंत्रण सूचना दिनांक: 30.06.2022

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन निर्माण स्वीकृति/नामान्तरण हेतु नगर पालिका कार्यालय में निम्न आवेदनकर्ताओं में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत है। निम्न प्रकरणों में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो आपत्ति प्रकाशन के अन्दर म्याद 07 दिवस में मय दस्तावेज प्रमाण पत्र के इस कार्यालय में लिखित रुप में प्रस्तुत कर दें। समयावधि गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र. सं.	नाम सम्पत्ति मालिक जिसके नाम दस्तावेज अनुसार सम्पत्ति है। एवं पता सम्पत्ति जहां स्थित है।	प्रकरण	सम्पत्ति का विवरण
1	श्री नाथुलाल शर्मा पुत्र श्री धुलीलाल शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी छबड़ा तह. छबड़ा	भवन निर्माण स्वीकृति	इन्द्रा कालोनी भूखंड 155 साईज 18x35=630 वर्गफीट
2	श्री पुरुषोत्तम पुत्र श्री बाबुलाल साहू जाति तेली निवासी छबड़ा तह. छबड़ा	भवन निर्माण स्वीकृति	वसुन्धरा नगर आवासीय भूखंड 04 साईज 18x40=720 वर्गफीट
3	श्री राजेन्द्र पुत्र श्री ललित किशोर एवं श्रीमती संजु बाई पत्नी राजेन्द्र कुमार जाति बावर निवासी छबड़ा तह. छबड़ा	भवन निर्माण स्वीकृति	काछी मन्दिर के पास साईज 1331.25 वर्गफीट
4	श्री मन्नालाल पुत्र श्री अमरलाल व श्रीमती तुलसी बाई पत्नी श्री मन्नालाल जातियान बुजारा निवासीगण छबड़ा निवासी छबड़ा	भवन निर्माण स्वीकृति	कच्ची बस्ती जोशी कालोनी साईज 29x11=319 वर्गफीट
5	श्री तोलाराम पारेता पुत्र श्री सुरजमल पारेता जाति कलाल निवासी मायथा तह. किशनगंज	भवन निर्माण स्वीकृति	अर्जुन विहार कालोनी भूखंड सं. 120 साईज 19+23/2x23=735 वर्गफीट
6	श्रीमती लाईका बी पत्नी श्री निसार अहमद जाति मुसलमान निवासी छबड़ा	भवन निर्माण स्वीकृति	आकाश नगर कालोनी भूखंड सं. 88 साईज 20x35=700 वर्गफीट
7	श्री आजाद खान पुत्र श्री अब्दुल रशीद जाति मुसलमान निवासी छबड़ा तह. छबड़ा	भवन निर्माण स्वीकृति	गांधी नगर कालोनी भूखंड सं. 67 साईज 20x35=700 वर्गफीट
8	श्रीमती द्रोपती बाई पत्नी श्री बृजमोहन, रोहित कुमार मालव, संजय कुमार मालव, सुनिता मालव पिरसान बृजमोहन मालव जातियान धाकड़ निवासी छबड़ा	नामान्तरण	वसुन्धरा नगर कालोनी भूखंड सं. 11 साईज 20x50=1000 वर्गफीट
9	श्री मोहम्मद अनस खान, कसिम खान पुत्रगण मोहम्मद सईद खान जाति मुसलमान निवासी छबड़ा तह. छबड़ा	नामान्तरण	मालियान धाकडान धर्मशाला के बीच कालोनी भूखंड सं. 01 साईज 19x100=1900 वर्गफीट
10	श्रीमती सिरोमणी जैन पत्नी स्व. श्री सुरेन्द्र कुमार जैन जाति ओसवाल जैन निवासी छबड़ा तह. छबड़ा	नामान्तरण	स्टेशन रोड की तरफ से दक्षिण में राजेन्द्र कुमार त्यागी के मकान से लगी हुई साईज 10x30=300 वर्गफीट

नोट:- उपरोक्त भवन निर्माण स्वीकृति एवं नामान्तरण के संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशन तिथि के अन्दर 07 दिवस तक अपनी आपत्ति लिखित में न.पा. छबड़ा में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि गुजरने के बाद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका छबड़ा (बारां)

प्रदेश में मानसून ने दी दस्तक, कई जिलों में मूसलाधार बारिश हुई

उदयपुर पहुंचा मानसून, करीब एक घंटे जमकर बरसे बदरा

उदयपुर शहर में मूसलाधार बारिश के दौरान बाजार सुनसान नजर आए।

उदयपुर, (कासं)। झीलों के शहर में शुक्रवार को मानसून ने अपनी दस्तक दी । आज शाम 4 बजे बाद बदली फिजाओं के साथ आसमान में बादल छा गए। देर शाम उदयपुर शहर में सीजन की पहली बारिश ही मूसलधार के रूप में बरसी। बारिश का इंतजार कर रहे शहरवासियों को शुक्रवार को राहत मिली। करीब एक सप्ताह की देरी के बाद शाम 5 बजकर 31 मिनट पर हल्के घने बादलो के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ। यह बारिश करीब 15 से 17 मिनट चली और थम गई।

इसके बाद शाम 6 बजकर 46 मिनट पर बादल फिर घुमड़ कर आए और बारिश का दौर फिर शुरू हो गया। 7 बजकर 14 मिनट पर बारिश ने रफ्तार पकड़ी और मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हो गया जो समाचार लिखे जाने तक जारी रहा। इधर, मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार शहर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री व न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

बारिश के बाद पहाड़ों से बहने लगे झरने

टोंक क्षेत्र में मानसून की पहली बरसात के बाद झरने चले।

टोंक, (निसं)। जिले के टोडारायसिंह क्षेत्र में मानसून की पहली बरसात ने उपखण्ड क्षेत्र के खेतों को तरबतर कर दिया, वहीं बारिश से पहाड़ों में झरने फूट पड़े, जिसका लुप्त उठाने के लिए कस्बे से सैकड़ों लोग का जमावडा सुबह से ही लगने लगा।

लगातार दो दिन से हो रही बरसात से खेतों में पानी भर गया। कस्बे में शुक्रवार सुबह से ही बरसात का दौर शुरू हुआ जो दिन भर चलता रहा। कस्बे के समीप पहाड़ों से जगह-जगह पर झरने निकलने लग। भैरव झाम, हाथी खल्ला, जोगीड़ा सहित दर्जन भर झरने सुबह से ही फूटने लगे। आस-पास के गांवों में भी बरसात होने के समाचार हैं। बीते 24 घंटे में कस्बे में 49 एमएम बारिश दर्ज की गई। कृषि सहायक अधिकारी प्रहलाद ने किसानों को तिलहन व दलहन फसलों की बुआई करने की सलाह दी है। क्षेत्र के गांव पंवालिया, मांदोलाई, कूकड, भांवता, लक्ष्मीपुरा सहित आसपास के गांवों में अच्छी बारिश होने की खबर है।

कन्हैयालाल हत्याकांड: मामले में दो आरोपी और गिरफ्तार, ट्रांजिट रिमांड पर लिया

नृशंस हत्या के आरोपी अजमेर जेल में शिफ्ट, एनआईए करेगी मामले की जांच

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में हुई टेलर कन्हैयालाल की नृशंस हत्या के दोनों आरोपियों को अजमेर जेल में शिफ्ट कर दिया गया है। वहीं शुक्रवार को एनआईए ने जांच के लिए न्यायालय में आवेदन किया इसके बाद जांच उन्हें सौंप दी गई। मामले में जांच कर रही जांच एजेंसी ने दो आरोपियों को और इस मामले में गिरफ्तार कर उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर लिया है।

भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नुपूर शर्मा के पक्ष में सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने पर 28 जून को रियाज अत्तारी व गौस मोहम्मद ने से. 14 निवासी कन्हैयालाल की दुकान में घुस कर नृशंस हत्या कर दी थी। इस मामले में दोनों आरोपियों को गुरूवार शाम न्यायालय में पेश करने पर उन्हें जेल भेज दिया गया था। जांच एजेंसी दोनों आरोपियों को सुरक्षा के मद्देनजर अजमेर जेल में शिफ्ट किया। जांच एजेंसी ने आरोपियों से की गई पूछताछ के आधार पर मामले में शुक्रवार को लिप्त दो और आरोपी विजयसिंह पथिक नगर कच्ची बस्ती सवीना निवासी आसिफ पुत्र मो. हुसैन तथा रजा कॉलोनी खांजीपीर निवासी मोहसिन पुत्र मुजफ्फर खां को गिरफ्तार किया। जिन्हें दोपहर को सीजेएम न्यायालय में पेश किया। जहों से दोनों को एक दिन का ट्रांजिट रिमाण्ड दिया है। जिन्हें जांच एजेंसी पूछताछ के लिए साथ ले गई। न्यायालय में भारी पुलिस जाप्ता तैनात होने व अन्य आरोपियों को पेश करने की सूचना पर अधिवक्ताओं की भीड़ जमा हो गई और इस दौरान वकीलों ने जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन भी किया।

इधर, मामले में शुक्रवार को एनआईए की टीम ने जिला एवं सेशन न्यायालय में आवेदन पत्र दाखिल कर जांच उनको सौंपने का निवेदन किया। न्यायालय ने सुनवाई करते हुए जांच एनआईए को सौंपने के आदेश जारी किए। आदेश के बाद सभी दस्तावेज एनआईए टीम को सौंपे जाएंगे। इसके बाद एनआईए आरोपियों से पूछताछ करेगी। अब तक मामले की जांच एटीएस कर रही थी। माना जा रहा है कि नृशंस हत्या के दोनों आरोपी रियाज अत्तारी व गौस मो. को जयपुर स्थित एनआईए कोट्र में पेश किया जाएगा। जहां से उन्हें रिमांड पर लेकर एनआईटी पूछताछ करेगी। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि जांच एनआईए करें तो एटीएस व एसओजी उनको सहयोग प्रदान करेगी।

पुष्कर में बारिश से सरोवर का जल स्तर दो फीट बढ़ा

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में शुक्रवार सुबह से दोपहर तक हुई मूसलाधार बरसात हुई जिससे पवित्र सरोवर में पानी की आवक शुरू हो गई है। वही निचली बस्तियों में पानी भर जाने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है । सुबह 9:30 बजे से रुक-रुककर बरसात हो रही है। एक घंटे तक जमकर मूसलाधार बरसात हो जाने से पवित्र सरोवर में नाग पहाड़ की पहाडियों से फीडरों के द्वारा पानी की आवक शुरू हो गई है तो वहीं वराह घाट चोक गुरुद्वारा माली, मोहल्ला, परिक्रमा मार्ग, सावित्री मार्ग और पुराने रंगजी के मंदिर के बाहर पानी भर जाने से क्षेत्र के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पुष्कर के पवित्र सरोवर में पानी की आवक शुरू हुई।

श्रीमाधोपुर में 76 एम एम बारिश

श्रीमाधोपुर, (निसं)। क्षेत्र में मानसून की बारिश लगातार दो दिनों से जारी है। शुक्रवार को सुबह 11 बजे तेज बारिश हुई और इसके बाद दोपहर पौने 2 बजे तक भी रिमझिम बारिश का सिलसिला जारी है। कस्बे में सुबह 8 बजे तक 43 व दोपहर 1.30 बजे तक हुई 33 एमएम बारिश को मिलाकर कुल 76 एमएम बारिश दर्ज की गई।

शुक्रवार को हुई तेज बारिश से सडकों व गलियों में पानी भर गया। खंडेला बाजार में बहाव क्षेत्र में बारिश का पानी उफान के साथ आने से वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

किसानों ने सड़क पर लहसुन फैलाया

समर्थन मूल्य पर लहसुन की खरीद शुरु कराने की मांग को लेकर किसानों ने प्रदर्शन किया।

बारां, (निस)। भारतीय किसान संघ राजस्थान प्रदेश चित्तौड प्रांत के जिला मंत्री भूपेंद्र शर्मा के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। वहीं किसानों ने शुक्रवार को कलमंडा में सड़क पर लहसुन फैलाकर प्रदर्शन किया। साथ ही समर्थन मूल्य पर लहसुन खरीद शुरू करने व बीमा का लाभ, मुआवजा व सहकारी बीमा की बड़ी राशि वापस लेने के लिए सड़क पर किसानों ने प्रदर्शन किया।

इस दौरान मौके पर तहसीलदार मौके पर पहुंचे और किसानों को लेकर कलेक्टर कार्यालय लेकर आए, जहां पर कलेक्टर नरेंद्र गुप्ता से वार्ता करवाई। कलेक्टर ने कहा कि इस संबंध में एमडी उर्मिला राजोरिया अधिकारी राजपेड से वार्ता हुई है।आपकी समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा। एठीकल्चर इश्योरेंस कंपनी से बीमा नहीं करने के बारे में चिट्ठी सरकार को लिखी है।

इस मौके पर दौरान जिला कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण शर्मा, जिला उपाध्यक्ष बंशीलाल नागर, प्रचार प्रमुख बृजमोहन मेहता, तहसील अध्यक्ष भोजराज यादव, तहसील कार्यकारिणी सदस्य रामकुवार नागर व रासबिहारी, पूरणमल शर्मा बामला, योगेश शर्मा, लालचंद सुमन, गोविंद नागर, महावीर मीणा आदि मौजूद रहे।

कांस्टेबल ईश्वर को दी पांच लाख रुपये की सहायता

उदयपुर, (कासं)। अपने उदयपुर दौरे के तहत मुख्यमंत्री गहलोत ने गुरुवार को दिवंगत कन्हैयालाल के घायल साथी ईश्वर गौड से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने घायल ईश्वर की सहायता के लिए 5 लाख रुपये मुख्यमंत्री सहायता कोष से देने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की इसी घोषणा पर शुक्रवार को वल्लभनगर विधायक प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत ने महाराणा भूपाल चिकित्सालय पहुंच कर घायल ईश्वर गौड के परिजनों को पांच लाख रुपये का चैक सौंपा।

वल्लभनगर विधायक ने घायल कांस्टेबल को चैक सौंपा।

- वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत ने सौंपा चैक

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओपी बुनकर व चिकित्साधिकारियों के साथ चिकित्सालय के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के न्यूरो सर्जरी वार्ड में पहुंची विधायक शक्तावत ने सबसे पहले उपचाररत घायल ईश्वर से बात की और उसके स्वास्थ्य तथा दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ईश्वर के बेटे जतिन गौड व उसकी पत्नी से भी बात की तथा कहा कि भयभीत होने की तनिक भी जरूरत नहीं है, सरकार आपके साथ है। विधायक शक्तावत ने ईश्वर के पुत्र जतीन गौड से उसकी शिक्षा के बारे में पूछा तथा कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार उसकी उच्च शिक्षा अथवा रोजगार उपलब्ध कराने में भी सहयोग किया जाएगा।

ईश्वर को चैक प्रदान करने के दौरान वहां उदयपुर नगर निगम के सहवृत पार्षद रवींद्र पाल सिंह कप्पू भी मौजूद थे। पार्षद कप्पू को विधायक शक्तावत ने दायित्व सौंपा कि वे ईश्वर के डिस्चार्ज होने के बाद नियमित उसके व परिजनों के सम्पर्क में रहे और संभालते रहे। उन्होंने कहा कि ईश्वर की सुरक्षा हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने ईश्वर की सुरक्षा के मौजूद पुलिसकर्मियों से चर्चा करते हुए उन्हें मुस्तैद व तैनात रहने के निर्देश दिए। उन्होंने इस वार्ड पर विशेष निगरानी रखने के साथ ही कडी सुरक्षा के बारे में चिकित्सालय प्रबंधन को भी निर्देश दिए। साथ ही ईश्वर की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों के जलपान, भोजन आदि सुविधाओं के लिए भी चिकित्सालय प्रबंधन को निर्देशित किया।

उदयपुर-राजसमंद में नेटबंदी की अवधि 24 घंटे और बढ़ाई

उदयपुर, (कासं)। संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट ने एक आदेश जारी कर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए उदयपुर संभाग के उदयपुर व राजसमंद जिलों में नेटबंदी की अवधि शुक्रवार से अगले 24 घंटे के लिए बढा दी है।

इस आदेश के तहत संभागीय आयुक्त भट्ट ने शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से आगामी 24 घंटे तक उदयपुर संभाग के राजसमंद व उदयपुर के सम्पूर्ण क्षेत्र में इंटरनेट सेवा (लीज लाइन-ब्रॉडबैंड सेवाओं व लैंडलाइन फोन के साथ इंटरनेट सेवा को छोडते हुए) को निलंबित किया है।

सेंट्रल जेल: गुप्तांग से तीन बंडल बीड़ी बरामद

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बाद बंदियों ने अपने गुप्तांग में बीडियों के बंडल डाले हैं। इससे पहले गुप्तांग से मोबाइल बरामद किए जा चुके हैं । सोनोग्राफी जांच में बंदियों के पास से तीन बीडी बंडल बरामद हुए हैं। दो दंडित बंदियों को पुलिस ने नामजद किया है।

- दो दंडित बंदियों के खिलाफ मामला दर्ज

रातानाड़ा थानाधिकारी भारत रावत ने बताया कि जेल प्रशासन की तरफ से बंदियों की नियमित चेकिंग गई। तब दो बंदियों के पास से संदिग्ध सामग्री होने की आशंका में उनसे पूछताछ की गई। पूछताछ में इन बंदियों ने अपना जुर्म कबूला । बंदियों की जेल डिस्पेंसरी में जांच के साथ सोनोग्राफी करवाई तब उसमें उनकी गुदा में बीडिय़ों के बंडल होने की पुष्टि हुई। थानाधिकारी ने बताया कि दंडित बंदी पाली जिले के बाली थानान्तर्गता सेसली निवासी शिवनाथ पुत्र गुलाबनाथ और उत्तरप्रदेश के जोनपुर रामनगर निवासी रोहिताश उर्फ रोहित पुत्र श्याम गिरी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

सीएम ने बांसवाड़ा जिले के सिंचाई से जुड़े 2629 करोड़ के प्रस्तावों का अनुमोदन किया

जयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांसवाड़ा जिले में माही परियोजना से अपर हाई लेवल नहर के निर्माण के लिए 2500 करोड रूपए तथा हरिदेव जोशी नहर एवं इसकी वितरण प्रणाली के सुढीकरण कार्य के लिए 129.19करोड रूपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

गहलोत ने आदिवासी अंचल के विकास से संबंधित इस परियोजना में 121अतिरिक्त गांवों को भी कमाण्ड क्षेत्र में सम्मिलित किया है। इस परियोजना से अब बांसवाड़ा जिले के बांसवाड़ा, बागीदौरा, आनन्दपुरी, सज्जनगढ़, कुशलगढ़ व गांगडतलाई तहसीलों के कुल 338 गांवों के 41903 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2022-23के बजट में अपर हाई लेवल नहर परियोजना की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री द्वारा हरिदेव जोशी नहर तंत्र के लिए स्वीकृत 129.19 करोड़ रूपए से लगभग 12,891 हैक्टेयर भूमि में सिंचाई जल की दक्षता में वृद्धि होगी। प्रस्तावित कार्य से बांसवाड़ा जिले के बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र की आनन्दपुरी तहसील व आसपास के सैकड़ों किसानों को लाभ मिलेगा।

- माही परियोजना से अपर हाई लेवल नहर के लिए 2500 करोड़ रूपए स्वीकृत
- परियोजना में 121 अतिरिक्त गांवों को कमाण्ड क्षेत्र में सम्मिलित किया
- बांसवाड़ा में 338 गांवों के 41903 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी
- हरिदेव जोशी नहर तंत्र के सुदृढीकरण के लिए 129.19करोड़ रूपए स्वीकृत

स्वीकृति से हरिदेव जोशी नहर एवं इसकी वितरण प्रणाली के अंतर्गत रोहनिया माईनर,छाजा माईनर एवं आम्बादरा माईनर के साथ-साथ 52 माईनर एवं सब माईनरों की कुल 270 कि.मी. लम्बाई में मरम्मत के कार्य किए जाएंगे।

बीदासर में बारिश, घरों में घुसा पानी

बीदासर, (निसं)। क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह सात बजे बाद लगभग एक घण्टे तक जमकर बरसात हुई जिससे चारों ओर पानी ही पानी हो गया और कस्बे की सडकें पानी से लबालब हो गई। क्षेत्र में गुरुवार आधी रात के करीब बरसात का दौर शुरु हुआ और कभी हल्की कभी तेज बरसात शुक्रवार सुबह तक जारी रही। बरसात के बाद कस्बे के मुख्य बाजार, नगरपालिका मार्ग, चोरडिया मार्ग, नाहटा मार्ग, नेक नगर बस्ती सहित अनेक स्थानों पर पानी भर गया और इन इलाकों के घरों में भी सडकों पर बहता बरसाती पानी घुस गया।

बरसात से किसानों के चेहरे खिले

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ उपखंड क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में आखिरकार मानसून ने गुरुवार को प्रवेश किया। तेज हवा के साथ पूर्वाहन तीन बजे अचानक मौसम में बदलाव देखने को मिला और शेखावाटी अंचल के राजगढ के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में बदरा कहीं रिमझिम तो कहीं हल्की एवं कहीं तेज बारिश हुई । नेतराम मेहरा ने बताया इस दौरान सादुलपुर उपखण्ड के भाकरां, राधा बडी, राघा छोटी, थान मठुई, ढाणी खुडानी, बीराण, बालाण, कामाण, भोजाण, कालरी, हरपालु, खैरु बडी, खैरू छोटी, सिद्धमुख, चैनपुरा छोटा, बडा, ढाणा, थान मठुई, जीराम का बास सहित हरियाणा बॉर्डर से सटे गाँवों में भी अच्छी बारिश के समाचार हैं।

मालपुरा व टोडारायसिंह स्वैच्छिक बंद रहा

अलर्ट मोड पर रहा प्रशासन, कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच हुई जुम्मे की नमाज

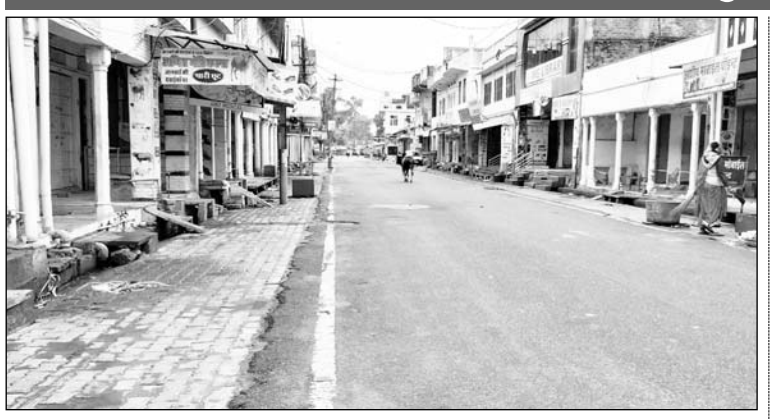

उदयपुर की घटना के विरोध में मालपुरा के बाजार बंद रहे।

मालपुरा, (निसं)। उदयपुर में हुई घटना के विरोध में शुक्रवार को सर्व समाज व व्यापारी संगठनों के आव्हान पर मालपुरा व टोडारायसिंह में पूर्ण रूप से स्वैच्छिक बन्द रहा।

व्यापारी प्रतिष्ठानों के साथ-साथ चाय की थड़ी व फल-सब्जी विक्रेताओं सहित बार एसोशियन ने बन्द के आव्हान को अपना समर्थन दिया। बन्द के चलते दिनभर बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। शुक्रवार को बन्द के आव्हान के दौरान शुक्रवार को जुम्मे की नमाज को गंभीरता से लेते हुए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने दिनभर शहर में गश्त कर चप्पे-चप्पे पर पुलिस जाब्ता तैनात किया। मालपुरा शहर में बन्द के आव्हान व जुम्मे की नमाज के चलते एसडीएम रामकुमार वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक राकेश कुमार बैरवा, तहसीलदार जीआर बैरवा, थानाधिकारी कैलाश विश्नोई पुलिस जाब्ते के साथ नमाज के दौरान जामा मस्जिद के यहां मुस्तैद रहे। तो एसएचओं कक्ष में बने शहर में लगे 68 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज पर पुलिस जवानों की पैनी नजर रही। तीन दर्जन से अधिक पुलिस जवान सादा वर्दी में शहर में सक्रिय रहे। तो साथ ही सीआईडी टीमें भी शहर की हर एक गतिविधि पर अपनी नजर बनाये हुए थी । शहर के निजी शिक्षण संस्थान संघ के आव्हान पर निजी विद्यालय संचालकों ने भी विद्यालय बन्द रख मालपुरा बन्द को अपना समर्थन दिया। वहीं टोडारायसिंह में नागरिकों ने राष्ट्रपति के नाम एसडीएम रूबी अंसार को ज्ञापन सौंप आतंकी संगठनों से जुडे कट्टरपंथी लोगों को चिन्हित कर उनपर कार्यवाही करने के साथ साथ प्रदेश की कांग्रेस सरकार को बर्खास्त किये जाने की भी मांग की।

हिन्दू समाज का टोंक बंद सफल रहा

टोंक, (निसं)। उदयपुर में कन्हैयालाल की गई निर्मम हत्या के विरोध में सर्व हिन्दू समाज की ओर से जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को सुबह से लेकर शाम तक संपूर्ण टोंक बंद शांतिपूर्वक सफल रहा और मुख्य बाजार में व्यापारियों व ठेले वालों ने स्वैच्छा से अपने प्रतिष्ठान बंद कर बंद का समर्थन किया। बंद के दौरान पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी गश्त करते हुए नजर आए। टोंक शहर में हिन्दू समाज के साथ ही मुस्लिम समाज के लोगों ने भी अपनी दुकानें बंद रखकर हिन्दू-मुस्लिम एकता को मजबूती प्रदान की । वहीं जैन नसियां किदवाई पार्क में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर कन्हैयालाल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर अपराधियों को फांसी की सजा देने की मांग की।

- हिन्दू समाज के साथ मुस्लिम समाज के लोगों ने भी दुकानें बंद रखी

टोंक में सर्व हिन्दू समाज की ओर से आयोजित बंद पूर्णतया सफल रहा।

शुक्रवार को सुबह से ही रोजमर्रा के चाय, पान, बीडी, सिगरेट की दुकानों के साथ ठेले लगाने वालों ने अपना कार्य बंद रखा। बंद को देखते हुए जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल व पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशानुसार पुलिस अधिकारी व पुलिस जवान दिनभर गश्त करते हुए नजर आए। सर्व समाज ने अपराधी रियाज एवं गोस मोहम्मद को विशेष न्यायालय से शीघ्र फांसी दिलवाने की मांग की।

सिंगल यूज प्लास्टिक का उत्पादन बंद होना सुनिश्चित करें : सीएस

उल्लंघन करने वाले सभी विनिर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, वितरकों और विक्रेताओं पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि राज्य में 1 जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक से बने उत्पादों पर लागू प्रतिबंध को सख्ती से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण मण्डल तथा उद्योग विभाग सबसे पहले इन प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के सामानों का उत्पादन बंद करना सुनिश्चित करें, तभी इनके उपयोग को पूरी तरह प्रतिबंधित किया जा सकेगा। उन्होंने निर्देश दिये कि उल्लंघन करने वाले सभी विनिर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, वितरकों और विक्रेताओं पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

मुख्य सचिव राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध को लागू करने के लिए कार्य योजना के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा कर रही थी। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध को अमल में लाने के लिए अभियान चलाया जाए और आम जन को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए।

- **'सख्ती के साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि लोग इससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक हों तथा स्वतः प्रेरणा से इसका इस्तेमाल बंद करें'**

उन्होंने कहा कि लोगों को इस अभियान से जोड़कर ही इसे पूरी तरह सफल बनाया जा सकता है।

शर्मा ने कहा कि पर्यावरण विभाग, स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल तथा उद्योग विभाग आपसी समन्वय से इस प्रतिबंध को सफलता से लागू करें। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए सख्ती के साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि लोग इससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक हों तथा स्वत: प्रेरणा से इसका इस्तेमाल बंद करें। मुख्य सचिव ने कहा कि पूर्ण प्रतिबंध के बाद ही प्लास्टिक के विकल्पों के उपयोग बढ़ावा मिलेगा तथा और भी बेहतर विकल्प सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि बहुत से स्टार्टअप्स इस दिशा में काम भी कर रहे हैं, उन्हें भी प्रोत्साहन मिलेगा।

वन विभाग सचिव बी प्रवीण ने प्रतिबंध लागू करने के लिए कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय स्पेशल टास्क फोर्स तथा जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य स्तर पर प्लास्टिक वेस्ट मेनेजमेंट सैल का गठन भी कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि निर्माताओं, विक्रेताओं और स्टॉक धारियों की शिकायत के लिए एक टोल फ्री नम्बर की सुविधा भी दी गई है। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के कचरे के निपटान तथा दूसरे राज्यों से प्लास्टिक और प्लास्टिक वेस्ट के आवागमन पर रोक के लिए तैयारियों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि व्यापक प्रचार-प्रसार के जरिये आम-जन को जागरूक भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वायत्त शासन विभाग, परिवहन विभाग, उद्योग विभाग, रीको, प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, गृह विभाग, राजस्व विभाग तथा वन विभाग से अधिकारियों को प्रतिबंधित वस्तुओं को जब्त करने तथा नियमानुसार जुर्माना वसूलने के लिए अधिकृत किया गया है और वसूल की जा सकने वाली जुर्माना राशि भी तय कर दी गयी है।

बैठक में स्वायत्त शासन विभाग, परिवहन विभाग, उद्योग विभाग, रीको, प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, गृह विभाग, राजस्व विभाग तथा वन विभाग के अधिकारियों ने वीसी के जरिये भाग लिया।

सोमवार से फिर मंत्री करेंगे पीसीसी में जनसुनवाई

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एक बार फिर से जनसुनवाई का कार्यक्रम शुरू होगा। राज्यसभा चुनाव के चलते कांग्रेस विधायकों की बाड़ाबंदी की वजह से सभी मंत्री भी बाड़ाबंदी में चले गए थे। राज्यसभा चुनावों के बाद राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के चलते के विरोध कार्यक्रम में करीब 10 दिन तक राजस्थान कांग्रेस के नेताओं का दिल्ली में आना-जाना रहा था। इस कारण से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर जनसुनवाई का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। अब करीब 5 सप्ताह के बाद एक बार फिर जनसुनवाई शुरू होगी।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर 4 जुलाई से मंत्रिमण्डल के सदस्यों की ओर से सप्ताह के प्रत्येक सोमवार, मंगलवार एवं बुधवार को जनसुनवाई की जायेगी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कार्यालय की ओर से जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों एवं अभ्यावेदनों का रिकॉर्ड रखा जायेगा तथा प्रकरणों के निस्तारण की जानकारी मंत्रीगणों से प्राप्त की जायेगी।

जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत 4 जुलाई को राजस्व मंत्री रामलाल जाट एवं ऊर्जा राज्यमंत्री भंवरसिंह भाटी की ओर से जनसुनवाई की जायेगी।

वेदों से प्रेरणा लेकर जीवन को समृद्ध किया जा सकता है : मिश्र

राज्यपाल कलराज मिश्र ने संस्कृत अकादमी की ओर से तैयार वैदिक पोस्टर्स का लोकार्पण किया। इस मौके पर उनके साथ प्रदेश के शिक्षा एवं कला, संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी.कल्ला भी मौजूद थे।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को राजभवन में राजस्थान संस्कृत अकादमी तथा राज्य के कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा तैयार वैदिक सूक्त आधारित सात पोस्टर्स का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वेद की भारतीय संस्कृति से प्रेरणा लेकर जीवन को समृद्ध और संपन्न किया जा सकता है। उन्होंने वेद में आए विचारों को पोस्टर्स के जरिए जन-जन तक पहुंचाने का भी आव्हान किया।

प्रदेश के शिक्षा एवं कला-संस्कृति मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने राज्यपाल मिश्र को बताया कि वैदिक संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और वैदिक ज्ञान के आमजन में प्रचार-प्रसार हेतु राजस्थान संस्कृत अकादमी और राज्य के कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा चारों वेदों की जनोपयोगी वैदिक सूक्ति आधारित 7 पोस्टर्स तैयार किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि इन पोस्टर्स में अथर्ववेद आधारित सूक्ति 'धरती हमारी मां है, हम उसके पुत्र हैं, भूमि सत्य पर टिकी है', सामवेद के 'तुम स्वराज्य का सम्मान करो', ऋग्वेद के 'जुआ मत खेलो, खेती करो','वेद ज्ञान भारत की रक्षा करता है' के साथ अर्थर्ववेद की पर्यावरण संबंधी एवं यजुर्वेद की 'मीठी वाणी बोलने' संबंधी सूक्तियां चित्रों के साथ प्रकाशित की गयी है।

इससे पहले उन्होंने राज्यपाल मिश्र को संस्कृत अकादमी द्वारा प्रकाशित साहित्य प्रदान कर, पुष्प तथा सूत की माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया।

डी.बी. गुप्ता ने की राज्यपाल से मुलाकात

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र से शुक्रवार को राजभवन में मुख्य सूचना आयुक्त डीबी गुप्ता ने मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान राज्यपाल मिश्र को सूचना आयोग द्वारा जनहित में त्वरित किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

राज्यपाल मिश्र ने सूचना आयोग द्वारा लंबित प्रकरणों के त्वरित निपटारे, विशिष्ट कैम्प लगाकर आम जन को राहत प्रदान करने के निर्णयों की सराहना की। राज्यपाल मिश्र को मुख्य सूचना आयुक्त डी.बी.गुप्ता ने बताया कि राज्य सूचना आयोग द्वारा विशिष्ट अदालत शिविरों में सूचना से जुड़े प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त कोर्ट लगाने के साथ राज्य सूचना आयोग ने न्यायालय संबंधी डाक जैसे नोटिस, समन और निर्णय आदि संबंधित व्यक्ति को स्पीड पोस्ट से भिजवाने की भी पहल की है। उन्होंने बताया कि जन हित में आयोग परिसर में विशिष्ट अदालत शिविर भी लगाए जा रहे हैं।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई शुक्रवार को

राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 89 नए संक्रमित मिले, इससे पहले गुरूवार को 112 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को करोना संक्रमण के नए मामलों में गिरावट आई है। इस दौरान 89 नए संक्रमित मिले हैं। हालाकि इस बीच राज्य में इस बीमारी से एक और मरीज की मौत हो गई है। वहीं लगातार दूसरे दिन रिकवरी में सुधार होने से एक्टिव केस घटकर 920 रह गए हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को 9 जिलों में 89 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 112 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में आज 43 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 16, बीकानेर में 11, अजमेर में 7, उदयपुर में 4, अलवर में 3 चित्तौड़गढ़ व राजसमंद में 2-2 और नागौर में 1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 24 जिलों बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चूरू, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। राज्य में जून के महीने 2677 संक्रमित मिले। वहीं 8 लोगों की मौत हुई है।

- **जयपुर में सर्वाधिक 43 नए मरीज मिले हैं, जबकि एक मरीज की मौत भी हुई है।**
- **प्रदेश में जून के महीने 2677 संक्रमित मिले जबकि 8 लोगों की मौत हुई है।**

प्रदेश में शुक्रवार को भी नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 98 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 920 रह गए हैं। हालाकि इनमें सबसे ज्यादा 391 मामले जयपुर में है। उधर प्रदेश में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन भी करोना से मौत का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान जयपुर में इस बीमारी से एक मरीज की मौत हो गई है। हालांकि राज्य में अब तक करोना से 9566 लोगों की मौत हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 7-7 नए संक्रमित जगतपुरा व वैशाली नगर में मिले हैं। इसके अलावा मानसरोवर में 4, सी-स्कीम, शास्त्री नगर व सोड़ाला में 3-3, दुर्गापुरा, झालाना डूंगरी व मालवीय नगर में 2-2 तथा अजमेर रोड, गलता गेट, जवाहर नगर, कानोता, खातीपुरा, प्रताप नगर, सिरसी रोड़, टोंक रोड़ और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 1 मरीजों का एड्रेस गलत मिलने पर उन्हें ट्रेस किया जा रहा है। इस बीच जिले में केवल 48 रोगी ठीक हुए हैं।

डॉ. मोहनराव भागवत दो जुलाई से राजस्थान प्रवास पर

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत 2 जुलाई से 10 जुलाई तक राजस्थान के प्रवास पर रहेंगे। उत्तर-पश्चिम (राजस्थान) क्षेत्र के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश ने बताया कि डॉ. भागवत का 2 जुलाई को प्रात: 10:40 बजे जयपुर आगमन होगा। दोपहर तक वे भारती भवन में ठहरेंगे, इसी दिन दोपहर 2:30 बजे चूरू के लिए प्रस्थान करेंगे और चूरू में रात्रि विश्राम करेंगे। 3 जुलाई को प्रात: 9 बजे चूरू से रतनगढ़ पहुंचेंगे और प्रात: 10 से 12 बजे तक रतनगढ़ गोलच्छा ज्ञान मंदिर में तेरापंथ संघ के आचार्य महाश्रमण से वार्ता करेंगे। इसी प्रकार दोपहर 12 बजे रतनगढ़ से चूरू के लिए प्रस्थान कर चूरू में ही रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन 04 से 10 जुलाई तक झुंझुनू में रहेंगे और अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक में शामिल होंगे। प्रांत प्रचारक मुख्य बैठक 7 से 9 जुलाई तक रहेगी।

टेलीकॉम कंपनियों ने कर दी शहर की सड़कें खोखली?

मानसरोवर में वी.टी.रोड पर शुक्रवार को 2 जगह सड़क धंसी, बड़ा हादसा टला

- **पिछले दिनों शिप्रापथ पर 900 एमएम की सीवरेज लाइन में लिकेज का कारण भी एयरटेल-जीओ कंपनी की भूमिगत केबल्स का बताया गया था, यहां धंसी 40 फीट रोड पर अभी तक यातायात सुचारू नहीं हो पाया है**

जयपुर (कासं)। मानसून की हल्की सी बारिश ने राजधानी जयपुर की सड़कों की पोल खोलकर रख दी है। शुक्रवार को मानसरोवर के वीटी रोड पर अचानक दो जगह सड़क धंस गई। गनीमत रही इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ। प्रत्यदर्शियों के अनुसार करीब 5-6 फीट चौड़ा और 8 फीट से ज्यादा गहरा गड्ढा हो गया हैं।

सूचना मिलने पर पुलिस और मानसरोवर नगर निगम जोन से टीम मौके पर पहुंची और बैरिकेट लगाकर रूट डायवर्ट किया। इससे पहले भी पिछले दिनों मानसरोवर में ही शिप्रापथ पर द्वारकाधीश गार्डन के पास 40 फीट लंबी सड़क धंस गई थी। यहां सीवरेज लाइन टूटने के कारण धंस सड़क पर अब तक यातायात सुचारू नहीं हो सका। इस लाइन में लिकेज का कारण भी सीवरेज लाइन के नजदीक एयरटेल-जीओ कंपनी की भूमिगत केबल्स डालने को बतया गया था।

अब शुक्रवार को वीटी रोड पर दो जगह सडक़ धंसने से गहरे गड्ढे हो गए हैं। बताया जा रहा है कि शहर में जगह-जगह एयरटेल-जीओ, एसीटी समेत कई टेलीकॉल कंपनियां फाइबर केबल डालने का काम रही है, इन लाइनों को भूमिगत बिछाने के चक्कर में सड़कों को कमजोर कर दिया गया हैं। इसके बावजूद नगर निगम और जेडीए प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। जबकि दोनों विभागों को केबल बिछाने के बाद सडक़ की जांच करनी होती है, ताकि किसी तरह की कमी रहने पर उसे तुरंत ठीक किया जा सके। नगर निगम और जेडीए प्रशासन टेलीकॉम कंपनियों को केबल बिछाने की परमिशन देता हैं।

कांस्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले के आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में सीकर और झुंझुनूं में दर्ज एफआईआर के सात आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। जस्टिस फरजंद अली ने यह आदेश मेहरचंद, प्रमोद, संदीप कुमार, सत्येन्द्र कुमार, महिपाल, नरेन्द्र कुमार और सतवीर की जमानत याचिका पर दिए। सुनवाई के दौरान आरोपियों की ओर से कहा गया कि वे मामले में आरोप पत्र पेश होने के बाद जमानत अर्जी पेश करना चाहते हैं। इसलिए उन्हें मौजूदा अर्जी को वापस लेने की मंजूरी दी जाए। इस पर अदालत ने आरोपियों को जमानत अर्जी वापस लेने की अनुमति देते हुए अर्जियों को खारिज कर दिया है।

इस दौरान राज्य के एएजी घनश्याम सिंह राठौड़ ने बताया कि आरोपियों ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा से पहले ही उसके पेपर आउट कर उन्हें बड़ी धनराशि में अन्य लोगों को बेचान किया है। आरोपियों ने परीक्षा से पहले पेपर आउट करने का गंभीर अपराध किया है। इसलिए उनकी जमानत अर्जी को खारिज किया जाए। गौरतलब है कि चिड़ावा की स्पेशल पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के पेपर परीक्षा से पहले ही बेचे जा रहे हैं और महिपाल व प्रमोद पूनिया के पास पेपर हैं।

जन्मदिन पर राज्यपाल को राष्ट्रपति और गृह मंत्री ने बधाई दी

जयपुर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने राज्यपाल कलराज मिश्र के जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने व्यक्तिश: फोन पर दी अपनी बधाई और शुभकामना में मिश्र के व्यक्तित्व को प्रेरणादायी बताते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घ जीवन के लिए मंगलकामना की है। राज्यपाल मिश्र के जन्मदिन पर देश के गृह मंत्री अमित शाह ने भी व्यक्तिश: फोन कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्हें प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे, राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त डी.बी. गुप्ता आदि और भी बहुत से लोगों ने बधाई दी।

पीएचईडी पर लगाया 16 हजार रुपए हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर मेट्रो की स्थाई लोक अदालत ने पानी के चालू मीटर को बंद बताकर ज्यादा राशि का बिल जारी करने को सेवा दोष करार देते हुए पीएचईडी विभाग पर 16 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है।

वहीं पीएचईडी को निर्देश दिया है कि वह नवंबर 2021 से जनवरी 2022 के बिल की राशि 352 रुपए व अंडर प्रोटेस्ट जमा करवाई राशि 1766 रुपए को परिवादी के आगामी बिलों में समायोजित करें और मीटर रीडिंग लेने वाले व बिल बनाने में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई करे। स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष हरविन्दर सिंह व सदस्य सीमा शार्दुल ने यह आदेश जवाहर नगर निवासी अनुज माथुर के परिवाद पर दिए। परिवाद में कहा कि उसने विभाग से पानी का कनेक्शन ले रखा है, लेकिन विभाग बिल जारी करने में लगातार अनियमितताएं बरत रहा है। मीटर रीडर ने मीटर को नोट वर्किंग दिखाया है, जबकि वह चालू है। इसके अलावा एक बिल में मीटर को अघरेलू श्रेणी में दर्शा रखा है, जबकि वह घरेलू श्रेणी में आता है। परिवादी ने विभाग के अफसरों से संपर्क कर उन्हें अनियमितता की जानकारी दी, लेकिन फिर भी सुधार नहीं हुआ। इसके अलावा कनेक्शन कटने की धमकी के कारण उसे अंडर प्रोटेस्ट ज्यादा बिल राशि जमा करवानी पड़ी।

शहरों में सरकारी जमीन पर बसी कॉलोनियों का नियमन कर पट्टे देने की तैयारी में जुटी सरकार?

नगरीय निकायों की सिवायचक जमीन और हाऊसिंग बोर्ड द्वारा मुआवजा देकर अधिग्रहित की गई जमीनों पर बसी कॉलोनियों को पट्टे देने के आदेश दिये यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने

जयपुर (कासं)। राज्य में 10 लाख पट्टे देने का लक्ष्य छूने के लिए गहलोत सरकार अब सरकारी जमीनों पर बसी कॉलोनियों के पट्टे भी देने की तैयारी में है। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल का कहना है कि 13 दिसंबर 2013 तक सृजित हो चुकी ऐसी कॉलोनियां, जिनके भूखंड़धारियों का रिकॉर्ड व ले-आउट प्लान संबंधित नगरीय निकायों के पास पहले से मौजूद है, सिर्फ उन्हें पट्टा मिलेगा। जल्द ही इसकी विस्तृत गाइडलाइन आएगी। बताया जा रहा है कि सरकारी जमीन की आवंटन दर 300 वर्गमीटर तक के भूखण्ड और कॉलोनी में राजकीय भूमि होने पर आरक्षित दर आवासीय में से जो भी कम हो, उसकी 10 प्रतिशत रकम लेकर की जाएगी। इससे भी बड़ी बात यह है कि निकायों को हस्तांतरित सिवाय चक जमीन के साथ-साथ हाऊसिंग बोर्ड द्वारा अधिग्रहित की गई जमीनों पर कब्जा करके बसाई गई कॉलोनियों को भी पट्टे मिलेंगे।

दरअसल गुरूवार देर शाम यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने करीब 7 घंटे तक प्रशासन शहरों के संग अभियान को लेकर मैराथन बैठक ली थी। इसमें यूडीएच सलाहकार जी.एस.संधू से लेकर प्रमुख शासन सचिव कुंजीलाल मीणा, जेडीए कमिश्नर रवि जैन, सचिव उज्जवल राठौड़, स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक हृदयेश शर्मा, मुख्य नगर नियोजक आर.के.विजयवर्गीय और सलाहकार एचएस संचेती मौजूद रहे।

यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल का मुख्य फोकस सरकारी जमीनों पर बसी कॉलोनियों के नियमन को लेकर रहा। उन्होंने अफसरों को साफ कहा कि पिछले साल सरकारी जमीनों पर पट्टे देने पर रोक लगा दी थी, लेकिन नये निर्देशों के मुताबिक इन जमीनों के पट्टे दो। ऐसी सिवाय चक जमीन, जो राजस्व रिकॉर्ड में निकाय के नाम दर्ज है या नहीं है, लेकिन वहां आबादी बस चुकी है। जिन जमीनों का अधिग्रहण निकाय और हाऊसिंग बोर्ड ने करके मुआवजा कोर्ट में जमा करवा दिया है या भू-मालिक को दिया है। ऐसी सभी कॉलोनियों के पट्टे दिये जाएंगे। हालांकि शर्त होगी कि ऐसी कॉलोनियां जो 13 दिसम्बर, 2013 तक सृजित हो चुकी है या भूखण्डधारियों-आवासधारकों का रिकॉर्ड व ले-आउट प्लान संबंधित निकाय के पास पूर्व से ही उपलब्ध हो। धारीवाल ने एम्पावर्ड कमेटी में न रखे जाने वाले प्रकरणों को सुलझाने का अधिकार भी महापौर-सभापति को न देकर मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने कहा कि सप्ताह में दो दिन एम्पावर्ड कमेटी की बैठक हो। कृषि भूमि पर बसी ऐसी कॉलोनियां, जहां 60 प्रतिशत भूखण्डों पर निर्माण हो चुका है और लोग बस चुके है और वहां 20 फीट की रोड है। ऐसी कॉलोनियों में केवल सर्वे के आधार पर पट्टे दिये जाएंगे।

धारीवाल का कहना है कि मन्दिर माफी, देवस्थान विभाग, सार्वजनिक ट्रस्ट या किसी धार्मिक एवं चैरिटेबल संस्थान अथवा वक्फ बोर्डए रेल्वे बाउण्ड्री सीमा के अन्तर्गत भूमि, नदी नाले बहाव क्षेत्र, डूब क्षेत्र, जलिय निकाय में आने वाली भूमि राष्ट्रीय, राज्य उच्च मार्ग की निर्धारित सीमा के अन्तर्गत भूमि, केन्द्र सरकार या राज्य सरकार के किसी कानून के अन्तर्गत आवासीय-व्यावसायिक गतिविधियों के लिए प्रतिबन्धित भूमि का आवंटन-नियमन नहीं किया जा सकेगा।

- **मंत्री धारीवाल का कहना है कि 13 दिसंबर 2013 तक सृजित हो चुकी ऐसी कॉलोनियां, जिनके भूखंड़धारियों का रिकॉर्ड व ले-आउट प्लान संबंधित नगरीय निकायों के पास पहले से मौजूद है, सिर्फ उन्हें पट्टा मिलेगा**
- **300 वर्गमीटर तक के भूखंड एवं कॉलोनी में सरकारी जमीन, आरक्षित दर अथवा आवासीय में जो कम होगा, उसकी 10 प्रतिशत राशि पर दी जायेगी**
- **यूडीएच मंत्री ने कहा जो प्रकरण एम्पावर्ड कमेटी में न रखने हो, उन्हें महापौर-सभापति के बजाय मुख्य नगरपालिका अधिकारी निपटाएंगे, हर सप्ताह में 2 दिन होगी एम्पावर्ड कमेटी की बैठक**

रवि वासवानी ने शिवसेना का दामन थामा

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान शिवसेना ने रवि वासवानी युवा नेता के नेतृत्व में सैंकड़ों युवाओं को राजापार्क सोडाला के युवाओं के साथ शिवसेना की सदस्यता देकर शिवसेना में जोड़ा गया और उज्ज्वल मंगलमय जीवन की मंगलकामना की। राज्य प्रमुख ललित सक्सेना ने बताया महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ हुए धोखे के बाद अब शिवसेना राजस्थान में जमीनी स्तर पर कार्य करेगी और शिवसेना को राजस्थान में तीसरे मोर्चे के रूप में स्थापित करेगी। रवि वासवानी को जल्द ही जयपुर में जिला कार्यकारिणी के लिए मनोनीत किया जाएगा। रवि वासवानी जागरूक होकर युवाओं के साथ एकजुट होकर शिवसेना को समर्पित रहेंगे।

एलआईसी 15 जुलाई तक कर सकता है आईईवी का निर्धारण

जयपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम भारतीय अन्तर्निहित मूल्य (आईईवी) का निर्धारण 15 जुलाई तक कर सकता है। निगम द्वारा 30 मार्च को जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पूर्व में इसका निर्धारण 31 मार्च तक किया जाना था लेकिन प्रक्रिया को पूरा होने में कुछ और समय लग सकता है। एक बाद प्रक्रिया पूरी होने के बाद और अपेक्षित अनुमोदन के बाद इस संबंध में निगम द्वारा आवश्यक सार्वजनिक प्रकटीकरण किया जाएगा।

'नरेन्द्र मोदी जन-कल्याणकारी नीतियों से विजय संकल्प तेलंगाना-2023 को पूरा करेंगे'

जयपुर। भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने आज तेलंगाना सम्पर्क अभियान के तहत करीमनगर विधानसभा क्षेत्र के मंडल, मोर्चा के प्रमुख कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से संवाद किया।

डॉ. पूनिया ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की 8 वर्ष की जनकल्याणकारी उपलब्धियों, भाजपा के तेलंगाना मिशन 2023 एवं लोकसभा चुनाव 2024 के विजय संकल्प, संगठनात्मक संरचना तथा जनहित सहित तेलंगाना सरकार के विरूद्ध इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर रणनीति पर चर्चा की।

- **डॉ. सतीश पूनिया ने करीमनगर विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से किया संवाद**

उन्होंने कहा कि करीमनगर सहित पूरे तेलंगाना में भाजपा के राष्ट्रवाद के विचार की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है, साथ ही नरेन्द्र मोदी सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं से यहां की जनता खुश है और केन्द्र की योजनाओं का सीधा लाभ गांव-गरीब के घर तक पहुंच रहा है।

उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं केन्द्र की जनहितैषी नीतियों से तेलंगाना विजय संकल्प 2023 को पूरा करेंगे, साथ ही लोकसभा चुनाव 2024 विजय संकल्प को प्रचण्ड बहुमत के साथ फिर से हासिल कर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी।

डॉ. पूनिया 2 और 3 जुलाई को हैदराबाद में भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में शामिल होंगे, जिसमें केन्द्रीय नेतृत्व के समक्ष प्रदेश भाजपा इकाई के संगठनात्मक कार्य व आगामी कार्यों का प्रस्तुतिकरण देंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया के तेलंगाना दौरे के दौरान उमड़े लोगों ने उनके साथ सेल्फी ली।

मानसून की पहली बारिश से अजमेर की सड़कें लबालब

निचली बस्तियों में भरा पानी, लोगों ने जमकर बारिश का लिया लुत्फ़

अजमेर, (कासं)। पूरे जून माह झुलसाने वाली गर्मी और तपिश के बाद आखिर 1 जुलाई को मानसून ने अजमेर में दस्तक दे दी और शुक्रवार सुबह से ही आसमान में छाई काली घटाएं जमकर बरसी। कई दिनों के इंतजार के बाद आखिर 8 दिन की देरी से ही सही मानसून ने प्रदेश में प्रवेश कर लिया। इस बार मानसून ने रास्ता बदलकर भरतपुर संभाग के रास्ते राजस्थान में प्रवेश किया।

गुरुवार को प्रदेश में पहुंचे मानसून की पहली बारिश शुक्रवार को अजमेर में इस कदर हुई की, गली मोहल्ले की सड़कें पानी से लबालब भर गई। वहीं नाले उफनने लगे, लोगों ने जमकर पहली बारिश का लुत्फ़ लिया। निचले इलाकों में तो घुटने से ऊपर भरे पानी में लोग अपने जरूरी काम करने को मजबूर दिखे, तो वही बच्चों ने पानी में उछल कूदकर जमकर अठखेलियां करते हुए बरसात का आनंद लिया। लोगों ने बताया कि जल है तो कल है पानी की बहुत जरूरत है। ऐसे में पहली बारिश ने बता दिया है कि मानसून झूमकर बरसेगा और बीसलपुर सहित नदी नाले जलमग्न होंगे।

अच्छी बरसात से किसानों के चेहरे खिलेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3 दिन उदयपुर, जयपुर, अजमेर संभाग में मानसून पूरी तरह से छा जाएगा और अधिकतर हिस्सों में जमकर बरसात होगी। स्मार्ट सिटी के तहत अजमेर में चल रहे एलिवेटेड रोड निर्माण कार्य सहित अन्य कार्यों की वजह से जगह जगह खड्डे होने और पानी भरने की समस्या से शहर वासियों को दो-चार होना पड़ा तो वही बारिश के दौरान भी शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को संभालने के लिए यातायात पुलिस के जवान ड्यूटी पर तैनात दिखे।

वही शहर की स्मार्ट सडके व कॉलोनियों सहित शहर की निचली बस्तियों में पानी भरने से लोगों को परेशानी का सामना करना पडा तो वही शहर के वार्ड नम्बर 54 में गली नम्बर दो व उसके आसपास के इलाके में पानी मकानों के बाहर तक पानी भरने से लोगों को भारी परेशानी का सामना कर पड रहा है।

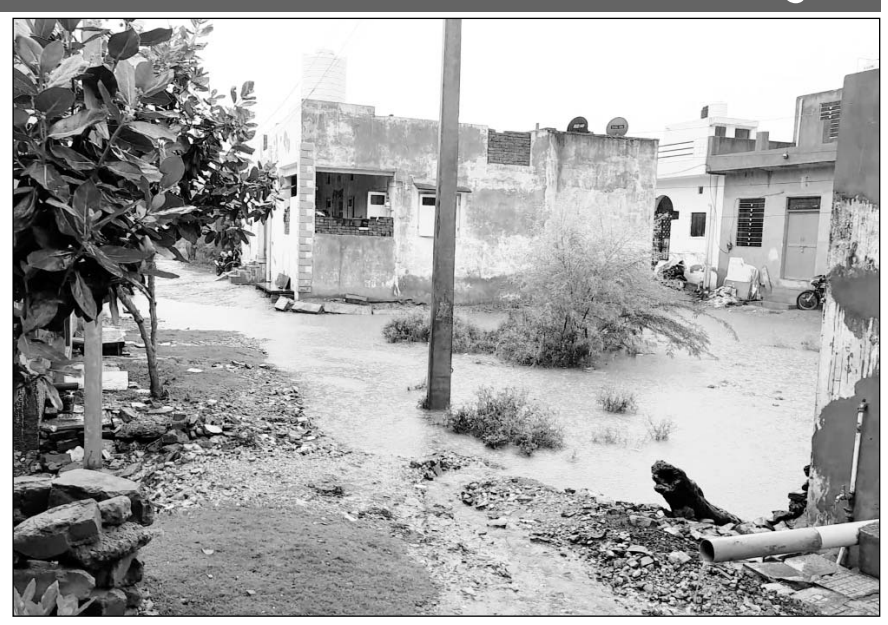

अजमेर शहर के वार्ड नंबर 54 में गली नंबर दो व उसके आस-पास के इलाके में पानी मकानों के बाहर तक भरने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

किडनैप किए युवक का शव नहर के पास मिला

सूरतगढ़, (कासं)। राजियासर में बुधवार को जसवंत गोदारा (25) को उसकी दुकान से किडनैप कर लिया गया। दुकान में खून के धब्बे देख परिजनों को आशंका हुई तो पुलिस को रिपोर्ट लिखाई। 48 घंटे बाद भी पुलिस को किडनैपर्स का पता नहीं लगा। गुरूवार देर रात 10 बजे इंदिरा गांधी नहर में 330 आरडी के पास जसवंत की कुचली हुई लाश मिली। इसके बाद से युवक के परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश है। बुधवार को युवक के अपहरण के बाद राजियासर पुलिस ने दो युवकों को राउंडअप किया था। पूछताछ के दौरान वारदात से जुड़ी अहम जानकारी मिली। पुलिस ने आईजीएनपी से युवक जसवंत गोदारा के शव को बरामद किया। शव को सूरतगढ़ के राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। जसवंत गोदारा बुधवार को राजियासर स्थित दुकान गया था। वहीं से किडनैप हुआ। युवक के भाई लीलाधर ने तीन युवकों गोपी राम, रामकुमार बेनीवाल और पंकज शर्मा के खिलाफ किडनैप करने का मामला दर्ज कराया। ग्रामीण बोले- शव की हालत इस कदर खराब थी कि चेहरे से शिनाख्त नहीं हो सकी। कपड़े व टैटू से शिनाख्त हुई।

युवक का शव मिलने के बाद आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने सूरतगढ़ में डीएसपी कार्यालय के आगे धरना दिया। बीकानेर आईजी ने मामले में खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। डीएसपी शिवरतन गोदारा ने कहा कि प्रारंभिक तौर पर पैसों के लेनदेन की बात सामने आ रही है। यह हत्या की वजह हो सकती है। सात लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा करेंगे। हालांकि पुलिस इस दावे से इनकार कर रही है।

नौ माह से फरार नकबजनी का आरोपी गिरफ्तार

घटनास्थल की फोटोग्राफी कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले

कोतवाली थाना पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार किया।

करौली, (नि.सं.)। गत वर्ष सितंबर माह में एक मकान से लगभग 1200000 रुपए के सोने चांदी के आभूषण व अस्सी हजार रूपये की नकदी चुरा कर ले जाने के आरोप में 9 माह से फरार चल रहे इनामी शातिर को कोतवाली थाना पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार गत वर्ष 21 सितंबर को सोहनलाल पुत्र हरगोविंद जाति माली निवासी परशुराम खिड़कियां ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके मकान से कोई चोर लगभग 1200000 के सोने चांदी के आभूषण एवं 8000000 रुपए की नगदी चुरा कर ले गया। मामले में घटनास्थल की फोटोग्राफी करवाई गई तथा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए जिसमें संदिग्ध आरोपियों की सीडीआर व बीटीएस प्राप्त कर विश्लेषण किया गया। मामले में आरोपी मुफीद पुत्र बशीर जाति मुसलमान निवासी मदीना मस्जिद के पास चूली गेट गंगापुर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। शेष बांछित मदन लाल उर्फ मदन पुत्र जगमाल जाति नायक निवासी भानसर थाना छतर गढ़ जिला बीकानेर की तलाश जारी जारी थी। पुलिस ने वांछित आरोपी मदन का अपराधिक रिकॉर्ड थाना छतरपुर जिला बीकानेर से प्राप्त किया।

पुलिस अधीक्षक की ओर से आरोपी की गिरफ्तारी पर 2000 का इनाम भी घोषित किया गया था। गठित टीम ने आरोपी को सूरतगढ़ बस स्टैंड से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ कोतवाली थाना करौली, मानसरोवर जयपुर, भानीपुरा चूरू, कालवाड जयपुर, जोबनेर जयपुर, लूणकरणसर बीकानेर व सूरसागर जोधपुर में 8 मुकदमे दर्ज हैं।

ओम बिरला की पहल पर कोटा की 30 महिलाओं ने संसद भवन पहुंच कार्यप्रणाली को समझा

कोटा, (निसं)। जैन सोशल ग्रुप संगिनी फोरम कोटा की 30 महिला सदस्यों ने दिल्ली फैलोशिप टूर के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर नई दिल्ली में संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, पार्लियामेंट म्यूजियम एवं मुगल गार्डन का दौरा किया।

संगिनी फोरम की अध्यक्ष सीए निकिता जैन, उपाध्यक्ष वदंना जैन एवं सचिव सरिता जैन ने बताया कि महिलाओं में यह जिज्ञासा रहती है कि भारतीय संसदीय प्रणाली संसद में किस तरह कार्य करती है। फोरम ने लोकसभा अध्यक्ष एवं कोटा-बूंदी सांसद ओम बिरला से प्रवेश की अनुमति हेतु आग्रह किया था।

लोकसभा अध्यक्ष की पहल पर 30 महिलाओं को संसद भवन एवं राष्ट्रपति भवन देखने की अनुमति दी गई। प्रोजेक्ट एडवाइजर बीना बिलाला ने बताया कि लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों ने महिला प्रतिनिधिमंडल को संसद का प्रोटोकॉल, सदन की कार्यप्रणाली, लोकसभा अध्यक्ष का प्रोटोकॉल, संसद भवन की सुरक्षा, स्वच्छता, संसद के सत्रों में संसद सदस्यों द्वारा प्रश्न पूछने की व्यवस्था, किसी विधेयक पर वोटिंग देने की प्रणाली, संसद में बैठने का क्राइटेरिया, प्रधानमंत्री की बैठक, सचिवालय की कार्यप्रणाली, सुरक्षा जांच, स्केनिंग एवं प्रवेश पत्र जैसी कई जानकारियां दी।

- **महिला दल ने राष्ट्रपति भवन,पार्लियामेंट म्यूजियम एवं मुगल गार्डन भी देखा**

महिला दल ने राष्ट्रपति भवन भी देखा प्रोजेक्ट चेयरमेन सुनीता मडिया ने बताया कि महिला सदस्यों ने संसद के सेंट्रल हॉल का अवलोकन भी किया, जहां संसद का प्रथम शपथ ग्रहण समारोह हुआ था। इस हॉल में विदेशी राष्ट्राध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं। प्रोजेक्ट डायरेक्टर मोनिका जैन, प्रीति जैन, गीतिका जैन, आयूषी जैन ने बताया कि महिलाओं ने राष्ट्रपति भवन का अवलोकन किया, जिसमें उन्हें राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल एवं उनके आवास की जानकारी दी गई। इसके पश्चात जैन संगिनी फोरम के महिला दल ने लाल किला, अक्षरधाम मंदिर एवं अन्य ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया।

नाले में युवक का शव मिला

छबड़ा, (निसं.)। कस्बे के मुक्तिधाम मार्ग पर शुक्रवार को एक व्यक्ति मृत पड़ा मिला। पुलिस ने भाई की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू प्रारंभ कर दी हैं। सब इंस्पेक्टर चतुर्भज ने बताया कि शुक्रवार दोपहर मुक्तिधाम के निकट नाले मे युवक की लाश पडी होने की सूचना मिली। इस पर मृतक की शिनाख्त पवन (33) पुत्र गोपाल प्रजापत निवासी बमोरा के रूप मे की गई। मृतक के भाई गोविंद ने बताया कि संभवतया: वह गुरूवार शाम को शराब के नशे में पुलिया पर बैठा था और नाले मे सिर के बल गिरने से उसकी मृत्यु हो गई। छबड़ा कस्बे के मुक्तिधाम मार्ग पर शव मिलने के बाद जांच शुरू कर दी हैं।

मंदिर पर चढ़कर ध्वजा फाड़ी, युवक गिरफ्तार

रेवदर, (निसं)। सिरोही जिले में रेवदर कस्बे के समीप वासन गांव में गुरुवार देर शाम को हनुमान मंदिर के ऊपर चढ़कर ध्वजा फाडकर समुदाय विशेष के खिलाफ नारेबाजी कर रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल करवा कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया।

इस घटना की सूचना मिलने पर रेवदर डीएसपी घनश्याम वर्मा, सीआई कपूराराम चौधरी सहित दल सहित गांव पहुंचे। रेवदर सीआई कपूरा राम चौधरी ने बताया कि शाम को उन्हें सूचना मिली कि नटवर पुत्र रामाजी नामक युवक वासन गांव स्थित हनुमान मंदिर के ऊपर चढ़ गया तथा मंदिर पर लगी ध्वजा को फाड़कर समुदाय विशेष को लेकर नारेबाजी कर रहा है।

उक्त सूचना पर पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा तथा आरोपी युवक को नीचे उतारकर थाने ले आए। प्रारंभिक पूछताछ के पश्चात उसकी मेडिकल जांच करवाई गई। मेडिकल जांच में युवक नशे में बताया गया। इस पर पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर उसे शुक्रवार सुबह कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया।

पैट्रोल पम्प पर अनाधिकृत नोजल मशीन सीज, 150 लीटर डीजल जब्त

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले में चलाये जा रहे शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को भादरा तहसील के डूंगराना व उतराधाबास स्थित पैट्रोल पम्पों का निरीक्षण किया गया।

जिला रसद अधिकारी राकेश न्यौल ने बताया कि उतरादा बास स्थित मां काली फीलिंग स्टेशन पर अनाधिकृत रूप से नोजल मशीन लगाकर डीजल पैट्रोल का विक्रय पाये जाने पर 150 लीटर डीजल जब्त कर नोजल मशीन को सीज किया गया। वहीं टिब्बी में मुख्य बाजार में डीजल भंडारण पर दुकान सीज किया गया व एक अन्य दुकान में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत 100 लीटर डीजल व 40 लीटर पैट्रोल जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान जिला रसद अधिकारी के अलावा प्रवर्तन अधिकारी विनोद ढाल, एपी संदीप बिश्नोई शामिल थे।

न्यौल ने बताया कि शुद्ध के लिये युद्ध अभियान के अन्तर्गत राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले के पेट्रोल पम्पों पर मिलावटी पैट्रोल व डीजल, कम माप तोल इत्यादि की जांच की जा रही है। 10 जून से शुरू हुए शुद्ध के लिये युद्ध अभियान में शुक्रवार तक जिले के कुल 40 पैट्रोल पम्पों का निरीक्षण किया जा चुका है। जिसमें से 2 पेट्रोल पम्पों पर हरियाणा व पंजाब से पेट्रोल-डीजल क्रय कर विक्रय किया जा रहा थस जिसको सीज कर अवैध पैट्रोल -डीजल जब्त किया गया। 10 पम्पों पर अनियमितता पाये जाने पर उनके निराकरण के लिए जिला विधिक एवं माप विज्ञान अधिकारी को निर्देश दिए। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि 7 स्थानों पर अवैध पैट्रोल -डीजल की बिक्री पाई गई।

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा मृतक कन्हैयालाल के परिवार से मिले

उदयपुर, (कासं)। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा शुक्रवार को उदयपुर पहुंचे। उदयपुर पहुंचने के बाद वे सेक्टर 14 स्थित कन्हैयालाल के निवास पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को ढ ांढ स बंधाया और वीभत्स हत्या की निंदा की। किरोड़ी ने इसके बाद मृतक कन्हैयालाल के परिवार को अपना एक महीने का मूल वेतन देने की घोषणा की।

इस दौरान मीडिया से संक्षिप्त वार्ता में किरोड़ी ने कहा कि यह सरकार और पुलिस का फेलियर है। जब पीड़ित आपसे सुरक्षा मांग रहा है तो आप उसे सुरक्षा नहीं देते हो और जबरन समझौता करवाया जाता हैं। मुख्यमंत्री हर बात में बोलते है कि केंद्र शांति की अपील करे, इस पर किरोड़ी ने कहा कि घटना राजस्थान में हुई और शांति की अपील केंद्र से करने के लिए बोल रहे हैं। मेरा यह मानना है कि मुख्यमंत्री को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिये।

- **किरोड़ी ने परिवार को एक माह का मूल वेतन देने की घोषणा की, परिवार को ढांढस बंधाया**
- **मुख्यमंत्री को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहियेः मीणा**

इसके बाद राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा भाजपा कार्यकर्ता नीरज अग्निहोत्री के पिताजी के देहांत होने से उनके घर बैठने गए। यहां वे से दोपहर 3 बजे जगदीश चौक पहुंचे और भगवान जगन्नाथ यात्रा में शामिल होते हुए आशीर्वाद लिया और प्रदेश व देश में अमन चैन की कामना की। किरोड़ी इसके बाद एमबी चिकित्सालय में घायल ईश्वर गौड से मिले और उनकी कुशलक्षेम पूछी। इस दौरान ललित तलेसरा, नानालाल वया, नीरज अग्निहोत्री, देवेन्द्र साहू, दिनेश गुप्ता, मयूरध्वज सिंह चौहान सहित कई कार्यकर्ता उनके साथ रहे।

उदयपुर पहुंच राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने दिवंगत कन्हैयालाल के परिवार को ढांढस बंधाया।

राज्य क्रीडा परिषद की अध्यक्ष कृष्णा पूनियां ने राजीव गांधी पुरस्कारों के मापदंड तय किए

महाराणा प्रताप व गुरू वशिष्ठ अवार्ड के लिए भी मांगे सुझाव

सादुलपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा घोषित राजीव गाँधी खेल रत्न अवार्ड सहित महाराणा प्रताप और गुरू वशिष्ठ पुरस्कार के लिए शुक्रवार को 15 सदस्यीय कमेटी की बैठक राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की अध्यक्ष, पदमश्री एवं ओलम्पियन डॉ. कृष्णा पूनिया की अध्यक्षता में जयपुर में आहूत की गई। बैठक में पुरस्कारों के नियम कायदों के बारे में चर्चा की गई। कई पूर्व खिलाडियों ने सुझाव दिये और अपने विचार रखे। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजू लाल ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा 29 मई को खिलाडियों के सम्मान समारोह के दौरान राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार शुरू करने की घोषणा की थी।

इस अवार्ड के साथ महाराणा प्रताप और गुरू वशिष्ठ पुरस्कार के नियम कायदे बनाने के लिए अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाडियों के साथ विभिन्न समाचार पत्रों के खेल पत्रकारों के साथ चर्चा की गई और उन्होंने अपने सुझाव दिये। उन्होंने बताया कि सुझावों में ओलंपिक, एशियाड और कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेताओं को राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार में वरीयता दी जानी चाहिए। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की अध्यक्ष, पदमश्री व ओलम्पियन डॉ. कृष्णा पूनिया नें सभी पुरस्कार विजेता खिलाडियों से चर्चा के बाद कहा कि इसे फाइनल टच देने से पहले अर्जुन पुरस्कार व द्रोणाचार्य पुरस्कार के अनुरूप और बेहतर नियम बनाने के प्रयास किये जाएंगे। इस अवसर पर कुश्ती के अर्जुन अवार्डी महासिंह राव, द्रोणाचार्य अवार्डी आर.डी.सिंह, खेल पत्रकार श्री नरेश शर्मा, संजीव गर्ग और ललित शर्मा ने भी अपने सुझाव दिये।

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता व मुख्य खेल अधिकारी वीरेंद्र पूनिया ने बैठक में अपने सुझाव देते हुए कहा कि हाईएस्ट अचीवमेंट प्राप्त खिलाडी को ही राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार दिया जाये और महाराणा प्रताप व गुरू वशिष्ठ पुरस्कार के लिए भी मापदण्ड निर्धारित किये जाये। बैठक में सुरेश मिश्रा, वॉलीबाम्ल, अर्जुन पुरस्कार, आर.डी सिंह, एथलेटिक्स, द्रोणाचार्य पुरस्कार, महासिंह राव, कुश्ती, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, हीरानन्द कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुषू संघ, तेजराज सिंह, महासचिव भारतीय हैण्डबॉल महासंघ, राजू लाल, सचिव, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद्, जयपुर, वीरेन्द्र पूनिया, मुख्य खेल अधिकारी, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, संजीव गर्ग, खेल पत्रकार, ललित शर्मा, खेल पत्रकार, नरेश शर्मा, खेल पत्रकार, रामनिवास चौधरी, एथलेटिक्स, महाराणा प्रताप पुरस्कार विजेता, राजनारायण शर्मा, कबड्डी, गुरू वशिष्ठ पुरस्कार विजेता जगसीर सिंह, एथलेटिक्स, पेरालम्पियन खिलाडी श्याम सुन्दर, तीरंदाजी, पैरालम्पियन खिलाडी आदि कमेटी के सदस्यों नें भाग लिया।

- **15 सदस्य कमेटी की बैठक में की गई चर्चा**

राजीव गांधी खेल रत्न अवार्ड के लिए मापदण्ड तय करने पर चर्चा कर महाराणा प्रताप व गुरू वशिष्ठ अवार्ड के लिए 15 सदस्यीय कमेटी से सुझाव लेती राजस्थान क्रीडा परिषद अध्यक्ष डॉ कृष्णा पूनियां।

उदयपुर की घटना के विरोध में भरतपुर बंद आज

भरतपुर, (निसं)। उदयपुर में हुई वीभत्स हत्याकांड की घटना को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से तीसरे दिन भी शुक्रवार को सतर्कता बरती और प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। शनिवार को हिंदू समाज के लोगों की ओर से भरतपुर बंद का आव्हान किया गया है जिसका व्यापार संगठन व हिंदूवादी संगठनों द्वारा समर्थन किए जाने से शनिवार को भरतपुर बंद रहेगा।

- **इंटरनेट बंद रखने की अवधि शनिवार 2 जुलाई की रात्रि 12 बजे तक बढ़ाई**

मिली जानकारी के अनुसार हिंदू समाज के लोग लक्ष्मण मंदिर से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च कर पहुचेंगे जहां जिला कलक्टर को ज्ञापन भी दिया जाएगा। संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने आदेश जारी कर भरतपुर संभाग में इंटरनेट सेवा बंद रखने की अवधि को शनिवार 2 जुलाई की रात्रि 12 बजे तक बढा दी है। लोगों को इंटरनेट के लिए और भी परेशान रहना पड सकता है। भरतपुर शहर में पुलिस की ओर से शहर के मुख्य बाजारों से होकर पैदल मार्च निकाला । शहर में जगह जगह पर पुलिस सुरक्षा बढा दी गई है।

गार्डों को चारपाई से बांधा, गोदाम से 430 थैले चना लूटे

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले के सदर थाना क्षेत्र में बदमाश गोदामों का ताला तोड़कर 430 थैले चने के चोरी कर ले गए। 10 से ज्यादा बदमाश ट्रक में बैठकर आये और चने के थैले भरकर ले गए।

चने के थैले लूटने आये बदमाशों ने गोदामों के दोनों सिक्योरिटी गार्डों को चारपाई पर बांध दिया और उनके साथ मारपीट कर नकदी व मोबाइल ले गए। चोरी की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गोदामों का मुआयना किया। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। सदर पुलिस के हाथ कुछ अहम सुराग लगे हैं, जिसके आधार पर पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा कर सकती है।

थाना प्रभारी चन्द्रभान धुंआ ने बताया कि चोरी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और गोदामों का मुआयना किया। नेशनल बल्क हैंडलिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के कलस्टर इंचार्ज ऑपरेशन मोहम्मद जावेद काजी पुत्र लियाकत अली काजी निवासी वार्ड 7 पुरानी आबादी श्रीगगांनगर ने मामला दर्ज करवाया कि हमारी कंपनी गोदामों में एग्री कोमोडिटिज का भंडारण करने का काम करती है। हमने स्टोरेज के लिए एक गोदाम चक 4 पीबीएम डबली वास चुगता में किराये पर ले रखा। रात 1 बजे के बाद 10-12 लोग गोदाम की दीवार से अंदर घुसे और सिक्योरिटी गार्ड रामकिशन पुत्र धर्माराम, सुरेन्द्र कुमार पुत्र वरयाम चंद को चारपाई से बांधकर मारपीट की और गोदाम की चाबी छीन ली।

गोदाम इंचार्ज ने बताया कि बदमाशों ने चाबी से ताला खोलकर ट्रक गोदाम कैम्पस के अंदर ले गए। इसके बाद 3 गोदामों के बाहर की तरफ लगे शटर के ताले तोड़कर 430 थैले चने ट्रक में लोड कर ले गए। उन्होंने बताया कि आरोपी गार्ड रामकिशन से उसकी बाइक की आरसी, करीब 7 हजार रुपये और गार्ड सुरेन्द्र कुमार से उसका मोबाइल और 500 रुपये छीनकर ले गए। थाना प्रभारी ने बताया कि गोदाम इंचार्ज की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में जुटी है। चन्द्रभान धुंआ ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौका-मुआयना कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

धुंआ ने बताया कि पुलिस के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं, जिसके आधार पर पुलिस लुटेरों को जल्द गिरफ्तार कर लेगी। सदर पुलिस ने ट्रक व लुटेरो के निकलने के कई रास्तों पर सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले हैं, जिससे भी पुलिस को मदद मिलने की बात सामने आई है।

ग्रुप चरण में प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण होगा और हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते। हमारे लिए, सबसे महत्वपूर्ण पहलू हर एक क्वार्टर के प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की होगी। हम प्रतिद्वंद्वी के बारे में ज्यादा चिंता किए बिना सर्वश्रेष्ठ बन सकते हैं। - वंदना कटारिया

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, विश्व कप हॉकी को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ क्रुणाल पांड्या

लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या पहली बार काउंटी क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। उन्होंने रॉयल लंदन कप के लिए वारविकशायर के साथ करार किया है। 31 वर्षीय क्रुणाल इंग्लैंड के विरुद्ध इस महीने खेले जाने वाली वनडे अथवा टी20 सीरीज़ के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। 2 अगस्त को शुरू होने वाले वनडे टूर्नामेंट में वॉशिंगटन सुंदर और चेतेश्वर पुजारा के बाद क्रुणाल तीसरे भारतीय होंगे। पिछले साल द हंड्रेड प्रतियोगिता की शुरुआत ने रॉयल लंदन वनडे कप के महत्व को कम कर दिया है।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद सामी ने एक ओवर में 17 गेंद फेंककर एक ओवर में सर्वाधिक गेंद फेंकने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ी बने।

पंत और जडेजा ने भारत को संभाला

बर्मिंघम, 1 जुलाई। विकेटकीपर ऋषभ पंत के शानदार और साहसिक शतक (146) तथा उनकी रवींद्र जडेजा (नाबाद 83) के साथ छठे विकेट के लिए 222 रन की साझेदारी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ नाजुक हालत से उबरते हुए पांचवें टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को समाचार लिखे जाने तक 7 विकेट खोकर 338 रन बना लिए। जडेजा के साथ मोहम्मद शमी बिना खाता खोले क्रीज पर थे।

टॉस हारने बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने अपने पांच विकेट मात्र 98 रन पर गंवा दिए थे लेकिन पंत और जडेजा ने इसके बाद डटकर खेलते हुए चाय तक टीम को कोई और नुकसान नहीं होने दिया। इसी के साथ दूसरे सत्र की समाप्ति हो गयी। इस सत्र में 23 से अधिक ओवर में 121 रन बने और तीन विकेट गिरे। जब यह सत्र शुरू हुआ था तो भारत संकट में दिख रहा था लेकिन अंत तक आते-आते पंत और जडेजा की खब्बू जोड़ी ने इसे संभाल लिया है। पंत 146 रन बनाकर जो रूट की गेंद पर क्राले को कैच दे आउट हुए।

भारत ने सुबह के सत्र में बारिश के कारण खेल रुकने तक दो विकेट खोकर 53 रन बना लिए थे और भारत के दोनों ओपनरों शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा को तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने स्लिप में ज़ैक क्रॉली के हाथों कैच कराया। गिल ने 24 गेंदों में चार चौकों की मदद से 17 रन और पुजारा ने 46 गेंदों में दो चौकों के सहारे 13 रन बनाये। खेल रुकने के समय हनुमा विहारी 46 गेंदों में 14 और विराट कोहली सात गेंदों में एक रन बनाकर क्रीज पर थे। भारत के दोनों बल्लेबाज अच्छे टच में दिखने के बाद आउट हो गए। हालांकि एक और बात यह भी है कि दोनों बल्लेबाजों को अतिरिक्त उछाल ने चकमा दिया। एंडरसन की गेंद पर बाहरी किनारा और इंग्लैंड को पहला विकेट। गिल ने इस बार बाहर की बैक ऑफ गुड लेंथ गेंद पर छेड़खानी की और अपना विकेट गंवाया। गेंद ने इस बार अतिरिक्त उछाल भी लिया था, गिल उसे दूर से ही पुश करने की कोशिश में गए। जबरदस्ती का छेड़छाड़ और अपने विकेट से खिलवाड़। भारत ने 27 रन पर अपना पहला विकेट गंवाया।

एंडरसन ने पुजारा को आउट कर अपना दूसरा विकेट लिया। पुजारा ने स्लिप में कैच दे दिया। अतिरिक्त उछाल ने फिर से बल्लेबाज को चौंकाया, चौथे स्टंप पर गुडलेंथ गेंद, गिरने के बाद थोड़ी अंदर आई, पुजारा उछाल से चौंक गए, गेंद को जैसे-तैसे रोकने का प्रयास किया लेकिन बाहरी किनारा लगा और इस बार स्लिप के फील्डर ने कोई ग़लती नहीं की। भारत का दूसरा विकेट 46 के स्कोर पर गिरा।

मैथ्यू पॉट्स ने प्लान बना कर हनुमा विहारी का विकेट निकाला। बैक ऑफ़ लेंथ गेंद फेंकने के बाद फुलर लेंथ की गेंद ऑफ़ स्टंप के बाहर, गिरने के बाद गेंद तेज़ी से अंदर आई, कुछ नहीं कर पाए हनुमा, गेंद पैड पर लगी और अंपायर ने सहर्ष उंगली खड़ी कर दी। हनुमा ने विराट से रिव्यू के बारे में पूछा लेकिन उन्होंने शायद मना कर दिया। हनुमा ने 53 गेंदों के संघर्ष में 20 रन बनाये।

पॉट्स ने फिर विराट कोहली को, भी पवेलियन की राह दिखाई। विराट बोल्ड हो गए, काफ़ी दुर्भाग्यपूर्ण तरीक़े से आउट। ऑफ़ स्टंप के बाहर की गेंद, गिरने के बाद बाहर जा रही थी, कोहली ने गेंद को छोड़ने के चक्कर में अपने बल्ले को हवा में लहराने का प्रयास किया लेकिन किनारा लग कर गेंद विकेट में लग गई, पोट्स की ख़ुशी का ठिकाना नहीं था। विराट 19 गेंदों में 11 रन बनाकर आउट हुए।

एंडरसन ने श्रेयस अय्यर को आउट कर अपना तीसरा विकेट लिया। शॉर्ट ऑफ़ लेंथ की गेंद, बिल्कुल प्लान के तहत, शरीर की दिशा में, श्रेयस थोड़ा सा शफ़ल करते हुए लेग साइड में गेंद को खेलना चाहते थे, गेंद ने बल्ले का किनारा लिया और गई कीपर के बाईं तरफ़, कीपर सैम बिलिंग्स ने गोता लगाया और कमाल का कैच लपक लिया। अय्यर ने 11 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 15 रन बनाये।

पांचवां विकेट 98 के स्कोर पर गिरने के बाद पंत और जडेजा ने भारतीय पारी को संभाला और 50 रन की साझेदारी कर डाली। पंत ने जैक लीच के 37वें ओवर में दो चौके और एक छक्का मारा। पंत ने लीच के के एक और ओवर में चौका मारकर अपना अर्धशतक पूरा किया। उनकी विषम परिस्थितियों में खेली गयी यह एक बेहतरीन पारी थी।

जोकोविच मास्टर क्लास जीत के साथ चौथे दौर में

लंदन, 1 जुलाई। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच हमवतन मियोमीर के समानोविच को शुक्रवार को लगातार सेटों में 6-0, 6-3, 6-4 से हराकर विम्बलडन टेनिस चैंपियनशिप के चौथे दौर में पहुंच गए। जोकोविच का चौथे दौर में हॉलैंड के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी टिम वान रिजथोवेन से मुकाबला होगा। जोकोविच ने केसमानोविच के खिलाफ मास्टरक्लास टेनिस का प्रदर्शन किया और एक घंटे 52 मिनट में मैच निपटा दिया। उन्होंने मैच में छह बार केसमानोविच की सर्विस तोड़ी।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा,मुझे लगता है कि जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ रहा है मैं बेहतर से बेहतर प्रदर्शन कर रहा हूं। अब मुझे अगली चुनौती का इन्तजार है। यह ग्रास कोर्ट पर जोकोविच की लगातार 24वीं जीत है और वह ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी रॉड लेवर की बराबरी पर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। जोकोविच ने मैच में 36 विनर्स लगाए, जबकि केसमानोविच 13 विनर्स ही मार पाए।

इससे पहले महिलाओं में नंबर एक सीड पोलैंड की युवा सनसनी इगा स्वियाटेक ने गुरुवार को नीदरलैंड की लेस्ली केरखोव को हराकर और स्पेन के राफेल नडाल ने लिथुआनिया के रिकार्डिस बेरांकिस को पराजित कर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

स्वियाटेक ने यहां कोर्ट 1 में हुए मुकाबले में केरखोव को 6-4, 4-6, 6-3 से शिकस्त दी। फरवरी में दुबई टेनिस चैंपियनशिप में हारने के बाद से स्वियाटेक ने यह लगातार 37वीं जीत दर्ज की है।

सफेद गेंद क्रिकेट से कप्तानी में वापसी करेंगे रोहित, धवन और जडेजा वनडे टीम में

मुम्बई, 1 जुलाई वार्ता इंग्लैंड दौरे पर आगामी सीमित ओवर सीरीज़ के लिए रोहित शर्मा के कप्तान रहने की पुष्टि हो गई है। वह आयरलैंड में दो टी20 मैचों के लिए कप्तानी करने वाले हार्दिक पांड्या से कप्तानी लेंगे।

कोविड की वजह से रोहित एजबेस्टन टेस्ट नहीं खेल रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें पूरी तरह से ठीक होने का समय मिलेगा और वह सात जुलाई से साउथैम्पटन में होने वाले पहले टी20 से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। अगर वह टेस्ट के लिए उपलब्ध होते, तो पहले टी20 मैच में उनकी भागीदारी में उन्हें ज़्यादा आराम नहीं मिल पाता, पांचवें टेस्ट के अंतिम दिन से उन्हें 48 घंटे से भी कम समय मिलता।

विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा सभी एक जुलाई से पांचवें टेस्ट में खेलेंगे जिसकी वजह से ये सभी दूसरे और तीसरे टी20 में ही खेल पाएंगे। इसका मतलब है कि टीम में ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, वेंकटेश अय्यर और अनकैप्ड राहुल त्रिपाठी और अर्शदीप सिंह की जगह नहीं बनेगी, जो पहले टी20 में टीम का हिस्सा हैं।

ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की टीम बनाने में जुटे भारतीय चयनकर्ताओं ने टी20 टीम में मोहम्मद शमी को नहीं चुना है। शमी ने आईपीएल 2022 में चैंपियन बनी गुजरात टाइटंस के लिए सबसे ज़्यादा विकेट लिए थे। उन्होंने सभी मैचों में भाग लिया और 8 की इकॉनमी और 24.40 की औसत से 20 विकेट निकाले।

आयरलैंड में डेब्यू करने वाले तेज गेंदबाज उमरान मलिक और इस दौरे पर दूसरे टी20 में शतक लगाने वाले दीपक हुड्डा ने अपनी जगह बनाए रखी है। वहीं तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए, अर्शदीप को पहली बार टीम में चुना गया है। टीम में शिखर धवन ने भी जगह बनाई है, जिनके रोहित के साथ ओपन करने की पूरी संभावना है। पिछले साल जुलाई में श्रीलंका के ख़िलाफ़ अपना पिछला वनडे खेलने वाले हार्दिक की भी टीम में वापसी हुई है।

फ़रवरी में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ घर में हुई सीरीज़ में नहीं चुने गए शार्दुल ठाकुर भी टीम में चुने गए हैं, जबकि 2017 में अपना पिछला वनडे खेलने वाले अक्षर पटेल को भी टीम में जगह मिली है। अक्षर ने चोटिल वॉशिंगटन सुंदर की जगह ली है। वॉशिंगटन अपने हाथ की चोट से उबर रहे हैं और जुलाई में इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलकर वापसी करेंगे। पिछली वनडे टीम का हिस्सा रहे कुलदीप यादव और दीपक चाहर चोट की वजह से नहीं चुने गए हैं। दोनों ही खिलाड़ी मौजूद समय में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब पर हैं। वहीं जडेजा भी 18 महीनों में अपना पहला वनडे खेलने के लिए तैयार हैं।

पहले टी20 के लिए टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश ख़ान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक

दूसरे और तीसरे टी20 के लिए टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, आवेश ख़ान, हर्षल पटेल, उमरान मलिक

वनडे सीरीज़ के लिए टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, इशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

सिंधु और प्रणय की चुनौती क्वार्टरफाइनल में समाप्त

कुआलालम्पुर, 1 जुलाई। पूर्व विश्व चैंपियन भारत की पीवी सिंधु और एच एस प्रणय का मलेशिया ओपन सुपर 750 सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। सिंधु को दूसरी सीड चीनी ताइपे की ताई जू यिंग के हाथों तीन गेमों में हार का सामना करना पड़ा जबकि प्रणय को सातवीं सीड इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी ने लगातार गेमों में हराया। सिंधु ने यह मुकाबला 53 मिनट में 21-13, 15-21, 13-21 से गंवाया। ताई जू यिंग ने इस जीत से भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 16-5 कर लिया है।

कप्तान की तुलना में गेंदबाज के तौर पर बुमराह की ज्यादा जरूरत : द्रविड़

बर्मिंघम, 1 जुलाई। भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को लगता है कि इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे एकमात्र टेस्ट के दौरान 'मैच विजयी तेज गेंदबाज – जसप्रीत बुमराह' की जरूरत 'कप्तान के तौर पर जसप्रीत बुमराह' से अधिक होगी।

बुमराह शुक्रवार को टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की अगुआई करने वाले 36वें खिलाड़ी बन गये और वह महान क्रिकेटर कपिल देव के बाद ऐसा करने वाले दूसरे तेज गेंदबाज है। रोहित शर्मा की मैच में उपलब्धता के बारे में स्थिति स्पष्ट होने के बाद द्रविड़ ने युवा कप्तान बुमराह से कहा, "रिलैक्स रहो, हमें तुम्हारी जरूरत बतौर कप्तान से कहीं अधिक तेज गेंदबाज के तौर पर है। द्रविड़ ने आधिकारिक प्रसारक सोनी से कहा, "पिछले दो दिन में मैंने उससे कुछ बातें की हैं जिसमें मैंने उसे सिर्फ रिलैक्स रहने को कहा है। हमें कप्तान से ज्यादा तेज गेंदबाज के तौर पर आपकी ज्यादा जरूरत है।"

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि वह काफी समझदार है और खेल को बहुत अच्छी तरह समझता है। साथ ही टीम उसका सम्मान करती है जो कप्तान के तौर पर काफी अहम होता है। कपिल देव टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाले अंतिम तेज गेंदबाज थे, जिसके बाद से भारत ने पारंपरिक क्रिकेट में कप्तानी के लिये किसी तेज गेंदबाज को नहीं चुना है।

द्रविड़ ने कहा, "गेंदबाजी बदलती है, क्षेत्ररक्षण बदलता है, निश्चित रूप से समय के साथ यह बेहतर ही होगा। यह नयी चुनौती है। तेज गेंदबाज के लिये कप्तानी करना आसान नहीं है, उसे अपनी गेंदबाजी के बारे में भी सोचना पड़ता है। उन्होंने कहा, "कप्तानी ऐसी चीज है जिसमें आप तभी महारत हासिल करते हो जब आप ज्यादा मैचों में कप्तानी करते हो।

द्रविड़ ने इंग्लैंड के बारे में बात करते हुए कहा, "इंग्लैंड और उनकी बल्लेबाजी शैली के बारे में काफी चर्चा चल रही है। मैं इसे देखने के लिये तैयार हूं। हमें अपनी तेज गेंदबाजी पर गर्व है। उन्होंने पूरी दुनिया में अच्छा प्रदर्शन किया है और मुझे लगता है कि यह दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। हमें प्रतिद्वंद्वी के बजाय खुद पर ध्यान देना चाहिए।

इंग्लैंड के नए वनडे और टीम-20 कप्तान चुने गए बटलर

लंदन, 1 जुलाई। इयोन मॉर्गन के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद जॉस बटलर को इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। 31 वर्षीय बटलर मॉर्गन के साढ़े सात सालों के कार्यकाल में कई बार टीम की कमान संभाल चुके हैं। उन्होंने नौ वनडे और पांच टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में इंग्लैंड का नेतृत्व किया है।

भारत के ख़िलाफ़ सात जुलाई से शुरू हो रही टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ से बटलर बतौर नियमित कप्तान अपने कार्यकाल का शुभारंभ करेंगे। 25 दिनों के भीतर इंग्लैंड को छह वनडे और छह टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं। सफ़ेद गेंद क्रिकेट में टीम के प्रमुख कोच मैथ्यू मॉट के साथ बटलर का ध्यान इस साल ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के साथ-साथ अगले साल खेले जाने वाले वनडे विश्व कप पर भी होगा। इंग्लैंड मौजूदा वनडे चैंपियन है और टीम भारत में अपने ख़िताब का बचाव करने का पूरा प्रयास करेगी।

इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट के निदेशक रॉब की ने कप्तानी पद के लिए बटलर की सिफ़ारिश की थी और बुधवार को उनकी नियुक्ति हुई। रॉब ने कहा, "सफ़ेद गेंद की क्रिकेट में मॉर्गन के उत्तराधिकारी के रूप में बटलर सबसे सही दावेदार हैं। वह एक दशक से हमारी टीम का हिस्सा रहे हैं और पिछले सात सालों में आक्रामक शैली अपनाने वाली टीम की महत्वपूर्ण कड़ी बनकर उभरे हैं।"

ऑस्ट्रेलिया का पहले टेस्ट में परफेक्ट 10

श्रीलंका को पहले टेस्ट में तीसरे दिन 113 रन पर ढेर कर मुकाबला 10 विकेट से जीत श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई

गाले, 1 जुलाई। नाथन लियोन (31 रन पर चार विकेट), ट्रैविस हैड (10 रन पर चार विकेट) और मिचेल स्वेप्सन (34 रन पर दो विकेट) की घातक गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पहले टेस्ट में तीसरे दिन शुक्रवार को 113 रन पर ढेर कर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत से दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 313 रन से आगे खेलते हुए 321 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया ने 109 रन की बढ़त बना लीऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को दूसरी पारी में 113 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए पांच रन का लक्ष्य मिला जो उसने बिना कोई विकेट खोये 10 रन बनाकर हासिल कर लिया। श्रीलंका ने पहली पारी में 212 रन बनाये थे। दूसरी पारी में उसका प्रदर्शन ज्यादा खराब रहा और टीम 113 रन पर सिमट गयी। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 77 रन बनाने वाले कैमरून ग्रीन को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। श्रीलंका की दूसरी पारी में कप्तान दिमुथ करुणारत्ना ने सर्वाधिक 23 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में डेविड वार्नर ने चार गेंदों में एक चौका और एक छक्का उड़ाते हुए नाबाद 10 रन बनाकर मैच समाप्त कर दिया।

हरमनप्रीत शांतचित्त रहती है जिससे फैसले लेने में मदद मिलती है : दीप्ति

पल्लीकल, 1 जुलाई। भारतीय महिला टीम की आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा का मानना है कि हर समय शांतचित्त रहने की कप्तान हरमनप्रीत कौर की क्षमता उन्हें मैदान पर फैसले लेने में मदद करती है।

पूर्णकालिक कप्तान के तौर पर हरमनप्रीत का यह पहला वनडे मैच था। दीप्ति के हरफनमौला प्रदर्शन से भारत ने श्रीलंका को चार विकेट से हराया। हरमनप्रीत की कप्तानी के बारे में पूछने पर दीप्ति ने कहा, "वह हमेशा शांतचित्त रहती है चाहे टी20 हो या वनडे। वह टीम की अगुआई बखूबी कर रही है। शांत रहने से बेहतर फैसले लेने में मदद मिलती है और हम एक टीम के रूप में उसकी कप्तानी का आनंद ले रहे हैं।" लंबे समय से कप्तान रही मिताली राज के संन्यास के बाद हरमनप्रीत को वनडे कप्तानी भी सौंपी गई।

अपने प्रदर्शन के बारे में दीप्ति ने कहा, "हमें विकेट का अनुमान था और हमने साझेदारियों पर काफी मेहनत की। हमारी योजना प्रति ओवर तीन चार रन बनाने की थी और हमें पता था कि इसी तरह से साझेदारी बना सकेंगे।" उन्होंने कहा, "मैंने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी पर काफी मेहनत की है और नये शॉट्स शामिल किये हैं। मेरी भूमिका फिनिशर की है जो बदली नहीं है। जितना ज्यादा मैं फिनिशर का काम कर सकूंगी, टीम के लिये उतना अच्छा होगा।"

दीप्ति के हरफनमौला खेल से जीता भारत

पल्लेकल, 1 जुलाई। प्लेयर ऑफ द मैच दीप्ति शर्मा (25/3 और नाबाद 22) के बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन से भारत ने श्रीलंका को पहले वनडे में शुक्रवार को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। श्रीलंका ने 48.2 ओवर में 171 रन बनाये जबकि भारत ने 38 ओवर में छह विकेट पर 176 रन बनाकर जीत अपने नाम की। मुश्किल पिच पर बल्लेबाजी करना दोनों ही टीमों के लिए आसान नहीं रहा। टर्न लेती गेंदों पर स्पिनरों ने बल्लेबाजों को खूब नचाया। पहले रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा के तीन-तीन विकेटों की बदौलत भारतीय टीम ने श्रीलंका को 171 रनों पर पवेलियन भेज दिया। श्रीलंका की तरफ से नीलाक्षी डिसिल्वा ने सर्वाधिक 43 और हसिनी परेरा ने 37 रन बनाये। इसके बाद श्रीलंकाई स्पिनरों ने भी भारतीय बल्लेबाजों की अच्छी परीक्षा ली, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों का अनुभव काम आया। पहले शेफाली वर्मा ने 40 गेंदों में 35 रन की तेजतर्रार पारी खेली। इसके बाद हरमनप्रीत (44) और हरलीन देओल (34) ने बेहतरीन साझेदारी करके भारत को मैच से बाहर नहीं होने दिया।

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग में जीता रजत पदक

स्टॉकहोम, 1 जुलाई। ओलंपिक चैम्पियन भारत के नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को प्रतिष्ठित डायमंड लीग में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए रजत पदक जीता। हालांकि वह काफी करीब से 90 मीटर दूर भाला फेंकने से चूक गये। लेकिन उन्हें भरोसा है कि वह इस साल इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

भारतीय सेना के सूबेदार नीरज पहली बार डायमंड लीग शीर्ष तीन में जगह बनाने में सफल रहे। 24 साल के एथलीट ने पहले ही प्रयास में 89.94 मीटर दूर भाला फेंका जिससे वह महज छह सेंटीमीटर से 90 मीटर से चूक गया। इस दौरान उन्होंने अपने 89.30 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर किया जो उन्होंने 14 जून को फिनलैंड के तुर्कु में पावो नुर्मी खेलों में दूसरे स्थान पर रहकर बनाया था। नीरज के अन्य थ्रो 84.37 मी, 87.46 मी, 84.77 मी, 86.67 मी और 86.84 मी के रहे। चोपड़ा ने रजत पदक जीतने के बाद 'जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स' से कहा, "पहला थ्रो काफी अच्छा था, मुझे अच्छा लग रहा है। ऐसा नहीं था कि पहले थ्रो में ही करना है। 90 मीटर के काफी करीब था और लग रहा था कि कर दूंगा, पर अपना सर्वश्रेष्ठ किया तो अच्छा लग रहा है।

विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 90.31 मीटर की दूरी से स्वर्ण पदक जीता, उन्होंने यह दूरी तीसरे प्रयास में हासिल की। चोपड़ा ने कहा, मैं अब 90 मीटर के करीब हूं और इस साल मैं ऐसा कर सकता हूं। आज नहीं जीता लेकिन मुझे अच्छा लग रहा है क्योंकि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया। चोपड़ा अगस्त 2018 में ज्यूरिख में डायमंड लीग मीट में चौथे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा ने कहा,प्रतिस्पर्धा थी लेकिन मैं खुश हूं कि मेरे सभी थ्रो काफी अच्छे थे। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। मैं लंबे समय बाद खेल रहा हूं और अगली प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा। चोपड़ा की निगाहें 15 से 24 जुलाई तक अमेरिका के यूजीन में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर लगी हुई हैं। विश्व चैम्पियनशिप में भारत का सिर्फ एक ही पदक है। लंबी कूद की महान एथलीट अंजू बॉबी जार्ज ने 2003 में कांस्य पदक से हासिल किया था।

सरकार ने टेबल टेनिस टीम के पुर्तगाल दौरे को मंजूरी दी, शरत करेंगे दल की अगुआई

नयी दिल्ली, 1 जुलाई। अनुभवी खिलाड़ी अचंता शरत कमल आगामी बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से पहले तीन से 10 जुलाई तक पुर्तगाल दौरे पर 10 सदस्यीय भारतीय टेबल टेनिस टीम की अगुआई करेंगे। टीम में पांच पुरुष और इतनी ही महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं जिनके साथ दो कोच रमन सुब्रमण्यम और अनिंदिता चक्रवर्ती जायेंगे। शरत के अलावा पुरुष टीम के अन्य सदस्य सानिल शेट्टी, गुणशेखरन साथियान, हरमीत देसाई और मानुष हैं। महिला टीम में श्रीजा अकुला, रीथ टेनिसन, मनिका बत्रा, दिया चिताले और स्वस्तिका घोष शामिल हैं। खेल मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय की मंजूरी के अधीन इस दौरे को मंजूरी दी। शरत कमल अपने पांचवें राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेंगे और वह सबसे ज्यादा अनुभवी हैं।

टेस्ट कप्तानी मेरे करियर की एक बड़ी उपलब्धि है : जसप्रीत बुमराह

बर्मिंघम, 1 जून। भारत के नए टेस्ट कप्तान जसप्रीत बुमराह काफी उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा, "यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है, एक बड़ा सम्मान है। मेरे लिए टेस्ट मैच खेलना एक सपना था और ऐसा मौक़ा मिलना शायद मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। मैं बहुत ख़ुश हूं कि मुझे यह मौक़ा दिया गया है।"

गुरुवार सुबह ही प्रमुख कोच राहुल द्रविड़ ने रोहित शर्मा के पॉज़िटिव पाए जाने के बाद बुमराह को कप्तान नियुक्त किए जाने की सूचना दी। बुमराह ने कहा, "हम रोहित (की रिपोर्ट की पुष्टि होने) का इंतज़ार कर रहे थे। आज (गुरुवार) सुबह भी हमने एक टेस्ट किया और वह उसमें पॉज़िटिव पाए गए। फिर कोच के साथ मेरी बातचीत हुई जिसके बाद उन्होंने कप्तानी की घोषणा की।"

आईसीसी की टेस्ट गेंदबाज़ों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर विराजमान बुमराह ने सबसे पहले यह ख़बर अपने परिवारजनों को सुनाई। "जब मुझे इस उपलब्धि के बारे में पता चला तो मैंने अपने परिवार को बताया। मैं ख़ुश हूं और उन्हें मुझ पर गर्व है। मुझे ख़ुद पर गर्व हो रहा है।" दिसंबर 2018 में दक्षिण अफ़्रीका दौरे पर अपना टेस्ट डेब्यू करने के बाद से बुमराह भारतीय टीम की महत्वपूर्ण कड़ी बन चुके हैं। पटौदी ट्रॉफ़ी के पहले चार मैचों में 20.83 की औसत से 18 विकेट लेकर वह भारत की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ थे। वह एक साल बाद और अनुभवी हैं और श्रीलंका के ख़िलाफ़ भारत की पिछली टेस्ट सीरीज़ में उपकप्तान भी रह चुके हैं। उस समय बुमराह ने कहा था कि वह प्रेरित हैं और भविष्य में भारत का नेतृत्व करने की ज़िम्मेदारी से हिचकिचाएंगे नहीं।

अब कप्तान चुने जाने के बाद वह अतिरिक्त ज़िम्मेदारी के बारे में जानते हैं। उन्होंने कहा, "मेरे लिए कुछ बदलेगा नहीं, मुझे अब भी अपना काम करना है। आप अपना काम सही ढंग से करते हुए टीम को एकजुट रख सकते हो। मैं यही करना चाहता हूं। हमारे पास एक अच्छी और अनुभवी टीम है। साथ ही मेरी मदद करने के लिए कई लोग मौजूद हैं। मैं टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना चाहता हूं।"

34 वर्षीय रिचर्ड ग्लीसन ने पहली बार इंग्लैंड की टीम में बनाई जगह

लंदन, 1 जुलाई। लंकाशायर के 34 वर्षीय तेज गेंदबाज रिचर्ड ग्लीसन ने पहली बार इंग्लैंड की टीम में जगह बनाई है और भारत के ख़िलाफ़ अगले सप्ताह टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ में डेब्यू कर सकते हैं। ग्लीसन ने 27 वर्ष की उम्र में प्रथम श्रेणी में डेब्यू किया था। वह पीठ की चोट के कारण पिछले दो सीज़न में ज़्यादातर समय बाहर ही रहे। ग्लीसन ने इस साल टी20 ब्लास्ट में लंकाशायर लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। उन्होंने प्रत्येक मैच खेला और 20 विकेट चटकाए, जो इंग्लैंड के गेंदबाज़ों में संयुक्त रूप से सबसे अधिक था। इंग्लैंड के पूर्णकालिक सीमित ओवरों के कप्तान के रूप में जॉस बटलर की पहली टीम में ग्लीसन सबसे उल्लेखनीय चयन हैं।

जमुना बोरो, अनंत चोपडे सहित 6 मुक्केबाज सेमीफाइनल में, 13 खिलाड़ियों ने पदक पक्के किये

नयी दिल्ली, 1 जुलाई। कजाकिस्तान की राजधानी नूर-सुल्तान में जारी इलोर्डा कप में भारतीय मुक्केबाजों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। पहली बार आयोजित किए जा रहे टूर्नामेंट के तीसरे दिन शुक्रवार को 2019 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली जमुना बोरो की अगुवाई में छह मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में पहुंचकर अपने पदक पक्का किया।

जमुना बोरो (54 किग्रा) ने कजाकिस्तान की ऐशागुल येलुबायेवा के खिलाफ अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान पूरी तरह से नियंत्रित खेल दिखाया। जमुना ने मजबूत कौशल दिखाते हुए 5-0 की आसान जीत के दौरान कई मौकों पर क्लीन पंच लगाए।

रोहतक निवासी 2017 की विश्व युवा चैंपियन ज्योति गुलिया (52 किग्रा) ने कजाकिस्तान की झांसाया राखीम्बर्दी का सामना किया। पहले राउंड के दौरान ज्योति ने अपनी विरोधी खिलाड़ी के खेल को समझने की कोशिश की और फिर जोरदार वापसी करते हुए अपनी जीत तय की। ज्योति ने अपनी गति, सटीक घूंसों के दम पर यह मुकाबला 4-1 से अपने पक्ष में करते हुए अपने लिए पदक सुरक्षित किया।

2016 में आयोजित विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता सोनिया लाठेर (57 किग्रा) ने स्थानीय मुक्केबाज जुल्दिज शायाखमेतोवा को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया। इसी तरह अनंत चोपडे (54 किग्रा) ने भी कजाकिस्तान के अल्टिनबेक नूरसुल्तान को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराया, जबकि सचिन (57 किग्रा) ने दूसरे राउंड में चीन के अपने प्रतिद्वंद्वी ल्यू पिंग के चोटिल होने के बाद अंतिम -4 चरण में प्रवेश किया। इसी तरह, साक्षी (54 किग्रा) ने कजाकिस्तान की मुजदीमान बलौसा को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरी ओर, अर्शी (52 किग्रा) और आरती (57 किग्रा) अपने-अपने कजाख प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 0-5 के अंतर से हार गईं।

पुरुष वर्ग में, आदित्य (67 किग्रा) ने मौजूदा एशियाई चैंपियन मंगोलिया के बातरसुख चिनजोरिग के खिलाफ बहुत साहसिक खेल दिखाया, लेकिन वह 0-5 के अंतर से यह मुकाबला हार गए। पवन (75 किग्रा) ने भी कजाकिस्तान के रेयस नूरकानाट के खिलाफ हार के साथ अपने अभियान का अंत किया।

गुरुवार की देर रात तीन भारतीय महिला मुक्केबाज गीतिका (48 किग्रा), ललिता (70 किग्रा) और बबीता (81 किग्रा) ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। चार भारतीय मुक्केबाज, एस कलाईवानी (48 किग्रा), नीमा (63 किग्रा), अल्फिया (81 किग्रा) और जुग्नू (92 किग्रा) सेमीफाइनल से ही अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। भारत के अब तक कुल 13 मुक्केबाज पदक सुरक्षित कर चुके हैं।

इस इवेंट में महिला वर्ग में भारत की दो टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत ने इस इवेंट के लिए 12 पुरुषों सहित 33 सदस्यीय दल कजाकिस्तान भेजा है। भारत के अलावा, टूर्नामेंट में उज्बेकिस्तान, मेजबान कजाकिस्तान, क्यूबा, चीन और मंगोलिया जैसे मुक्केबाजी में मजबूत माने वाले देशों की उपस्थिति देखी जा रही है। इस टूर्नामेंट के चैंपियन मुक्केबाज को 700 अमेरिकी डॉलर जबकि रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमश: 400 अमेरिकी डॉलर और 200 अमेरिकी डॉलर दिए जाएंगे।

अनमैन्ड एयरपक्राफ्ट आने वाले समय में वॉर और डिफैन्स की पहली सीढ़ी माने जा रहे हैं। शुक्रवार को डी.आर.डी.ओ. निर्मित पूर्णतः स्वदेशी अनमैन्ड (मानवरहित) डिमॉन्स्ट्रेटर एयरक्राफ्ट की पहली उड़ान पूरी तरह से सफल रही। इस अनमैन्ड एयरक्राफ्ट ने पूरी तरह ऑटोमैटिक मोड में उड़ान भरते हुए टेक-ऑफ, वे पॉइंट नैविगेशन आदि का शानदार प्रदर्शन किया और आसानी से टचडाउन भी किया। इसे रक्षा क्षेत्र में भारत और डी.आर.डी.ओ. की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उत्कृष्ट योगदान के लिए डी.आर.डी.ओ. को बधाई दी है।

डी.आर.डी.ओ. के मानवरहित डिमॉन्स्ट्रेटर विमान की पहली उड़ान सफल रही

इसे ऑटोमैटिक विमान टैक्नोलॉजी के क्षेत्र में डी.आर.डी.ओ. और भारत की एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है

नई दिल्ली, 1 जुलाई। डिफैंस रिसर्च एण्ड डवलपमैंट ऑर्गनाइजेशन (डी.आर.डी.ओ.) उपलब्धियों में शुक्रवार को एक और नाम जुड़ गया। डी.आर.डी.ओ.ने शुक्रवार को ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टैक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर अर्थात मानवरहित विमान की पहली उड़ान का कर्नाटक के चित्रदुर्ग में स्थित वैमानिकी परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस विमान ने पूरी तरह ऑटोमैटिक मोड में उड़ान भरते हुए टेक-ऑफ, वे पॉइंट नेविगेशन आदि का शानदार प्रदर्शन किया और आसानी से टचडाउन भी किया।

इस विमान की यह उड़ान भविष्य के मानव रहित विमानों के विकास की दिशा में जरूरी तकनीक को साबित करती है। इसके साथ ही स्ट्रैटिजिक डिफेंस टेक्नॉलजी की दिशा में भी यह एक बड़ा कदम है। इस मानव रहित विमान को बेंगलुरु के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान ने डिजाइन और डिवेलप किया है। कर्नाटक की ए.डी.ई., डी.आर.डी.ओ. की एक प्रमुख रिसर्च लैबोरेट्री है। यह विमान एक छोटे टर्बोफैन इंजन द्वारा ऑपरेट होता है।

- **इस विमान ने पूरी तरह ऑटोमैटिक मोड में उड़ान भरते हुए टेक-ऑफ, वे पॉइंट नेविगेशन आदि का शानदार प्रदर्शन किया और आसानी से टचडाउन भी किया।**
- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता के लिए डी.आर.डी.ओ. को बधाई दी और कहा कि, यह कदम भारत की रक्षा क्षेत्र में और मजबूती बढ़ायेगा।**

खास बात यह है कि इस विमान के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एयरफ्रेम, अंडर कैरिज और संपूर्ण उड़ान नियंत्रण और एवियोनिक्स सिस्टम स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं। इस तरह से देखा जाए तो यह मिलिट्री टेक्नालॉजी की दिशा में भारत का एक बड़ा कदम है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डी.आर.डी.ओ. के अध्यक्ष डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने इस प्रणाली के डिजाइन, विकास और परीक्षण से जुड़ी टीमों के प्रयासों की सराहना की।

बड़ी खबर कन्हैयालाल के हत्यारों ने खोले कई खौफनाक राज, एक और हत्या का था प्लान!

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डी.आर.डी.ओ. को बधाई देते हुए कहा कि, यह ऑटोनॉमस एयरक्राफ्ट की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है और इससे महत्वपूर्ण मिलिट्री सिस्टम्स के रूप में 'आत्मनिर्भर भारत' का मार्ग भी प्रशस्त होगा। यह हमारी सैन्य प्रौद्योगिकी की उन्नति की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करता है।

हत्यारे हाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रियाज अजमेर ल ाया गया। यहां उन्हें जेल के अन्दर तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में अलग-अलग गहन बैरकों में रखा गया है।

राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा को मिल गया अकाली दल का साथ

शिरोमणी अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने एन.डी.ए. को राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन देने की घोषणा की

नई दिल्ली, 1 जुलाई। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल अब राष्ट्रपति चुनाव में एक-दूसरे के साथ आ गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिरोमणि अकाली दल ने शुक्रवार को कहा कि, वह राष्ट्रपति चुनाव में नैशनल डैमोक्रेटिक अलायंस (एन.डी.ए.) की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेगा। गौरतलब है कि, किसान कानून के पास होने तक शिरोमणि अकाली दल भी एन.डी.ए. के हिस्से के तौर पर बीजेपी का सहयोगी था। पंजाब विधानसभा चुनावों में अभी 4 महीने पहले एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोक रही थीं। उन चुनावों में दोनों पार्टियों को कोई खास सफलता नहीं मिली थी।

भाजपा के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने मुर्मू के समर्थन के लिए शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल से बात की थी, जिसके एक दिन बाद पार्टी ने यह फैसला किया। अकाली दल ने कृषि कानूनों को लेकर बीजेपी से नाता तोड़ लिया था। इन कानूनों को केंद्र की मोदी सरकार ने वापस ले लिया था।

- **पंजाब विधानसभा चुनावों में अभी 4 महीने पहले ही दोनों दल एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोक रहे थे। उन चुनावों में दोनों पार्टियों को कोई खास सफलता नहीं मिली थी।**

बादल ने कहा, 'हमने सर्वसम्मति से राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने का फैसला किया है।'

कृषि कानूनों और सिख कैदियों की रिहाई के मुद्दों का हवाला देते हुए बादल ने कहा कि उनकी पार्टी के भारतीय जनता पार्टी के साथ कई मतभेद हैं, लेकिन अकाली दल ने हमेशा समाज के गरीब व कमजोर वर्ग के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, यह मुद्दा एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाली महिला का है और उन्हें राष्ट्रपति बनने का मौका मिल रहा है।'

सुखबीर बादल ने कहा, 'अपने राजनीतिक मतभेदों को अलग रखते हुए, हमने सही रास्ता चुनने का फैसला किया है।

अकाली दल का इतिहास बताता है कि उसने हमेशा गरीबों, अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्ग के लिए लड़ाई लड़ी। कोर कमेटी की बैठक में लगभग 3 घंटे तक विचार करने के बाद हमने सर्वसम्मति से फैसला किया कि हम मुर्मू का समर्थन करेंगे।'

शर्म...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उठाना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट ने आज हममें से उस प्रत्येक व्यक्ति के प्रण को मजबूत किया है, जो इन विध्वंसात्मक विभाजनकारी विचारधाराओं से लड़ रहा है।"

जयराम ने आगे कहा कि "राजनीतिक लाभ के लिए देश को अव्यवस्था में धकेलने वाली और किसी भी तरह की राष्ट्र विरोधी ताकतों के ध्रुवीकरण के विरूद्ध अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपनी लड़ाई कभी खत्म नहीं करेगी और सभी भारतीय उनके उद्दण्डात्मक कार्यों का मुकाबला करें।"

कांग्रेस के अधिकारिक ट्विटर हैण्डिल ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को भाजपा सरकार के चेहरे पर एक तमाचे की संज्ञा दी।

कोर्ट द्वारा नुपूर शर्मा से क्षमा मांगने की बात कहने पर कांग्रेस ने प्रश्न किया कि, क्या भाजपा अध्यक्ष, केन्द्रीय गृहमंत्री और प्रधानमंत्री को निरंतर साम्प्रदायिक घृणा फैलाने के लिए देश से माफी नहीं मांगनी चाहिए।"

नूपुर शर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी वापस लेने के लिए याचिका

सामाजिक कार्यकता अजय गौतम ने कहा है कि, कोर्ट की ऐसी टिप्पणी से नूपुर शर्मा की जान को खतरा और बढ़ गया है

नई दिल्ली, 1 जुलाई। सामाजिक कार्यकर्ता अजय गौतम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। जिसमें गौतम ने सुप्रीम कोर्ट से सुनवाई के दौरान नूपुर शर्मा के लिए की गई टिप्पणी को वापस लेने की मांग की है। सी.जे.आई. को भेजी याचिका में कहा गया है कि इससे नूपुर को जान का खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि नूपुर शर्मा को टीवी पर देश से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए। उदयपुर की घटना के लिए भी उनका बयान ही जिम्मेदार है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में नूपुर शर्मा की ओर से याचिका दायर की गई थी। जिसमें मांग की गई कि उनके खिलाफ दर्ज केस देश के विभिन्न हिस्सों में दर्ज हैं। क्योंकि उनकी जान को खतरा है इसलिए उनका केस दिल्ली में ट्रांसफर किया जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कार्यकर्ता अजय गौतम की ओर से दायर याचिका में मांग की गई है कि नूपुर शर्मा केस में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को वापस लिया जाना चाहिए।

- **गौरतलब है कि, सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा मामले में टिप्पणी की है कि, देश के साम्प्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने के लिए नूपुर शर्मा का बयान ही जिम्मेदार है उन्हें टी.वी. पर आकर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिये।**

नाराजगी जाहिर की और कहा कि इसे पहले हाई कोर्ट में दायर किया जाना था।

अब सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। सामाजिक याचिका में इसके पीछे तर्क दिया गया है कि इससे नूपुर शर्मा की जान को खतरा है। उन्हें फेयर ट्रायल का मौका मिलना चाहिए।

"रियल" शिव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकता था। उस वक्त शिवसेना अधिकारिक रूप से आपके साथ थी। यह सी.एम. शिवसेना का सी.एम. नहीं है। जब शिवसेना वहां है ही नहीं तो शिवसेना का सी.एम. कैसे हो सकता है।" शिंदे सरकार के पहले निर्णय पर टिप्पणी करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि "मेरा गुस्सा मुम्बईवासियों पर मत निकालिए।

मैट्रो शैड का प्रस्ताव मत बदलिए। मुम्बई के पर्यावरण के साथे खिलवाड़ मत कीजिए। यदि आप मुझ पर गुस्सा हैं तो मुझे चोट पहुंचाएं, मुम्बई और पर्यावरण को नहीं। कांजुरमार्ग पर मैट्रो 3 कारशैड के प्रस्ताव पर विचार करें। आरे में कारशैड बनाने पर जोर ना दें।"

सूत्रों ने बताया कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, दोनों ने शिंदे से वादा किया है कि उन्हें शिवसेना की विरासत संभलवाने का हर संभव प्रयत्न किया जाएगा। तथापि, विशेषज्ञों का कहना था कि यह काम इतना आसान नहीं है, क्योंकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना का केस मजबूत है।

जहां यह बात सही है कि, शिवसेना के विधायी भाग में शिंदे को बढ़त प्राप्त है, क्योंकि पार्टी के दो तिहाई विधायक उनके साथ हैं, लेकिन पार्टी के अधिकारिक सदस्य बहुत भारी संख्या में ठाकरे के साथ हैं और पार्टी संगठन पर उनका पूर्ण नियंत्रण है।

भाजपा, चार माह बाद होने जा रहे बृहन्मुम्बई म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (बी.एम.सी.) के चुनाव हर हाल में जीतना चाहती है और इस प्रतिष्ठित निकाय पर, जिसका बजट करोड़ों में हैं, शिवसेना का दबदबा खत्म करने के लिए पूरा जोर लगा रही है।

यह एक मजबूत कारण था कि, भाजपा ने शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया और देवेन्द्र फड़नविस को उप मुख्यमंत्री बनने के लिए बाध्य किया।

भाजपा का शीर्ष नेतृत्व यह भली भांति जानता है कि, जब तक बी.एम.सी. पर उद्धव ठाकरे का नियन्त्रण समाप्त नहीं हो जाता, तब तक मुम्बई पर उसका नियन्त्रण स्थापित नहीं हो सकता। उद्धव, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के लिए हमेशा से आंख की किरकिरी रहे हैं, खासतौर से मोदी और शाह के लिए, किन्तु ठाकरे के नेतृत्व वाली एम.वी.ए. सरकार के ढाई वर्ष के शासनकाल में ठाकरे तथा मोदी-शाह के बीच शत्रुता और गहरी ही हुई है। महाराष्ट्र की राजनीति एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, और जो भी शिवसेना का वास्तविक सुप्रीमो बनकर उभरेगा वो इसे दिशा देगा।

18 बीमा यूनियन्स ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की

नई दिल्ली, 1 जुलाई (वार्ता)। सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों में 18 ट्रेड यूनियनों और संघों के संयुक्त फोरम ने कहा है कि सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है तथा बीमा क्षेत्र के 50 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को बाध्य कर रही है।

बीमा कर्मचारियों के संयुक्त मोर्चे उत्तरी क्षेत्र के संयोजक त्रिलोक सिंह ने बताया कि गुरुवार को इस संबंध में कर्मचारियों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई है जिसमें आगे

- **बीमा कर्मियों की ट्रेड यूनियन्स का दावा है कि, इस हड़ताल में 50 हजार से ज्यादा कर्मचारी हिस्सा लेंगे।**

की रणनीति पर विचार किया गया और सरकार यदि मांग नहीं मानती है तो 11 जुलाई से बीमा क्षेत्र के 50 हजार से अधिक कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

कर्मचारी नेता ने कहा कि 30 जून को हुई बैठक में निर्णय लिया गया है कि कर्मचारी संघों के सभी घटकों की 11 जुलाई को फिर बैठक होगी जिसमें स्थिति की समीक्षा कर आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बीमा क्षेत्र की कंपनियों में लगभग 58000 कर्मचारी और अधिकारी हैं। कर्मचारी अपनी मांगों के समर्थन में मुख्य प्रबंध निदेशकों के कार्यालयों के समक्ष छह जुलाई को धरना प्रदर्शन करेंगे जिसमें न्यू इंडिया इंश्योरेंस, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस,नेशनल इंश्योरेंस, ओरिएंटल बीमा कंपनी सहित सभी इंश्योरेंस कंपनियों के कर्मचारी हिस्सा लेंगे।

छोटी पार्टियों को उनकी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और बिहार में क्षेत्रीय दलों के कंधों पर सवारी करने वाली भगवा पार्टी की यात्रा सफल रही। इन दोनों ही राज्यों में भाजपा बड़ी सहयोगी है। दूसरी और इस संबंध में कांग्रेस का अनुभव निराशाजनक रहा है।

उसके सहयोगियों की शक्ति में जहां इज़ाफा हुआ है, वहीं कांग्रेस स्वयं हाशिए पर आने की स्थिति का उत्तरोत्तर सामना करती रही है। भाजपा ने जहाँ राज्य में अपना संगठनात्मक ढांचा मज़बूत करने के विचार से गठबन्धर किए हैं वहीं, कांग्रेस भाजपा को सत्ता से बाहर करने के विचार के साथ ही प्राय: गठबन्धन करती आयी है। मतदान विशेषज्ञ डैनियल फ्रांसिस के अनुसार "कांग्रेस की इन रणनीतियों का उल्टा असर हुआ है।"

देश की पहली फ्लोटिंग सोलर पैनल परियोजना शुरु हुई

नई दिल्ली, 1 जुलाई (वार्ता)। देश की सबसे बड़ी तैरती सौर ऊर्जा परियोजना का संचालन पूरी तरह से शुरू हो गया है।

एन.टी.पी.सी. ने तेलंगाना के रामागुंडम में एक जुलाई मध्यरात्रि से 100 मेगावाट तैरती सौर पीवी परियोजना में से 20 मेगावाट क्षमता के वाणिज्यिक संचालन की घोषणा की है। इसी के साथ ही रामागुंडम में 100 मेगावाट की सौर पीवी परियोजना के संचालन के साथ दक्षिणी क्षेत्र में तैरती सौर क्षमता का कुल वाणिज्यिक संचालन बढ़कर 217 मेगावाट हो गया।

उर्जा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि रामागुंडम में 100 मेगावाट की तैरती सौर परियोजना उन्नत तकनीक के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल विशेषताओं से सम्पन्न है। मेसर्स भेल के माध्यम से ई.पी.सी. (इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण) अनुबंध के रूप में 423 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह परियोजना जलाशय के 500 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। यह परियोजना 40 खंडों में विभाजित हैं और इनमें से प्रत्येक की

- **तमिलनाडु के रामागुंडम के एक जलाशय के 500 एकड़ क्षेत्र में इस 100 मेगावॉट की सोलर परियोजना का संचालन किया जा रहा है**
- **यह परियोजना 40 खण्डों में विभाजित है और इनमें से प्रत्येक की क्षमता 2.5 मेगावाट है। प्रत्येक खण्ड में एक तैरता प्लेटफॉर्म और 11,200 सौर मॉड्यूल की एक सारणी होती है।**

क्षमता 2.5 मेगावाट है। प्रत्येक खंड में एक तैरता प्लेटफॉर्म और 11,200 सौर मॉड्यूल की एक सरणी होती है। तैरते प्लेटफॉर्म में एक इन्वर्टर, ट्रांसफॉर्मर और एक एच.टी. ब्रेकर होता है। सौर मॉड्यूल एच.डी.पी.ई. (उच्च घनत्व पॉलीथीन) सामग्री से निर्मित फ्लोटर्स पर रखे जाते है।

उन्होंने बताया कि तैरते रहने वाली इस पूरी प्रणाली (फ्लोटिंग सिस्टम) को विशेष एच.एम.पी.ई. (हाई मॉड्यूलस पॉलीइथाइलीन) रस्सी के माध्यम से संतुलित जलाशय क्षेत्र (बैलेंसिंग रिजरवायर बेड) में रखे गए कुल भार तक लंगर डाला जा रहा है।

'नूपुर शर्मा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डिबेट में देखा कि, वे कितनी उत्तेजित थीं। लेकिन जिस तरह से उन्होंने यह सब कहा और बाद में यह भी कहा कि वो एक वकील हैं, बहुत लज्जाजनक है। .....उन्हें टी.वी. पर जाना चाहिये था तथा देश से माफी माँगनी चाहिये थी।"

27 मई को टी.वी. पर हुई उक्त बहस वाराणसी-स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के विषय पर थी। उस टी.वी. डिबेट की कड़ी आचोलना करते हुये, न्यायमूर्ति कांत ने पूछा, उस टी.वी. चैनल ने न्यायालय में विचाराधीन विषय चुना ही क्यों था। जब बैंच को यह बताया गया कि, नूपुर शर्मा ने अपनी टिप्पणी एंकर के प्रश्न के जवाब में की थी, तो जज ने कहा कि, ऐसी स्थिति में होस्ट (बहस का आयोजक टी.वी. चैनल) के खिलाफ भी मुकदमा दायर होना चाहिये था।

नूपुर शर्मा के सीधे सर्वोच्च न्यायालय पहुँचने के संदर्भ में बोलते हुये, जज ने कहा: "याचिका से भी उनके अहंकार की गंध आ रही है कि, देश के मजिस्ट्रेट उनके आगे बहुत तुच्छ हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, "जब आप अन्य लोगों के खिलाफ एफ.आई.आर. दायर करते हैं तो उन्हें तुरन्त गिरफ्तार किया जाता है, लेकिन जब एफ.आई.आर. आपके खिलाफ है तो किसी में आपको छूने तक की हिम्मत नहीं है।"

उन्होंने कहा कि, जब मुम्बई पुलिस 17 जून को उनसे पूछताछ करने दिल्ली आई तो पुलिस को वे नहीं मिल सकीं क्योंकि वे गायब हो गई थीं और इस सब के बाद, वे अदालत से यह राहत चाहती हैं कि सभी एफ.आई.आर. जोड़ दी जायें।

'राज्यों का केन्द्र पर 75 हजार करोड़ रु. से ज्यादा का राजस्व बकाया हो चुका है'

कांग्रेस ने कहा है कि, जी.एस.टी के अविकसित और अस्पष्ट स्वरूप के कारण केन्द्र व राज्यों के बीच मतभेद और बढ़ते जा रहे हैं

नई दिल्ली, 1 जुलाई (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि वस्तु एवं सेवाकर-जी.एस.टी. से पिछले पांच साल में अर्थव्यवस्था को क्षति पहुंची है और सरकार को इस पर सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए और इसको सरल बनाने के लिए संसद में इस पर विस्तार से चर्चा करानी चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदम्बरम तथा पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज सरकार जी.एस.टी. के पांच साल पूरे होने का जश्न मना रही है लेकिन इस नई प्रणाली की खामियों के वजहों से इन पांच सालों में देश को नफे की बजाय भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि जी.एस.टी. से केंद्र तथा राज्यों के बीच परस्पर विश्वास कम हुआ है और राज्यों का केंद्र पर 75 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का राजस्व बकाया हो चुका है।

उन्होंने कहा कि जी.एस.टी. से देश की अर्थव्यवस्था के लिए रीढ़ की भूमिका निभाने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्योग-एम.एस.एम.ई. क्षेत्र की इकाइयां बर्बाद हो रही हैं। इकाइयों के बंद होने से बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हो गये हैं।

चिदम्बरम ने कहा कि मोदी सरकार ने जिस तरह का जी.एस.टी. लागू किया है उसमें जो नियम बनाए गये हैं उनके कारण कोई भी राज्य जी.एस.टी. संग्रह का काम अच्छी तरह नहीं कर पा रहा है। इसके नियम टेढ़े हैं जबकि उन्हें सरल होना चाहिए। केंद्र को इस कर प्रणाली को लागू करते समय राज्यों को सहूलियत को भी देखना चाहिए लेकिन उसने इसे नजरअंदाज किया है।

कांग्रेस के दोनों नेताओं ने कहा कि जी.एस.टी. अधूरा है और यही वजह है कि इसके नियमों में बराबर सुधार करने की जरूरत पड़ रही है। आधे अधूरे ढंग से तैयार जी.एस.टी. के नियमों के कारण लोगों की दिक्कतें बढ रही है और इसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। देश में बड़ी संख्या में एम.एस.एम.ई. में काम करने वाले लोगों और उनके परिवारों संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि जी.एस.टी. को सरल बनाने की जरूरत है और इसके लिए सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए और संसद में इस पर चर्चा करवाकर इसमें बुनियादी बदलाव किये जाने की जरूरत है। उनका कहना था कि

- **कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं जयराम रमेश और पी. चिदम्बरम ने प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, जी.एस.टी. में रही खामियों एवं सुधार के लिए इस पर संसद में चर्चा कराये जाने की आवश्यकता है।**
- **जयराम रमेश ने कहा कि, केन्द्र सरकार जी.एस.टी. के क्रियान्वयन के पांच साल पूरा होने का जश्न मना रही है, लेकिन जब तक इसकी खामियां दूर नहीं होती यह जश्न अधूरा है।**

जी.एस.टी. में सही सुधार तब ही हो सकता है जब सभी दलों को इस पर चर्चा के लिए सरकार बुलाए। यदि सरकार जी.एस.टी. पर सर्वदलीय बैठक करती है तो देश को एक सही और सटीक जी.एस.टी. मिल सकता है।

भारत में आजादी के बाद अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में सबसे बड़े सुधार के तहत लम्बी चर्चाओं के बाद एक जुलाई 2017 को जी.एस.टी. लागू किया गया था और जी.एस.टी. अधिनियम के तहत केंद्रीय वित्तमंत्री की अध्यक्षता में एक सर्वाधिकार संपन्न जी.एस.टी. परिषद गठित की गई है जिसमें सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों को स्थान दिया गया है और परिषद के अब तक के प्राय: सभी निर्णय सर्व सम्मति से हुए हैं। चिदम्बरम और रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने आज के दिन पांच साल पहले जिस जी.एस.टी. को लागू किया था वह पूर्ववर्ती सरकार की सिफारिशों वाला जी.एस.टी. नहीं था। पांच साल में जी.एस.टी. अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में पूरी तरह से बेअसर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रणाली से केवल बड़ी कंपनियों, चार्टर्ड एकाउंटेंटों तथा जी.एस.टी. वकीलों को ही फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि जी.एस.टी. के कारण सबसे ज्यादा नुकसान एम.एस.एम.ई. को ही हुआ है। कांग्रेस नेताओं यह भी याद दिलाया कि उनके नेतृत्व वाली संप्रग सरकार ने जिस जी.एस.टी. लागू करने का प्रस्ताव किया था उसका उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री रहे नरेंद्र मोदी ने विरोध किया था। उन्होंने कहा कि मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही अपना रुख बदल दिया और जी.एस.टी. को सबसे अच्छी कर प्रणाली बताते हुए आधी संसद बुलाकर इसे लागू कर दिया।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इस सरकार ने जो जी.एस.टी. प्रणाली दी है उसमें स्थिरता का अभाव है। पिछले पांच साल में जी.एस.टी. परिषद ने जो काम किया है उसमें पूरी तरह से प्रधानमंत्री कार्यालय का वर्चस्व रहा है और वहां से जो फरमान आता वही लागू होता रहा है। जी.एस.टी. परिषद में राज्यों की सुनवाई नहीं होती है और उनकी बातों को नजरअंदाज किया जाता है। जी.एस.टी. के तहत राजस्व क्षति पूर्ति व्यवस्था को और आगे तक बढाए जाने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन जी.एस.टी. परिषद की हाल की बैठक में इस मुद्दे पर विचार तक नहीं किया गया। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने जी.एस.टी. लागू करते समय राज्यों को राजस्व में एक न्यूनतम स्तर से कम की वृद्धि होने पर क्षतिपूर्ति करने की कानूनी गारंटी प्रदान की थी। यह गारंटी पांच साल के लिए की थी और इसकी अवधि जून 2022 में पूरी हो गई। इसके लिए विशेष जी.एस.टी. उपकर लागू करने की व्यवस्था की गई है।

इसाईयों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में शारीरिक बर्बरता एवं चर्चों को बंद किये जाने के मामले सामने आये हैं।

राष्ट्रपति पद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्णय लेने से पहले, विपक्ष के साथ विचार-विमर्श किया होता तो विपक्ष ने भाजपा के इस चयन (मुर्मू) का निश्चित रूप से समर्थन किया होता क्योंकि वे आदिवासी होने के साथ ही, महिला भी हैं। ऐसा लगता है, मानो ममता के लिये आदिवासी तथा महिला-दोनों के संयोग से बेहतर संयोग कोई और है ही नहीं। लेकिन, जैसी राजनेता वो हैं, चुनावी गणित उनकी समझ में जल्दी और आसानी से आ जाता है तथा उन्होंने चुनावी गणित के हिसाब से ही अपनी प्रतिक्रिया दी है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908